सूर्योदय 6.05 सूर्यास्त 6:27

आज का तापमान

शिमला	16.5 न्यू	23.6 अधि
धर्मशाला	18.8 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,781
निफ्टी	23,398

सोना 1,52,000 चांदी 2,29,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 15 सितंबर 2026 | 30 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 141, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

ममता के 20 बागी सांसदों में 17 जाएंगे भाजपा में

एजेंसी, कोलकाता। ममता बनर्जी से अलग हुए टीएमसी के 20 बागी सांसदों में से 17 सांसद अक्तूबर में दुर्गा पूजा से पहले या बाद भाजपा में शामिल होंगे। कूच बिहार सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी दी। बसुनिया के अनुसार, दो-तिहाई से ज्यादा सांसदों के साथ जाने से दल-बदल कानून लागू नहीं होगा। बंगाल में टीएमसी की हार के बाद 14 जून को बागी सांसदों ने ममता का साथ छोड़ दिया था। इन सांसदों ने त्रिपुरा की स्थानीय पार्टी एनसीपीआई में विलय किया और एनडीए को समर्थन देने का ऐलान किया, अब ये सांसद सीधे भाजपा में शामिल होंगे। हालांकि, तीन सांसद- अबू ताहेर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान भाजपा में शामिल हुए बिना बाहर से एनडीए का समर्थन करेंगे।

दिशा सालियान की मौत पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

एजेंसी, मुंबई। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में सीबीआई ने सोमवार को एफआईआर दर्ज की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2 सितंबर को दिशा के पिता की याचिका पर सीबीआई जांच के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने मुंबई पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा था कि छह साल तक एफआईआर दर्ज नहीं करना और मामले को सिर्फ हादसे के रूप में देखना कई सवाल खड़े करता है। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। घटना के छह दिन बाद, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे।

पत्रकार तरुण का गोवा कोर्ट में सरेंडर, जेल गए

एजेंसी, पणजी। तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल ने सोमवार को गोवा की मापुसा कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट ने उन्हें नॉर्थ गोवा की कोलवाले सेंट्रल जेल भेज दिया, जहां उन्हें 10 साल की सजा काटनी है। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर से छूट की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही तीन हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 22 सितंबर को उनकी अपील पर सुनवाई की जाएगी।

हिंदी का दूसरी भाषाओं से कॉम्पिटिशन नहीं : शाह

एजेंसी, मुंबई। गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी दिवस पर अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि हिंदी का दूसरी भारतीय भाषाओं से कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है और हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोक परंपराएं और संस्कृति लेकर चलती है। शाह ने युवाओं से दुनिया की ज्यादा से ज्यादा भाषाएं सीखने, लेकिन अपनी मातृभाषा न छोड़ने की अपील की। उन्होंने माता-पिता से भी बच्चों से मातृभाषा में बात करने को कहा। शाह के मुताबिक, अपनी भाषा बोलने को लेकर हीन भावना नहीं होनी चाहिए, क्योंकि भाषा ही लोगों को उनकी मां, मिट्टी, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है।

ऑपरेशन सिंदूर में वायुसेना का दमदार प्रदर्शन, पाकिस्तानी ठिकानों पर किए सटीक हमले, रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में खुलासा

एस-400 ने 314 किमी दूर उड़ाया पाक विमान

एजेंसी, नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय वायु सेना की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि पूरे पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए, जिसमें नूर खान और रहीम यार खान एयर बेस जैसी जगहों को निशाना बनाया गया। वायु सेना ने जवाबी ड्रोन और यूएवी हमलों के दौरान भारतीय एयरस्पेस की सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाई। एक लेयर्ड एयर डिफेंस ग्रिड में स्वदेशी आकाश मिसाइल सिस्टम, पेचोरा और ओएसए-एके प्लेटफॉर्म को असरदार तरीके से तैनात किया गया था।

इंटीग्रेटेड एयर कमांड और कंट्रोल सिस्टम ने रियल-टाइम कोऑर्डिनेशन को मुमकिन बनाया, जिससे हवाई खतरों को बेअसर करने और पूरे संघर्ष के दौरान नेट-सेंट्रिक ऑपरेशन बनाए रखने में

मदद मिली। रक्षा मंत्रालय ने अपनी सालाना रिपोर्ट में सबसे लंबे समय तक जमीन से हवा में मार करने वाले विमानों पर रोशनी डाली है। एस-400 यूनिट के एक ऑपरेशन में एक पाकिस्तानी स्पेशल मिशन एयरक्राफ्ट को 314 किमी. की दूरी से सफलतापूर्वक निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया। इस ऑपरेशन से वायु सेना ने एयर डिफेंस के नियमों को फिर से लिखा और भारतीय रडार ने चुपचाप और बिना किसी गलती के एकदम सही तरीके से खतरे को ट्रैक किया। लंबी दूरी की जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल को उसकी दूर की सीमा तक गाइड किया गया। इस जरूरी ऑपरेशन ने दुश्मन को साबित कर दिया कि जमीन या हवा में कोई भी जगह वायु सेना के हमलों की पहुंच से बाहर नहीं थी।

एलएसी पर चीन ने सैनिक घटाए, एलओसी पर सीजफायर उल्लंघन 2 से बढ़कर 163 हुए

सेना ने बताया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने एलएसी पर सैनिकों की संख्या घटाई है। एलएसी और चीन के मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर में अब करीब 10 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के आकार की सैन्य टुकड़ियां तैनात हैं। एक ब्रिगेड में करीब 3 हजार सैनिक होते हैं। कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड में पैदल गस्त करने वाली सेना, टैंक, तोपखाना और एयर डिफेंस जैसी अलग-अलग सैन्य क्षमताएं शामिल होती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एलएसी के सभी सेक्टरों में भारतीय सेना की तैनाती मजबूत है और वह किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर के हालात में भी सुधार बताया गया है, यहां 2025 में पत्थरबाजी की एक भी घटना नहीं हुई। हालांकि, एलओसी पर सीजफायर उल्लंघन बढ़े। 2024 की तुलना में 2025 में सीजफायर के मामले

2 से बढ़कर 163 हो गए। वहीं 12 पाकिस्तानी आतंकी ढेर हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुरक्षाबलों ने 2025 में 2 एके-47 राइफल, 75 पिस्टल और 281.41 किलो नशीला सामान बरामद किया। सेना के मुताबिक, यह सामान ड्रोन के जरिए सीमा पार से भेजा गया था। खासकर पंजाब में ड्रोन के जरिए हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी पश्चिमी सीमा के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

गुरुग्राम : लाखों प्रवासी भारतीयों का यूके के विकास में अहम योगदान : सीएम सैनी

एजेंसी, गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत-यूके सीईटीए हरियाणा के लिए वैश्विक व्यापार के नए अवसर खोलने वाला महत्वपूर्ण समझौता है। इससे राज्य के टेक्सटाइल, फुटवियर, रत्न एवं आभूषण और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों को यूके के बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। यह समझौता हरियाणा के युवाओं, किसानों, एमएसएमई और स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों और नई तकनीकों से जोड़कर विकास के नए अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में हरियाणा-यूके सीईटीए ट्रेड ब्रिज-अनलॉकिंग ग्लोबल अपॉर्च्युनिटीज फॉर हरियाणा कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान ब्रिटिश उप-उच्चायुक्त (चंडीगढ़) अल्बा स्मेरिग्लियो समेत अनेक लोग मौजूद रहे। यह कार्यक्रम यूके हाई कमीशन के सहयोग से किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के मात्र दो प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र में होने के बावजूद हरियाणा देश की सबसे गतिशील अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है। मैन्युफैक्चरिंग और ऑटोमोटिव सेक्टर से लेकर टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और कृषि तक राज्य ने नए आयाम स्थापित किए हैं। गुरुग्राम आज भारत के प्रमुख व्यावसायिक, तकनीकी और वैश्विक सेवा केंद्रों में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वैश्विक सप्लाई चेन के पुनर्गठन को ध्यान में रखते हुए हरियाणा ने गो ग्लोबल का दूरदर्शी विजन अपनाया है। भारत-यूके सीईटीए इस दिशा में एक मील का पत्थर है मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणवी परिवारों सहित लाखों प्रवासी भारतीयों ने यूके के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, वहीं ब्रिटिश संस्थानों ने भी हरियाणा की विकास यात्रा में विश्वसनीय साझेदार की भूमिका निभाई है।

थोक महंगाई अगस्त में बढ़कर 9 .92 % पहुंची

8 महीने में सबसे ज्यादा; खाने-पीने की चीजें, ईंधन महंगे होने का असर

एजेंसी, नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई के आंकड़े जारी किए। इन आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2026 के लिए महंगाई 9.92 प्रतिशत रही, जो जुलाई में 9.78 प्रतिशत थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि अगस्त 2026 में सभी वस्तुओं का डब्ल्यूपीआई 110.8 रहा, जबकि जुलाई में यह 110.0 था। आंकड़ों से पता चलता है कि प्राथमिक वस्तुओं, ईंधन एवं ऊर्जा तथा विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी का समग्र महंगाई पर असर पड़ा। अगस्त में ईंधन एवं ऊर्जा श्रेणी की महंगाई बढ़कर 22.93 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 20.05 प्रतिशत थी। हाल के सप्ताहों में अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी का असर इस श्रेणी पर साफ दिखाई दिया। वहीं, प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई अगस्त में 7.76 प्रतिशत रही, जबकि

जुलाई में यह 8.52 प्रतिशत थी। दूसरी ओर, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई मामूली बढ़कर 8.37 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने 8.29 प्रतिशत थी। अगस्त में प्राथमिक वस्तुओं का सूचकांक 118.1, ईंधन एवं ऊर्जा का 108.3 और विनिर्मित उत्पादों का 108.8 रहा।

जुलाई में ये क्रमशः 117.2, 105.4 और 108.4 थे। डब्ल्यूपीआई खाद्य सूचकांक-आधारित महंगाई अगस्त में बढ़कर 7.05 प्रतिशत हो गई, जबकि जुलाई में यह 6.65 प्रतिशत थी। इससे संकेत मिलता है कि खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी दबाव बना हुआ है।

अगस्त में खुदरा महंगाई 4.82 फीसदी पर पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली। देश में महंगाई ने एक बार फिर आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ाया है। अगस्त में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.82 फीसदी हो गई है। यह वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को जारी जानकारी के मुताबिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई जुलाई में 4.45 फीसदी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। खाद्य महंगाई दर अगस्त में 5.95 फीसदी पर पहुंच गई है। यह जुलाई के 5.52 फीसदी से अधिक है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार वृद्धि ने आम लोगों के बजट पर सीधा असर डाला है।

दिल्ली दंगा 2020- कोर्ट ने पांच को दोषी बताया

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े भजनपुरा पेट्रोल पंप हिंसा मामले में कोर्ट ने पांच लोगों को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने माना कि आरोपियों की भीड़ ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर पथराव और हमला किया था। हालांकि, कोर्ट ने पेट्रोल पंप में आग लगाने के आरोप से सभी पांचों को बरी कर दिया। कड़कड़डूमा कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज परवीन सिंह ने आरिफ, मोहम्मद खालिद, अब्दुल सत्तार, तनवीर अली और हुनैन के खिलाफ यह आदेश दिया। कोर्ट ने ये आदेश 9 सितंबर को दिया था, लेकिन मामला सोमवार को सामने आया, अभी कोर्ट ने सजा नहीं सुनाई है। ये सभी आरोप आईपीसी की धारा 147, 152, 186 और 353 के तहत हैं। इन्हें गैरकानूनी सभा से जुड़ी आईपीसी की धारा 149 के साथ पढ़ा गया है। दिल्ली में फरवरी, 2020 में हिंसा भड़की थी। इसमें 53 लोगों की मौत हुई थी।

दिल्ली में स्वच्छ और आधुनिक सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता : सीएम रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को शालीमार बाग के सिंगलपुर गांव के लेबर चौक पर नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय परिसर (जन सुविधा परिसर) जनता को समर्पित किया।

इस अवसर पर दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, जिला अध्यक्ष अजय खटाना, निगम पार्षद अमित नागपाल, अनीता जैन मौजूद रही। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस सार्वजनिक शौचालय में दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा गया है और उनकी सुविधा के लिए केयरटेकर की व्यवस्था भी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार स्वच्छ, सुगम और आधुनिक सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आधुनिक सार्वजनिक शौचालय जनता को

◆ मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय परिसर जनता को किया समर्पित

समर्पित किया और इस 1,000 आधुनिक सार्वजनिक शौचालय बनाने के लक्ष्य में से आज पहला जन सुविधा परिसर सफलतापूर्वक पूरा कर जनता को समर्पित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में साफ-सुथरे आधुनिक की कमी को दूर करने के लिए दिल्ली पर्यटन को सड़कों और बाजारों में 1,000 शौचालय परिसर बनाने का लक्ष्य दिया गया है। इसमें पुरुषों, महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए 3 अलग-अलग यूनिट्स हैं, साथ ही महिलाओं के लिए सैनिटरी नैपकिन की भी व्यवस्था है। 24 घंटे केयरटेकर, हर 20 परिसरों पर एक सुपरवाइजर और आधुनिक सफाई मशीनों के साथ इसका रख-रखाव सीधे सरकार करेगी। दिल्ली वासियों और आने वाले पर्यटकों के लिए यह सुविधा पूरी तरह नि:शुल्क रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले अब सुनकर भी समझ सकेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी दिवस के मौके पर जल्द 'जन सूचना सेवा' शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत कोर्ट के बड़े फैसलों और आदेशों का सार आसान हिंदी में छोटे ऑडियो और वीडियो बुलेटिन के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। यानी जिन लोगों को कानूनी भाषा में लिखे फैसले पढ़ने और समझने में परेशानी होती है, वे उन्हें सुनकर और देखकर भी समझ सकेंगे।

इस पहल का मकसद सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को आम लोगों की समझ में लाना है। जन सूचना सेवा की शुरुआत हिंदी से होगी और बाद में यह सेवा दूसरी भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएगी। कोर्ट ने इस पहल में दिव्यांगजनों तक

◆ आसान हिंदी में आदेश का ऑडियो-वीडियो जारी होगा

न्यायिक जानकारी की आसान पहुंच को भी खास महत्व दिया है, अब यदि सुप्रीम कोर्ट के स्तर पर ही अनुवाद करके फैसलों का सारांश प्रस्तुत किया जाएगा, तो इससे गलत सूचनाओं के फैलने पर भी रोक लग सकेगी।

निवेश व रोजगार से कांग्रेस को परेशानी : धामी

कहा- कांग्रेस की राजनीति लंबे समय तक परिवारवाद के इर्द-गिर्द घूमती रही

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई वास्तविक मुद्दा नहीं बचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता विकास, निवेश और रोजगार से जुड़े हर प्रयास में बाधा तलाश रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने एक सवाल पर कहा कि प्रदेश में विकास कार्य हों, निवेश आए या युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हों, कांग्रेस नेताओं को हर अच्छी पहल से परेशानी होने लगती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति लंबे समय तक परिवारवाद और तुष्टिकरण के इर्द-गिर्द घूमती रही है, इसलिए पारदर्शिता, सुशासन और विकास की राजनीति उसे रास नहीं आ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश

◆ उत्तराखंड की जमीन और देवभूमि के मूल स्वरूप की रक्षा सरकार की प्राथमिकता

बढ़ाने और रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से उत्तराखंड अवसंरचना निवेश विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) का गठन किया गया है। सरकार निवेश से जुड़ी व्यवस्थाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रदेश में करीब 13 हजार एकड़ सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। जब सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हो रहा था, तब कांग्रेस नेताओं ने इस मुद्दे पर आवाज नहीं उठाई। बनभूलपुरा में अतिक्रमण के मुद्दे पर कांग्रेस की चुप्पी उसके दोहरे रवैये को दर्शाती है। शुद्धिकरण प्रकरण को जाति से जोड़ने के कांग्रेस के आरोप पर धामी ने कहा कि शुद्धिकरण और हवन जिहादी नारों के विरोध में किया गया था और इसका जातिवाद से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा कि आयोजन करने वाले व्यक्ति स्वयं अनुसूचित समाज से हैं। इससे कांग्रेस की ओर से बनाए जा रहे नैरेटिव की वास्तविकता सामने आती है। धामी ने कहा कि उत्तराखंड की जमीन और देवभूमि के मूल स्वरूप की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। राज्य की एक-एक इंच जमीन की सुरक्षा के लिए सरकार पूरी दृढ़ता से काम करती रहेगी।

हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के 2 और अहम द्वीपों पर किया कब्जा

एजेंसी, सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने दक्षिणी लाल सागर में दो और अहम द्वीपों पर कब्जा कर लिया है। यमन सरकार के मुताबिक हूतियों ने ग्रेटर हनीश व लेसर हनीश द्वीपों पर अपने लड़ाके तैनात किए हैं। ये द्वीप बाब-अल मंदेब स्ट्रेट से करीब 160 किमी उत्तर में हैं।

इससे पहले पिछले हफ्ते हूतियों ने लाल सागर के किनारे बसे बंदरगाह शहर मोखा और बाब-अल मंदेब में मौजूद मायून द्वीप पर भी कब्जा किया था। इन दोनों जगहों पर सऊदी अरब के समर्थन वाली यमनी सरकारी सेना का नियंत्रण था। हूतियों के इन द्वीपों पर कब्जे से लाल सागर के समुद्री रास्ते पर उनका दबदबा और मजबूत हो गया है। बाब-अल-मंदेब एशिया से यूरोप जाने वाले जहाजों के लिए शॉर्टकट रास्ता है। यहां से गुजरने के बाद जहाज स्वेज नहर के रास्ते भूमध्य सागर तक पहुंचते हैं।

यमन में सरकार और हूतियों के बीच हमले तेज

यमन और सऊदी की सेना ने लाल सागर के पास हूतियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए। इसके जवाब में हूतियों ने सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइल से हमले करने का दावा किया। हमले की आशंका के बीच सऊदी अरब के दो शहरों अबहा और खमिस मुशैत में सायरन बजाए गए। लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया। सऊदी में यमन सीमा के पास एक प्रोजेक्टाइल गिरने से दो लोग घायल हुए। एक मस्जिद और कुछ दूसरी इमारतों को भी नुकसान पहुंचा।

हर पीड़ित की समस्या का समाधान करा रही सरकार : योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ स्थित पांच कालीदास मार्ग सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

उन्होंने कहा कि सरकार हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और शीघ्रता से किया जाए। हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ अधिकारी कठोर कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में कुर्सियों पर बैठे हर पीड़ित के पास खुद चलकर गए और उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान

बच्चों का हाल जाना और चॉकलेट दीं

मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ आए नन्हे-मुन्नों का हालचाल जाना। उनकी पढ़ाई और उनकी रुचि के बारे में भी पूछा। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ो और अन्य गतिविधियों (खेल, संगीत, कला आदि) में भी हिस्सा लो। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट देते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। योगी आदित्यनाथ के समक्ष कुछ पीड़ितों ने पुलिस से जुड़ी अलग-अलग शिकायतें बताईं। इस पर मुख्यमंत्री सख्त हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी ध्यान दें, किसी भी मामले में थाना, चौकी, बीट स्तर पर हीलाहवाली की शिकायत बर्दाश्त नहीं होगी।

घोषणा एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 27 अक्तूबर से, मोहाली और जालंधर करेगा मेजबानी

पंजाब की धरती पर हॉकी की भावनात्मक घर वापसी : मान

एजेंसी, मोहाली। हीरो पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी-2026 का आयोजन 27 अक्तूबर से 5 नवंबर तक पंजाब के मोहाली और जालंधर में किया जाएगा। टूर्नामेंट की तारीखों की आधिकारिक घोषणा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को मोहाली में की।

महाद्वीपीय स्तर के इस प्रतिष्ठित हॉकी टूर्नामेंट के मुकाबले मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम और जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। जालंधर में 27 अक्तूबर से 2 नवंबर तक उद्घाटन समारोह के साथ लीग चरण के सभी मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद टूर्नामेंट मोहाली पहुंचेगा, जहां 4 नवंबर को दोनों

सेमीफाइनल और 5 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि ऐतिहासिक हीरो पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026 पंजाब के लिए केवल एक हॉकी टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि यह उस खेल की भावनात्मक घर वापसी है, जिसने भारतीय हॉकी के कई दिग्गजों को जन्म दिया है। उन्होंने कहा, 'पहली बार पंजाब अपनी धरती पर इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है।

पंजाब सरकार इसे खिलाड़ियों, दर्शकों और भारत तथा दुनिया भर के हॉकी प्रेमियों के लिए यादगार खेल आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।' इस अवसर पर हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, महानिदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव, कार्यकारी बोर्ड सदस्य आरपी सिंह और हॉकी पंजाब के अध्यक्ष नितिन कोहली भी मौजूद रहे। टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष हॉकी टीमों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। भारत, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, चीन और जापान को प्रतिभागी टीमों में शामिल किया गया है, जबकि ओमान और बांग्लादेश रिजर्व टीमों के रूप में हैं। हीरो पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी एशियाई हॉकी महासंघ के कैलेंडर के प्रमुख टूर्नामेंटों में शामिल है। यह महाद्वीप की शीर्ष टीमों को उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का मंच प्रदान करता है। 2026 संस्करण के जरिए पंजाब की समृद्ध हॉकी विरासत और खेल में उसके योगदान को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

पंजाब की हॉकी विरासत बेहद गौरवशाली : दिलीप

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा कि पंजाब की हॉकी विरासत बेहद गौरवशाली है और हमें खुशी है कि मोहाली और जालंधर हीरो पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026 की मेजबानी करेंगे। हम पंजाब सरकार के सहयोग और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'हीरो पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026 की तारीखों की घोषणा पंजाब में यादगार टूर्नामेंट की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत मान के सहयोग और हॉकी के प्रति प्रतिबद्धता के लिए आभारी हैं। मोहाली और जालंधर की समृद्ध हॉकी संस्कृति एशिया की शीर्ष टीमों के लिए शानदार मंच उपलब्ध कराएगी।'

स्वास्थ्य मंथन में युवाओं को सेवा, समानता और जागरूकता का दिया संदेश

युवाओं की सक्रिय भागीदारी से बनेगा स्वस्थ जागरूक और संवेदनशील समाज : राज्यपाल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने युवाओं का आह्वान किया कि वे समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने, भेदभाव समाप्त करने और मानव सेवा की भावना को मजबूत करने में अग्रणी भूमिका निभाएं। राज्यपाल रविवार को हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचपीएनएलयू), शिमला में आयोजित 'स्वास्थ्य मंथन-2026' के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

एचपीएनएलयू की एनसीसी इकाई ने राज्य एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी, हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वस्थ कल के लिए युवा नेतृत्व का सशक्तिकरण' विषय पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य जागरूकता, युवा नेतृत्व, सामाजिक संवेदनशीलता और मानव सेवा से जुड़े

विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई तथा प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि 'स्वस्थ कल के लिए युवा नेतृत्व का सशक्तिकरण' विषय वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि युवा केवल देश का भविष्य नहीं हैं, बल्कि वर्तमान समय की सबसे बड़ी शक्ति भी हैं। स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण के लिए युवाओं में जागरूकता, संवेदनशीलता और सक्रिय भागीदारी जैसे गुणों का होना आवश्यक है।

राज्यपाल, जो राज्य रेडक्रॉस के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि स्वास्थ्य का अर्थ केवल अस्पतालों और चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं है। इसका सीधा संबंध व्यक्ति की गरिमा, समानता, जागरूकता और सामाजिक न्याय से भी है। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के प्रति समाज में व्याप्त भ्रांतियों और भेदभाव को समाप्त करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बीमारी के साथ-साथ अज्ञानता और सामाजिक कलंक जैसी बुराइयों के खिलाफ भी समाज को एकजुट होकर लड़ना होगा।

उन्होंने युवाओं से प्रमाणिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा मिथकों और भ्रांतियों को चुनौती देने के साथ लोगों को आवश्यकता पड़ने पर उचित स्वास्थ्य सेवाएं और विशेषज्ञ परामर्श लेने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और लोग समय पर उपचार प्राप्त कर सकेंगे। राज्यपाल ने कहा कि कानून केवल नियमों और प्रावधानों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह लोगों की गरिमा, समानता और अधिकारों की रक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

टेमी चाय बागान में पत्रकारों ने देखी जैविक चाय बनने की पूरी प्रक्रिया

सिक्किम दौरे में मीडिया दल ने चार धाम मंदिर और बाइचुंग भूटिया स्टेडियम का भी किया भ्रमण

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, गंगटोक/शिमला। पीआईबी शिमला के 13 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने सिक्किम के प्रसिद्ध टेमी चाय बागान एवं कारखाने का दौरा कर चाय उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल को चाय की कच्ची पत्तियों के संग्रहण और प्रसंस्करण से लेकर अंतिम उत्पाद तैयार होने तक की विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने पत्रकारों को चाय उत्पादन, प्रसंस्करण और गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया।

टेमी चाय देश की एकमात्र प्रमाणित जैविक सरकार संचालित चाय के रूप में जानी जाती है। प्रतिनिधिमंडल ने चाय बागान में उत्पादन प्रक्रिया को नजदीक से देखा और चाय की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने बताया कि जैविक उत्पादन के कारण टेमी चाय की अलग पहचान बनी हुई है और इसे देश-विदेश के बाजारों में पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

मीडिया प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत में टेमी टी की प्रबंध निदेशक राधा प्रधान ने गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने संगठन के विस्तार और ब्रांड के विकास की योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि बदलती उपभोक्ता पसंद, विशेषकर नई पीढ़ी के युवाओं को ध्यान में रखते हुए नए और नवोन्मेषी उत्पाद विकसित करने की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि युवाओं के बीच टेमी टी की पहुंच बढ़ाने के लिए बोबा चाय और तैयार पेय मिश्रित जैविक चाय जैसे नए उत्पादों पर विचार किया जा रहा है। इसके अलावा बाजार में व्यापक पहुंच बनाने के उद्देश्य से एक लचीला फ्रेंचाइजी मॉडल विकसित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

राधा प्रधान ने जापान, जर्मनी, अमेरिका और कोरिया सहित

सिक्किम की खेल प्रतिभाएं

मीडिया दल ने बाइचुंग भूटिया स्टेडियम का दौरा किया। यहां नन्हीं फुटबॉल प्रतिभाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशिक्षण व्यवस्था और युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को भी देखा। सिक्किम भ्रमण के दौरान हिमाचल के पत्रकारों को राज्य की जैविक चाय उत्पादन व्यवस्था, पर्यटन, धार्मिक स्थलों और खेल प्रतिभाओं से जुड़ी गतिविधियों को करीब से समझने का अवसर मिला।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में टेमी टी की उपस्थिति बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में जैविक चाय के लिए एक विशिष्ट बाजार विकसित करने की योजनाओं पर काम किया जा रहा है। स्वच्छ और टिकाऊ उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन ईंधन को एलपीजी में परिवर्तित किया गया है।

मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने नामची जिले में स्थित सिद्धेश्वर धाम का भी भ्रमण किया। इसे चार धाम मंदिर के नाम से जाना जाता है। मंदिर परिसर में चार धाम और द्वादश ज्योतिर्लिंग के प्रतिरूप स्थापित किए गए हैं। पत्रकारों ने मंदिर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं की जानकारी ली और परिसर का अवलोकन किया।

राहुल राणा ने बल्ह में विकास कार्यों को लेकर पूर्व मंत्री के बयानों पर जताई आपत्ति

बच्चों के खेलकूद आयोजन में राजनीति से बचें कार्यक्रम की गरिमा बनाए रखें : राहुल राणा

भारतेन्दु संवाददाता,मंडी। बल्ह विधानसभा क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पैड़ी में आयोजित अंडर-14 छात्र खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी द्वारा दिए गए राजनीतिक वक्तव्यों पर भाजपा नेता एवं वार्ड सदस्य राहुल राणा ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि बच्चों के खेलकूद कार्यक्रमों का उद्देश्य उनकी प्रतिभा को निखारना और उनमें खेल भावना विकसित करना है, इसलिए ऐसे आयोजनों को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का मंच नहीं बनाया जाना चाहिए।

राहुल राणा, पूर्व उपाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा बल्ह मंडल, वर्तमान बूथ अध्यक्ष तथा वार्ड सदस्य वार्ड नंबर चार ग्राम पंचायत बैहल ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की अपनी गरिमा होती है। राजनीतिक टिप्पणियों से इन आयोजनों का मूल उद्देश्य प्रभावित होता है। उन्होंने पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी द्वारा बल्ह क्षेत्र के विकास और सड़कों की स्थिति को लेकर की गई टिप्पणियों को तथ्यों से परे बताया।

उन्होंने कहा कि भाजपा

सरकार के कार्यकाल में विधायक इंद्र सिंह गांधी के नेतृत्व में बल्ह विधानसभा क्षेत्र की कई सड़कों का निर्माण, उन्नयन और पक्कीकरण किया गया। इसके अलावा विभिन्न विकास परियोजनाओं को भी गति दी गई, जिनका लाभ क्षेत्र की जनता को मिल रहा है। राहुल राणा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के लगभग चार वर्ष के कार्यकाल में बल्ह विधानसभा क्षेत्र को अपेक्षित विकासात्मक बजट नहीं मिला। इसके बावजूद विधायक लगातार क्षेत्र के जनहित से जुड़े मुद्दों को विधानसभा और सरकार के समक्ष उठाते रहे हैं।

राहुल राणा ने कहा कि हाल ही में विधानसभा में विधायक इंद्र सिंह गांधी ने निर्माणाधीन मुख्यमंत्री लोक भवन, बल्ह के अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए आवश्यक बजट उपलब्ध करवाने की मांग उठाई थी। उनके अनुसार, संबंधित मंत्री की ओर से विधायक को ही बजट का प्रावधान करने की सलाह दिया जाना सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने पैड़ी-पास्ता पुल के निर्माण को विधायक इंद्र सिंह गांधी के प्रयासों का परिणाम बताते हुए कहा कि इससे स्थानीय लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिली है।

उन्होंने कहा कि पैड़ी विज्ञान प्रयोगशाला के संबंध में केवल भवन निर्माण की बात करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसे पूरी तरह संचालित करने के लिए आवश्यक बजट, उपकरण और अन्य संसाधन उपलब्ध करवाना भी जरूरी है। राहुल राणा ने पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी से आग्रह किया कि बच्चों और शिक्षण संस्थानों से जुड़े कार्यक्रमों को राजनीतिक बयानबाजी का मंच बनाने से बचें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों की गरिमा बनाए रखना सभी जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि बल्ह की जनता विकास और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए भविष्य में उचित निर्णय लेगी।

संस्कृत प्रश्न मंच में छतरी विद्यालय का शानदार प्रदर्शन, जिला स्तर पर हासिल किया प्रथम स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। विद्या भारती हिमाचल शिक्षा समिति, हिमाचल प्रांत के तत्वावधान में सरस्वती विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय हरिपुर, सुंदरनगर में जिला स्तरीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में सरस्वती विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय छतरी के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। किशोर वर्ग की संस्कृत प्रश्न मंच प्रतियोगिता में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों तनिशिका शर्मा, कमल शर्मा और कार्तिक ठाकुर ने भाग लिया। तीनों विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया और विद्यालय का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद अब तीनों विद्यार्थी आगामी प्रांत स्तरीय संस्कृति महोत्सव में मंडी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर वॉशिंग, जिला कुल्लू में किया जाएगा। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और अभिभावकों ने विद्यार्थियों को

बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य नेत्र वर्मा ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने संपूर्ण विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

14 सितंबर को विद्यालय की प्रात:कालीन सभा में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने वाले तीनों विद्यार्थियों का विशेष स्वागत किया गया। इस दौरान प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के साथ गई संरक्षक आचार्या वनीता तथा विद्यालय के संस्कृत आचार्य सोमकृष्ण शास्त्री का भी विद्यालय परिवार की ओर से भव्य स्वागत किया गया।

विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रति उनके समर्पण का परिणाम बताया। शिक्षकों ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में ज्ञान, आत्मविश्वास और मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करती हैं। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास जताया कि तीनों विद्यार्थी आगामी प्रांत स्तरीय संस्कृति महोत्सव में भी बेहतर प्रदर्शन कर मंडी जिले और विद्यालय का गौरव बढ़ाएंगे।

केपटाउन पहुंचे पठानियां, राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में देंगे संबोधन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की विधायी राजधानी केपटाउन पहुंच गए हैं। पठानियां सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे केपटाउन पहुंचे। सम्मेलन का आयोजन 14 से 17 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है।

पठानियां रविवार रात करीब 2:30 बजे नई दिल्ली से वायु मार्ग द्वारा केपटाउन के लिए रवाना हुए थे। उनके साथ विधानसभा सचिव यशपाल शर्मा भी गए हैं, जो सचिवों के सम्मेलन में भाग लेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश और विभिन्न राज्यों के पीठासीन एवं उपपीठासीन अधिकारी तथा विधानसभा सचिव हिस्सा ले रहे हैं।

सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष एवं राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत शाखा के प्रमुख ओम बिरला भी भाग ले रहे हैं। देश के 28 राज्यों के पीठासीन, उपपीठासीन अधिकारी और सचिव सम्मेलन में शामिल होंगे।

कुलदीप सिंह पठानियां सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि के रूप में 'सुलभ संसद: भारत की संसद में दिव्यांगजनों की भागीदारी' विषय पर अपना संबोधन देंगे। इस दौरान वह संसद और लोकतांत्रिक संस्थाओं में दिव्यांगजनों की अधिक प्रभावी भागीदारी तथा उन्हें सुलभ वातावरण उपलब्ध कराने से जुड़े विषयों पर विचार रखेंगे।

जानकारी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की तीन राजधानियां हैं। प्रिटोरिया प्रशासनिक राजधानी है, जहां राष्ट्रपति कार्यालय और मंत्रिमंडल स्थित है। केपटाउन विधायी राजधानी है, जहां देश की संसद है, जबकि ब्लोमफोंटेन न्यायिक राजधानी है, जहां सर्वोच्च अपील न्यायालय स्थित है।

इस दौरान कुलदीप सिंह पठानियां विभिन्न देशों के संसदीय प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन में लोकतांत्रिक संस्थाओं को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने, दिव्यांगजनों की भागीदारी बढ़ाने तथा संसदीय कार्यप्रणाली में समान अवसर सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर चर्चा होगी। पठानियां अपने संबोधन में भारत में दिव्यांगजनों के लिए संसद की पहुंच और भागीदारी को बेहतर बनाने के प्रयासों को साझा करेंगे। सम्मेलन के माध्यम से विभिन्न देशों की संसदीय व्यवस्थाओं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर भी मिलेगा।

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

देखने में तो इंजीनियर का जीवन बहुत आसान लगता है लेकिन इनका हर दिन मुश्किलों से भरा होता है

हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग की ओर से सभी को

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. एन.पी. सिंह
प्रमुख अभियंता
लोक निर्माण विभाग
हिमाचल प्रदेश

इंजीनियर कल्पना और वास्तविकता के बीच का पुल है

हिमाचल प्रदेश जल शक्ति विभाग हिमाचल प्रदेश की तरफ से

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. अंजू शर्मा
प्रमुख अभियंता
जल शक्ति विभाग
हिमाचल प्रदेश

भगवान ने इंसान को बनाया और इंजीनियरों ने इंसानों की दुनिया को बनाया

हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग शिमला की ओर से सभी को

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. दीपक राज चौहान
अधीक्षण अभियंता
सर्कल-4 हि.प्र. लोक निर्माण विभाग शिमला

लोक निर्माण विभाग उप मंडल आई जी एम सी शिमला की तरफ से

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

TO ALL THE ENGINEERS.
WE SALUTE YOUR IDEAS AND INNOVATIONS THAT HAVE TRULY CHANGED OUR LIVES.

Happy Engineer's Day

ER. D.S. RANTA
PRESIDENT
PWD ELECTRICAL CONTRACTORS WELFARE ASSOCIATION H.P. (REGD.)
PH:-94184-66495

हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड उप मंडल जतोग टूटू की तरफ से

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. योगेश कुमार
सहायक अधिशासी अभियंता
राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड उप मंडल जतोग टूटू

हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग मंडल नेरचौक मंडी की ओर से सभी को

HIMACHAL PRADESH P W D

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. देवी राम चौहान
अधिशासी अभियंता
लोक निर्माण विभाग

हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग उपमंडल बेनमोर शिमला-2 की ओर से सभी को

HIMACHAL PRADESH P W D

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. हेम राज वर्मा
सहायक अभियंता
लोक निर्माण विभाग
उपमंडल बेनमोर शिमला -2

हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग विद्युत उप मंडल सचिवालय एवं विधानसभा शिमला की ओर से सभी को

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. योगेश गुप्ता
सहायक अभियंता
लोक निर्माण विभाग विद्युत उप मंडल सचिवालय एवं विधानसभा शिमला

हिमाचल प्रदेश जल शक्ति विभाग उप मंडल कोटी की तरफ से

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. विवेक डोगरा
सहायक अभियंता
जल शक्ति विभाग
उपमंडल कोटी

हिमाचल प्रदेश जल शक्ति विभाग उपमंडल जुब्बल की तरफ से

बूंद-बूंद अनमोल है पानी व्यर्थ न बहाएं

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई.नरेंद्र भागटा
सहायक अभियंता
जल शक्ति विभाग
उपमंडल जुब्बल

हिमाचल प्रदेश जल शक्ति विभाग मंडल कुसुमपट्टी शिमला की तरफ से

बूंद-बूंद अनमोल है पानी व्यर्थ न बहाएं

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. विनोद शर्मा
अधिशासी अभियंता
जल शक्ति विभाग मंडल
कुसुमपट्टी, शिमला

हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग विद्युत उपमंडल मंडी की तरफ से

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. संदीप पठानिया
सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग
विद्युत उप मंडल मंडी

हिमाचल प्रदेश जल शक्तिविभाग मंडल पधर मंडी की तरफ से

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बूंद-बूंद अनमोल है पानी व्यर्थ न बहाएं

ई. राकेश ठाकुर
अधिशासी अभियंता जल शक्ति विभाग मंडल पधर मंडी

हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड

मंडी जोन की तरफ से

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हिमाचल प्रदेश जल शक्तिविभाग मंडल रामपुर की तरफ से

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नदी, तालाब बौर कुआँ बचाओ धरती को हरियाली पहनाओ

ई. किशोर कुमार शर्मा
अधिशासी अभियंता
जल शक्ति विभाग
मंडल रामपुर

इंजीनियर्स किसी भी राष्ट्र की प्रगति और उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

ई. बीरबल मोदी
सहायक अभियंता
जल शक्ति विभाग
उपमंडल रामपुर

हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय उच्च मार्ग रामपुर की तरफ से

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. किशोरी लाल सुमन
अधिशासी अभियंता
लोक निर्माण विभाग
राष्ट्रीय उच्च मार्ग रामपुर

हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग

मंडल रोहड़ू की ओर से सभी को

इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जारीकर्ता- अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग मंडल रोहड़ू

इंजीनियर वो होता है जो अपनी कलम और दिमाग से दुनिया का अविष्कार करता है

हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग मंडल रामपुर की तरफ से

समस्त प्रदेशवासियों को इंजीनियर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई. प्रदीप कुमार
अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
वृत रामपुर

ई. अंकुश जम्वाल
अधिशाषी अभियंता
लोक निर्माण विभाग
मंडल रामपुर

ई. दिनेश चंद शर्मा
सहायक अभियंता
लोक निर्माण विभाग
उपमंडल रामपुर

ई. गोवर्धन शर्मा
सहायक अभियंता
लोक निर्माण विभाग
उपमंडल तकलेच, रामपुर

ई. राहुल जंजीहा
सहायक अभियंता
लोक निर्माण विभाग
उपमंडल सराहन

ई. शोभा सिंह
सहायक अभियंता
लोक निर्माण विभाग
रामपुर

नशे के मुद्दे पर पंजाब में सियासी संग्राम तेज

भाजपा, कांग्रेस और आप ने अभियानों के जरिये युवाओं और जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी की

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ ही राजनीतिक दलों ने नशे के मुद्दे को अपने अभियान के केंद्र में ला दिया है। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस तीनों ही नशे के खिलाफ अपने-अपने अभियान के जरिये जनता तक पहुंचने की तैयारी में हैं। विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल पूरा होने में करीब छह माह शेष रहने के बीच प्रदेश की सियासत में गतिविधियां तेज हो गई हैं।

आम आदमी पार्टी सरकार बनने के बाद से ही 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान चला रही है। पार्टी की ओर से समय-समय पर नशे के खिलाफ की गई कार्रवाई के आंकड़े भी जारी किए जाते रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान भी विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचा रहे हैं। इसके साथ ही पार्टी संगठन में नियुक्तियों का दौर भी जारी है।

18 सितंबर से भाजपा की नशा मुक्ति यात्रा : भाजपा ने भी पंजाब में नशे के मुद्दे को लेकर व्यापक अभियान की घोषणा की है। पार्टी 18 सितंबर से 'नशा मुक्ति यात्रा' शुरू करेगी। यह अभियान प्रदेश के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। करीब चार हजार किलोमीटर लंबी यात्राओं और रैलियों के माध्यम से भाजपा नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही नशे के खिलाफ देशव्यापी अभियान को लेकर पार्टी की प्राथमिकता स्पष्ट कर चुके हैं।

भाजपा की योजना को पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए शुरुआती राजनीतिक अभियान के तौर पर भी देखा जा रहा है। पार्टी नशे की समस्या को लेकर सरकार को घेरने के साथ-साथ युवाओं और परिवारों के बीच अपनी पहुंच मजबूत करने की कोशिश करेगी।

सचिन पायलट के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रदर्शन : दूसरी ओर कांग्रेस ने भी नशे के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पंजाब कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी सचिन पायलट 15 सितंबर से अपने पहले पंजाब दौरे की शुरुआत करेंगे। दौरे के पहले ही दिन कांग्रेस नशे के मुद्दे पर रोष मार्च और प्रदर्शन करेगी।

कांग्रेस ने तूरबंजारा निवासी गुलजार सिंह की आत्महत्या के मामले को प्रमुखता से उठाने का निर्णय लिया है। पार्टी का आरोप है कि गुलजार सिंह ने पंजाब में बढ़ते नशे के मुद्दे को लेकर सवाल उठाए थे और इसके बाद उन्हें मानसिक दबाव एवं उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। कांग्रेस ने इस मामले में कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की है।

कांग्रेस की ओर से चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस कार्यालय से मंत्री हरपाल सिंह चीमा के आवास की ओर मार्च निकालने की तैयारी है। प्रदर्शन में सचिन पायलट के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, प्रताप सिंह बाजवा, सुखजिंदर सिंह रंधावा समेत कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

एकजुटता दिखाने की कांग्रेस की कोशिश : इस प्रदर्शन को कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लंबे समय से पंजाब कांग्रेस में नेताओं के बीच मतभेद और गुटबाजी चर्चा का विषय रहे हैं। ऐसे में सचिन पायलट की अगुवाई में होने वाले प्रदर्शन में चन्नी और वड़िंग समेत वरिष्ठ नेताओं का एक मंच पर आना पार्टी की एकजुटता का संदेश देने की कोशिश माना जा रहा है।

पंजाब में शिअद भी अपनी राजनीतिक गतिविधियों को तेज करने की तैयारी में है। ऐसे में नशे का मुद्दा आगामी चुनाव में प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बनने के संकेत दे रहा है। सत्ता पक्ष जहां अपने अभियान और कार्रवाई को उपलब्धि के रूप में पेश करेगा, वहीं विपक्षी दल सरकार की नीतियों और नशे की स्थिति को लेकर उसे घेरने की रणनीति बना रहे हैं। आने वाले दिनों में नशे के मुद्दे पर पंजाब की राजनीतिक लड़ाई और तेज होने की संभावना है।

फिल्म शूटिंग का पसंदीदा गंतव्य बनेगा चंडीगढ़, सिनेमाई पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। 'सिटी ब्यूटीफुल' चंडीगढ़ अब सिर्फ फिल्मों के पर्दे पर नजर आने वाला शहर नहीं, बल्कि फिल्म निर्माताओं के लिए पसंदीदा शूटिंग गंतव्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। शहर में कई हिंदी और क्षेत्रीय फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। अब प्रशासन चंडीगढ़ को फिल्मांकन और सिनेमाई पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की तैयारी में जुटा है।

देश-विदेश के फिल्म निर्माताओं को चंडीगढ़ की ओर आकर्षित करने के लिए प्रशासन ने फिल्म शूटिंग की अनुमति प्रक्रिया को सरल बनाया है। इसके तहत अलग-अलग विभागों से अनुमति लेने की व्यवस्था को एक जगह लाते हुए सिंगल विंडो प्रणाली शुरू की गई। इसके बाद एक अप्रैल 2022 से शूटिंग की अनुमति की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई। फिल्म निर्माता अब डिजिटल माध्यम से आवेदन कर आवश्यक अनुमतियां प्राप्त कर सकते हैं।

श्रीनगर फिल्म महोत्सव में चंडीगढ़ की मौजूदगी : चंडीगढ़ को सिनेमाई पर्यटन केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत चंडीगढ़ पर्यटन ने पहली बार श्रीनगर में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ जम्मू एंड कश्मीर-2026 में हिस्सा लिया। महोत्सव में देश-विदेश के फिल्म निर्माताओं और फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों के सामने शहर की खूबसूरती, वास्तुकला और शूटिंग की संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया।

चंडीगढ़ पर्यटन की ओर से जारी सिनेमाई पर्यटन पुस्तिका में शहर की वास्तुकला, सुनियोजित शहरी ढांचे, सांस्कृतिक विरासत, बागों और प्रमुख पर्यटन स्थलों को फिल्मांकन के लिए संभावित स्थानों के तौर पर प्रस्तुत किया गया। प्रशासन का उद्देश्य फिल्म निर्माताओं को चंडीगढ़ में अधिक से अधिक शूटिंग के लिए आकर्षित करना है।

कई फिल्मों की हो चुकी शूटिंग : चंडीगढ़ में धुरंधर, इंडियन-2, जट्ट एन जूलियट, कैरी ऑन जट्टा, द डिप्लोमैट, सैम बहादुर, शेरशाह, फ्लाइंग जट्ट, बेशरम, निक्का जैलदार, जर्सी, लाल सिंह चड्ढा, पिल, दोस्ताना और जीरो डार्क थर्टी जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। शहर में फिल्म और टेलीविजन शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग का फिल्म फैसिलिटेशन सेल वर्ष 2004 से काम कर रहा है।

पहले फिल्म निर्माताओं को विभिन्न विभागों से अलग-अलग अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने पड़ते थे। सिंगल विंडो व्यवस्था और ऑनलाइन अनुमति से यह प्रक्रिया काफी आसान हुई है। इससे चंडीगढ़ में फिल्मों और धारावाहिकों की शूटिंग के लिए अनुकूल माहौल तैयार हुआ है।

फिल्म शूटिंग से पर्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी : चंडीगढ़ की आधुनिक वास्तुकला, चौड़ी सड़कें, हरियाली, सुखना झील, रॉक गार्डन, रोज गार्डन और कैपिटल कॉम्प्लेक्स जैसी जगहें फिल्म निर्माताओं को अलग-अलग तरह की पृष्ठभूमि उपलब्ध कराती हैं।

आंगनवाड़ियों में राशन संकट पर कांग्रेस हमलावर, रंधावा ने जांच की मांग उठाई

तीन से छह साल के बच्चों को पोषण आहार की जगह बिस्कुट-टॉफियां मिलने का दावा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार की कथित कमी को लेकर कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा है। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने आरोप लगाया कि प्रदेश के कई आंगनवाड़ी केंद्रों में महीनों से राशन की नियमित आपूर्ति नहीं हुई है। इसके चलते तीन से छह वर्ष की आयु के बच्चों को दलिया, खिचड़ी और पंजीरी जैसे पोषण आहार की जगह बिस्कुट और टॉफियां बांटने की स्थिति बन गई है।

रंधावा ने कहा कि सरकार बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और भविष्य को लेकर बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन आंगनवाड़ी केंद्रों की जमीनी स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान और मनीष सिसोदिया से पूछा कि आखिर बच्चों के लिए निर्धारित पोषण आहार समय पर आंगनवाड़ी केंद्रों तक क्यों नहीं पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को संतुलित और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि कई महीनों तक राशन की आपूर्ति बाधित रहती है तो इससे सीधे तौर पर बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर असर पड़ सकता है। रंधावा ने कहा कि इस तरह की स्थिति को केवल प्रशासनिक लापरवाही मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

रंधावा ने सरकार से पूरे पंजाब में आंगनवाड़ी केंद्रों पर राशन की उपलब्धता की जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रचार पर खर्च करने के बजाय बच्चों के लिए जरूरी पोषण आहार की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने जालंधर की 1634 आंगनवाड़ियों का विशेष उल्लेख करते हुए वहां राशन आपूर्ति में कथित देरी की जांच कराने की मांग की।

उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों या एजेंसियों की लापरवाही से बच्चों तक पोषण आहार नहीं पहुंचा, उनकी जिम्मेदारी तय कर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति से 1.17 लाख एससी छात्रों को मिलेगा लाभ

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) विद्यार्थियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाने की तैयारी की है। वर्ष 2026-27 में 1,17,142 विद्यार्थियों को योजना का लाभ देने के लिए 40 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि वर्ष 2025-26 में योजना के तहत 94,092 विद्यार्थियों को लाभ मिला है। इनके लिए सरकार ने 13.30 करोड़ रुपये जारी किए थे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को आर्थिक सहायता देकर उनकी पढ़ाई जारी रखना सुनिश्चित करना है। प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना स्कूल स्तर पर पढ़ने वाले पात्र एससी विद्यार्थियों के लिए संचालित की जाती है। इससे विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर शिक्षा का आर्थिक बोझ कम करने में मदद मिलती है। सरकार का प्रयास है कि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ समय पर मिले और आर्थिक परेशानी के कारण किसी बच्चे को पढ़ाई बीच में न छोड़नी पड़े।

बिजली संकट के बीच पंजाब में बदली विभागीय कमान

बिजली आपूर्ति सुधारने के साथ पावर निगमों की कार्यप्रणाली बेहतर करने की चुनौती

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में बिजली संकट के बीच प्रदेश सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए बिजली विभाग और पावर निगमों की जिम्मेदारी बदल दी है। सरकार ने 2005 बैच के आइएएस अधिकारी बसंत गर्ग से बिजली विभाग समेत दोनों पावर निगमों की जिम्मेदारी वापस ले ली है। उनकी जगह 2001 बैच के वरिष्ठ आइएएस अधिकारी गुरकीरत कृपाल सिंह को बिजली विभाग और पावर निगमों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गुरकीरत कृपाल सिंह अब पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) और पंजाब स्टेट ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड (पीएसटीसीएल) के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे। राज्यपाल की मंजूरी के बाद मुख्य सचिव केएपी सिन्हा की ओर से जारी आदेश में दोनों अधिकारियों की जिम्मेदारियों में तत्काल प्रभाव से बदलाव किया गया है।

आदेश के अनुसार बसंत गर्ग को अब प्रशासनिक सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग नियुक्त किया गया है। इसके साथ उन्हें पूंजी प्रोत्साहन विभाग तथा सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग प्रोत्साहन विभाग के प्रशासनिक सचिव का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। इस बदलाव के बाद बिजली विभाग और पावर निगमों की सीधी जिम्मेदारी अब गुरकीरत कृपाल सिंह के पास रहेगी।

बिजली संकट के बीच बदली जिम्मेदारी : बसंत गर्ग के पास इससे पहले बिजली विभाग के साथ-साथ पावर निगमों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी थी। प्रदेश में बिजली कटौती और आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं को लेकर सरकार पर विपक्ष लगातार निशाना साध रहा है। ऐसे समय में बिजली विभाग की कमान बदलने को सरकार का अहम प्रशासनिक फैसला माना जा रहा है। हालांकि, सरकारी आदेश में फेरबदल को प्रशासनिक आवश्यकता के तौर पर बताया गया है और किसी अधिकारी के कामकाज पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

गुरकीरत कृपाल सिंह के सामने कई चुनौतियां : गुरकीरत कृपाल सिंह के पास पहले से सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी है। अब उन्हें बिजली विभाग के साथ नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत विभाग का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। इसके अलावा दोनों पावर निगमों के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी उन्हें दिया गया है।

नई जिम्मेदारी के साथ गुरकीरत कृपाल सिंह के सामने प्रदेश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी। गर्मी और बढ़ती मांग के दौरान बिजली कटौती की शिकायतों के बीच उन्हें पावर निगमों के संचालन, उत्पादन और वितरण व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा। विभागीय स्तर पर लंबित मामलों को गति देने के साथ उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता रहेगी।

सिरके में मिले खतरनाक तत्व, लगा बोर्जस इंडिया पर 40 हजार जुर्माना

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। सीलबंद सिरके की बोतलों में तय सीमा से अधिक सल्फाइट, लेड और कॉपर पाए जाने के मामले में जिला अदालत ने जीरकपुर स्थित बोर्जस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दोषी ठहराया है। चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट सचिन यादव की अदालत ने कंपनी के प्रतिनिधि विशाल गुप्ता पर 40 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं, मामले में रिटेलर घनश्याम दास गर्ग को अदालत ने बरी कर दिया।

मामला 18 दिसंबर 2024 का है। फूड सेफ्टी अधिकारी मंदीप कौर ने इंडस्ट्रियल एरिया स्थित प्रेम एजेंसीज में जांच की थी। इस दौरान विभागीय टीम ने सिरके की 29 बोतलें कब्जे में ली थीं और चार बोतलों के नमूने जांच के लिए भेजे थे। पंचकूला स्थित फूड एनालिस्ट इंटरस्टेलर टेस्टिंग सेंटर की 30 दिसंबर 2024 की रिपोर्ट में सिरके को असुरक्षित बताया गया था।

रिटेलर की ओर से रिपोर्ट पर आपत्ति जताने के बाद नमूनों को दोबारा जांच के लिए रैफरल फूड लेबोरेट्री, एनएफएल, गाजियाबाद भेजा गया। वहां की जांच रिपोर्ट में भी सिरके में सल्फाइट, लेड और कॉपर की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई। इसके बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। अदालत में सुनवाई के दौरान कंपनी के खिलाफ आरोप साबित हुए। हालांकि रिटेलर के खिलाफ आरोप प्रमाणित नहीं होने पर उसे बरी कर दिया गया।

जनता के सुझावों से तैयार होगा चुनावी एजेंडा, विभिन्न वर्गों से करेंगे संवाद

2027 पंजाब चुनाव के लिए शिअद ने बनाई नौ सदस्यीय घोषणा पत्र समिति

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर शिरोमणि अकाली दल ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने रविवार को नौ सदस्यीय घोषणा पत्र समिति का गठन किया। समिति प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों का दौरा कर किसानों, मजदूरों, व्यापारियों, उद्योगपतियों, युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों और अन्य वर्गों से संवाद करेगी। इन वर्गों की समस्याओं और सुझावों के आधार पर पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र तैयार किया जाएगा।

वरिष्ठ अकाली नेता बलविंदर सिंह भुंडड़ को समिति का चेयरमैन बनाया गया है, जबकि डॉ. दलजीत सिंह चीमा को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति में गुलजार सिंह रानिके, हीरा सिंह गाबड़िया, महेश इंदर सिंह ग्रेवाल, बिक्रम सिंह मजीठिया, सिकंदर सिंह मलूका, सोहन सिंह ठंडल और हरचरण सिंह बैंस को सदस्य बनाया गया है।

पार्टी के विभिन्न विंगों के अध्यक्ष समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर शामिल होंगे। इनमें युवा, महिला, व्यापार एवं उद्योग, कानूनी, एसओआई, कर्मचारी, पूर्व सैनिक और अल्पसंख्यक विंग के अध्यक्ष शामिल हैं।

समिति पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों से सीधे बातचीत करेगी। इस दौरान प्रदेश के अलग-अलग वर्गों की प्रमुख समस्याओं, सरकार से उनकी अपेक्षाओं और विकास से जुड़ी प्राथमिकताओं को समझने का प्रयास किया जाएगा। पार्टी का कहना है कि जनता से प्राप्त सुझावों को 2027 के विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा।

11,500 फीट ऊंचाई पर डीसी ने पूरी की हाफ मैराथन

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ के जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने समुद्र तल से करीब 11,500 फीट की ऊंचाई पर आयोजित लद्दाख मैराथन में 21.1 किलोमीटर की हाफ मैराथन पूरी कर फिटनेस और दृढ़ संकल्प की मिसाल पेश की। बेहद ऊंचाई वाले क्षेत्र में कम ऑक्सीजन, पतली हवा और कठिन पहाड़ी भूभाग के बीच दौड़ पूरी करना चुनौतीपूर्ण माना जाता है। मैदानी क्षेत्रों की तुलना में इतनी ऊंचाई पर शरीर को कम ऑक्सीजन मिलती है। इससे धावकों को सांस लेने और गति बनाए रखने में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है।

संगरूर के तीन स्कूलों में फर्जी दाखिलों के आरोप, मजीठिया ने की जांच की मांग

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। संगरूर के भिंडरा केंद्र के अधीन तीन सरकारी प्राथमिक स्कूलों में कथित फर्जी दाखिलों, कागजों में छात्रों की हाजिरी और सरकारी योजनाओं के फंड के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मजीठिया के अनुसार सरकारी प्राथमिक स्कूल भिंडरा, बलियां और संतोकपुरा को लेकर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में शिकायत पहुंची है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गांव छोड़ चुके प्रवासी बच्चों के नाम स्कूल रिकार्ड में दर्ज रखे गए और उनकी हाजिरी भी दिखाई जाती रही। कुछ ऐसे बच्चों के नाम भी दर्ज होने का दावा किया गया है, जो निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं अथवा कथित तौर पर अस्तित्व में नहीं हैं।

आरोप है कि फर्जी छात्र संख्या के आधार पर मिड-डे मील, वजीफा, यूनिफार्म, किताबों और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लिया गया। इसके अलावा स्कूल प्रबंधन समिति की ग्रांट तथा बच्चों को दी जाने वाली आयरन-फोलिक एसिड और एल्बेंडाजोल की गोलियों के वितरण में भी कथित अनियमितता की शिकायत की गई है।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मामले की जानकारी जुटाने के लिए तीन सूचना के अधिकार आवेदन दायर किए गए, लेकिन उन्हें जवाब नहीं मिला। ई-पंजाब और यू-डायस पोर्टल पर छात्रों की उपस्थिति और मूल्यांकन संबंधी आंकड़ों में भी कथित हेरफेर का आरोप लगाया गया है।

2030 तक मॉडल सोलर सिटी बनेगा चंडीगढ़

आठ हजार घरों की छतों पर लगेंगे सौर संयंत्र

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर को वर्ष 2030 तक मॉडल सोलर सिटी बनाने के लक्ष्य के साथ प्रशासन ने निजी घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का अभियान तेज कर दिया है। चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी, साइंस एंड टेक्नोलाजी प्रमोशन सोसायटी (क्रेस्ट) ने मार्च 2027 तक शहर के आठ हजार निजी घरों की छतों पर सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत अभी तक 1433 निजी घरों में सोलर प्लांट लगाए जा चुके हैं। इसके अलावा करीब दो हजार लोगों ने अपने स्तर पर भी सौर संयंत्र स्थापित किए हैं। लक्ष्य पूरा करने के लिए क्रेस्ट की ओर से शहर के विभिन्न हिस्सों में जागरूकता शिविर लगाए जा रहे हैं। इनमें लोगों को आवेदन प्रक्रिया, सब्सिडी, बैंक ऋण और संयंत्र की स्थापना से जुड़ी तकनीकी जानकारी दी जा रही है।

शहर में 12 सूचीबद्ध विक्रेता लोगों को सोलर प्लांट की क्षमता और स्थापना के बारे में जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं। वहीं पंजाब एंड सिंध बैंक तथा पंजाब नेशनल बैंक के प्रतिनिधि ऋण से संबंधित सवालों का समाधान कर रहे हैं।

चंडीगढ़ देश के शुरुआती शहरों में शामिल है, जहां पात्र सरकारी भवनों और मकानों पर सौर संयंत्र लगाने का लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। शहर के 6366 सरकारी भवनों पर सोलर प्लांट लगाए गए हैं। करीब 1400 सरकारी मकानों में बिजली की खपत नेट-जीरो स्तर तक पहुंच गई है। इन संयंत्रों की कुल क्षमता 18.1 मेगावाट पीक है और इनसे सालाना करीब 2.35 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादन होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अब तक 148 लाभार्थियों के बिजली बिल शून्य हो चुके हैं। योजना में तीन किलोवाट तक के घरेलू सोलर प्लांट के लिए केंद्र सरकार अधिकतम 78 हजार रुपये की सब्सिडी देती है। पात्र उपभोक्ताओं को छह प्रतिशत तक की ब्याज दर पर ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है।

क्रेस्ट ने चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड से रेंट-ए-रूफ योजना के तहत भवनों की छतों पर सोलर प्लांट लगाने का आग्रह किया है। वहीं नगर निगम के 97 भवनों, जिनमें सामुदायिक केंद्र भी शामिल हैं, पर सौर संयंत्र लगाने के लिए समझौता हो चुका है। चंडीगढ़ फ्लोटिंग सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है। सेक्टर-39 वाटरवर्क्स में उत्तर भारत का सबसे बड़ा 2.5 मेगावाट पीक क्षमता वाला फ्लोटिंग सोलर प्लांट शुरू किया जा चुका है।

सियासत गुलजार सिंह प्रकरण को लेकर चीमा की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग उठाएगी पार्टी

सचिन पायलट के नेतृत्व में कांग्रेस का चंडीगढ़ में शक्ति प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के नए प्रभारी सचिन पायलट की अगुवाई में मंगलवार को चंडीगढ़ में होने वाले प्रदर्शन को लेकर पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने भी प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा की है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की है। पार्टी इस प्रदर्शन के जरिए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को घेरने के साथ अपनी एकजुटता का संदेश देने की तैयारी में है।

कांग्रेस की ओर से मंगलवार सुबह 11 बजे सेक्टर-15 स्थित पंजाब कांग्रेस कार्यालय से आम आदमी पार्टी के मंत्री हरपाल सिंह चीमा के आवास की ओर मार्च निकाला जाएगा। कांग्रेस गुलजार सिंह की मौत के मामले में चीमा को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रही है। पार्टी का आरोप है कि गुलजार सिंह ने पंजाब में बढ़ते नशे के मुद्दे पर मंत्री से सवाल किया था और इसके बाद उन्हें मानसिक दबाव तथा उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

एक मंच पर दिखेंगे बड़े नेता : प्रदर्शन की सबसे अहम राजनीतिक तस्वीर लंबे समय बाद देखने को मिल सकती है। चरणजीत सिंह चन्नी और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग एक ही मंच पर नजर आएंगे। इसके अलावा पार्टी प्रभारी सचिन पायलट, प्रताप सिंह बाजवा, सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी प्रदर्शन में शामिल होंगे।

सचिन पायलट ने भी प्रदर्शन को लेकर कार्यकर्ताओं से इसमें शामिल होने की अपील की है। नए प्रदेश प्रभारी के नेतृत्व में होने वाला यह प्रदर्शन पंजाब कांग्रेस के लिए संगठनात्मक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी इसे सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के अवसर के रूप में देख रही है।

गुटबाजी के बीच एकजुटता की कोशिश : पंजाब कांग्रेस में पिछले कुछ समय से नेताओं के बीच मतभेद और गुटबाजी की चर्चा लगातार होती रही है। ऐसे में मंगलवार का प्रदर्शन पार्टी के भीतर एकजुटता दिखाने का बड़ा अवसर माना जा रहा है। चन्नी, वडिंग, बाजवा, रंधावा और पायलट समेत प्रमुख नेताओं की मौजूदगी से कांग्रेस यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को एकजुट कर चुनावी मैदान में उतारा जा रहा है।

सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना : कांग्रेस लंबे समय से पंजाब सरकार को कानून-व्यवस्था, नशे और प्रशासनिक कामकाज सहित विभिन्न मुद्दों पर घेरती रही है। गुलजार सिंह की मौत के मामले को लेकर पार्टी ने सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि किसी स्तर पर जिम्मेदारी सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता हरपाल सिंह चीमा की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग को लेकर नारेबाजी करेंगे।

गुलाम जम्मू-कश्मीर में 100 दिन से जनआक्रोश, पाकिस्तान पर उठे गंभीर सवाल

अधिकारों और आर्थिक हितों की मांग को लेकर प्रदर्शन, कथित बल प्रयोग से बढ़ा असंतोष

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

गुलाम जम्मू-कश्मीर में करीब 100 दिनों से जारी जनआंदोलन अब पाकिस्तान की सत्ता और उसके लोकतांत्रिक दावों के सामने गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व, जवाबदेही, आर्थिक अधिकार, बेहतर शासन और पूर्व में किए गए समझौतों को लागू करने की मांगों को लेकर शुरू हुआ आंदोलन लगातार व्यापक होता जा रहा है। प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग, गिरफ्तारियों, संचार प्रतिबंधों और आतंकवाद विरोधी कानूनों के इस्तेमाल के आरोपों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। आंदोलन की गूंज अब यूरोप तक पहुंच गई है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीरियों के अधिकार और आत्मनिर्णय की वकालत करता रहा है, लेकिन उसके नियंत्रण वाले क्षेत्र में नागरिक जब राजनीतिक अधिकार और जवाबदेही मांग रहे हैं तो उन पर कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

संचार प्रतिबंधों से जनजीवन प्रभावित: मानवाधिकार संगठनों और स्थानीय कार्यकर्ताओं की रिपोर्टों के अनुसार, गुलाम जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में लंबे समय से इंटरनेट और अन्य संचार सेवाएं प्रभावित हैं। कार्यकर्ताओं का दावा है कि पांच जून 2026 से रावलकोट, सुधनोती और आसपास के क्षेत्रों में संचार प्रतिबंधों का असर बना हुआ है। इंटरनेट बंद रहने से प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों के साथ पत्रकारों की रिपोर्टिंग, विद्यार्थियों की पढ़ाई और स्थानीय कारोबार भी प्रभावित हुआ है। आंदोलन के दौरान जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी को कथित तौर पर एजेके एंटी टेररिज्म एक्ट, 2014 के तहत प्रतिबंधित किए जाने की भी खबर है। इसके बाद राजनीतिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को पाकिस्तान के फोर्थ शेड्यूल में शामिल किए जाने के दावे सामने आए हैं। हालांकि, इन आंकड़ों और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

आंदोलनकारी संगठनों के अनुसार, गुलाम जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में 500 से अधिक कार्यकर्ताओं, आयोजकों, छात्रों, पत्रकारों और स्थानीय लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है।

> **प्रदर्शनकारी** समूहों ने आंदोलन के दौरान करीब 100 लोगों की मौत का दावा भी किया है। हालांकि, इस आंकड़े की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने जुलाई में हुई कार्रवाई के संबंध में जेएएसी से मिली जानकारी का हवाला देते हुए 19 लोगों की मौत और दर्जनों के घायल होने की बात कही थी।

आंदोलन की गूंज विदेशों तक

गिरफ्तारियों और संचार प्रतिबंधों के बावजूद आंदोलन पूरी तरह शांत नहीं हुआ है। रावलकोट, सुधनोती और मुजफ्फराबाद इसके प्रमुख केंद्रों में बने हुए हैं। नौ सितंबर को किए गए बंद का असर मुजफ्फराबाद, पुंछ और मीरपुर डिवीजनों के कई हिस्सों में पड़ने की खबर है। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में राजनीतिक अधिकार, प्रभावी प्रतिनिधित्व, जवाबदेही, आर्थिक अधिकार और राजनीतिक गतिविधियों की स्वतंत्रता शामिल हैं। गुलाम जम्मू-कश्मीर से जुड़े मुद्दों को लेकर ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड में भी पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन होने की खबरें सामने आई हैं। इस तरह आंदोलन अब केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रह गया है। पाकिस्तान के भीतर उठ रही आवाजें विदेशों में भी सुनाई दे रही हैं।

बांदीपोरा नाले से पांच दिन बाद बरामद हुआ बच्चे का शव

बांदीपोरा। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में पांच दिन से लापता नौ वर्षीय बच्चे का शव सोमवार को मधुमती नाले से बरामद कर लिया गया। बच्चे की पहचान मोमिन अहमद के रूप में हुई है। वह बांदीपोरा के कुलूसा इलाके के गनी मोहल्ले का रहने वाला था। पुलिस अधिकारी के अनुसार, मोमिन अहमद 10 सितंबर को डिस्ट्रिक्ट पुलिस लाइन्स के पास मधुमती नाले में डूब गया था। घटना के बाद से ही उसकी तलाश के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा था। सोमवार को लगातार पांचवें दिन राज्य आपदा मोचन बल, पुलिस, नागरिक प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवकों की संयुक्त टीमों ने तलाशी अभियान जारी रखा। इसी दौरान बच्चे का शव नाले से बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि शव बरामद होने के बाद आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। इसके बाद शव परिवार को सौंप दिया जाएगा। इस घटना से परिवार में शोक का माहौल है। बांदीपोरा के विधायक निजामुद्दीन भट ने भी घटना पर दुख जताया। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर मोमिन का शव बरामद होने की जानकारी दी और तलाश अभियान में जुटी सभी टीमों तथा स्थानीय लोगों के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संवाद और कूटनीति को बताया समाधान, मुस्लिम समुदाय की एकता पर दिया जोर

मीरवाइज ने ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात कर कश्मीर-ईरान रिश्तों पर की चर्चा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेशकियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात की। मीरवाइज ने इन बैठकों को संभव बनाने के लिए ईरानी राजदूत मोहम्मद फतहली का आभार जताया। उन्होंने बताया कि दो दिनों तक हुई इन मुलाकातों में उनके साथ आगा सैयद हसन और मौलवी इमरान अंसारी भी मौजूद रहे।

ईरान के लोगों के साथ एकजुटता जताई : मीरवाइज ने कहा कि बैठकों के दौरान उन्होंने मौजूदा कठिन परिस्थितियों में ईरान के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने ईरान के खिलाफ जारी युद्ध और आक्रामकता को समाप्त करने की अपनी मांग भी दोहराई। मीरवाइज के अनुसार किसी भी विवाद या संघर्ष का स्थायी समाधान टकराव के जरिए नहीं हो सकता। गंभीर मतभेदों के बावजूद संवाद, कूटनीति और आपसी संपर्क के माध्यम से समाधान तलाशना जरूरी है।

मुस्लिम समुदाय की एकता पर दिया जोर : मीरवाइज ने बढ़ती इस्लामोफोबिया के साथ ईरान, फिलिस्तीन, लेबनान और अन्य क्षेत्रों में लोगों की पीड़ा का भी उल्लेख किया। उन्होंने मुस्लिम उम्माह की एकता पर जोर देते हुए कहा कि राजनीतिक विवादों और सांप्रदायिक मतभेदों को मुस्लिम समुदाय को विभाजित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने शांति और आपसी संवाद को मौजूदा परिस्थितियों में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

कश्मीर-ईरान संबंधों की विरासत रेखांकित : मुलाकात के दौरान मीरवाइज ने कश्मीर और ईरान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंधों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि फारसी विद्वता, साहित्य, कला, शिल्प और आध्यात्मिक परंपराओं का कश्मीर की संस्कृति पर गहरा प्रभाव रहा है। मीरवाइज ने ईरानी राष्ट्रपति और विदेश मंत्री को श्रीनगर की ऐतिहासिक जामा मस्जिद का विशेष रूप से तैयार किया गया अखरोट की लकड़ी का मॉडल भी भेंट किया।

रियासी में बड़ा हादसा : बेकाबू होकर पलटी मिनी बस, दो यात्रियों की मौत

भारतेंदु संवाददाता, रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में सोमवार सुबह यात्रियों से भरी एक मिनी बस सड़क पर पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल रियासी पहुंचाया गया, जहां दो की हालत गंभीर बताई गई। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जीएमसी अस्पताल जम्मू रेफर किया गया। पुलिस के अनुसार, जेके14बी-2973 नंबर की मिनी बस सारंगधर से रियासी की ओर जा रही थी। बक्कल टनल इलाके के पास पहुंचने पर चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और मिनी बस सड़क पर पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन का एक टायर फटने के कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिसके बाद यह हादसा हुआ। हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों की पुलिस जांच कर रही है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे।

गणेश चतुर्थी पर डीसी ने श्रीनगरवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर के डिप्टी कमिश्नर अक्षय लाब्रू ने सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्रीनगर स्थित गणपति मंदिर का दौरा कर वहां त्योहार के लिए किए गए नागरिक एवं पुलिस प्रशासन के इंतजामों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं की सराहना की। मंदिर परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीसी ने कहा कि श्रीनगर के इस मंदिर में कई वर्षों से गणेश चतुर्थी का आयोजन किया जा रहा है। उत्सव में विभिन्न संगठनों, स्थानीय समुदायों और अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की भागीदारी रहती है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार का आयोजन होना खुशी की बात है। अक्षय लाब्रू ने कहा कि मंदिर पहुंचकर गणेश चतुर्थी समारोह में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

एसएचओ को टक्कर मारने वाला पुलिसकर्मी गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, बिजबेहारा। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पुलिस ने सोमवार को एक पुलिस कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने रविवार देर रात बिजबेहारा पुलिस थाने के पास अपनी कार से थाना प्रभारी (एसएचओ) को टक्कर मारकर घायल कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, घटना उस समय हुई जब बिजबेहारा थाने के एसएचओ माजिद अहमद खान ड्यूटी पर थे। इसी दौरान एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विशेष ग्रेड कांस्टेबल खुर्शीद अहमद वानी को गिरफ्तार कर लिया। वह कोकरनाग के बिंदू क्षेत्र का निवासी है और मोहम्मद अब्दुल्ला वानी का पुत्र बताया गया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल ऑल्टो कार को भी जब्त कर लिया है।

मौसम बदलाव के बीच किसानों को फसल, पशुधन और बागों की चिंता

बारिश के साथ तापमान में गिरावट के संकेत, फसल रोगों पर नजर जरूरी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

सितंबर के दूसरे पखवाड़े की शुरुआत के साथ मौसम में बदलाव के संकेत हैं। शेर-ए-कश्मीर कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 14 से 16 सितंबर के बीच जम्मू के विभिन्न हिस्सों में हल्की बारिश और गरज-चमक हो सकती है। इस दौरान आसमान आंशिक से सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहने का अनुमान है। सोमवार के बाद तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने की संभावना है। 15 और 16 सितंबर को अधिकतम तापमान करीब 35.2 डिग्री तथा न्यूनतम 25 से 26 डिग्री के आसपास रह सकता है।

कृषि विशेषज्ञों ने मौसम में नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव को देखते हुए किसानों को धान, मक्का, खरीफ दलहन-तिलहन, सब्जियों और फलों की फसलों की नियमित निगरानी करने की सलाह दी है।

धान में बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट, ब्लास्ट, पत्ती फोल्डर, ब्राउन स्पाट और शीथ ब्लाइट के लक्षणों पर नजर रखने को कहा गया है। मक्का किसानों को स्टेम बोरर और फाल आर्मीवर्म की निगरानी करनी चाहिए। काले चने में पीली पत्ती वाले पौधों को शुरुआती अवस्था में हटाने और सफेद मक्खी की रोकथाम के उपाय करने की सलाह दी गई है। बदलते मौसम के बीच पशुपालकों को लम्पी रोग के संभावित प्रकोप को लेकर सतर्क रहने को कहा गया है।

कश्मीरी पंडितों ने समयबद्ध वापसी योजना की मांग उठाई

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीरी पंडित बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक भान की अध्यक्षता में कश्मीर नीति एवं रणनीति समूह की ऑनलाइन बैठक हुई। बैठक में कश्मीरी पंडित समुदाय की घाटी में वापसी और पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार से व्यापक एवं समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने की मांग की गई। समूह की ओर से जारी बयान के अनुसार बैठक में बुद्धिजीवी, पूर्व नौकरशाह, शिक्षाविद, मीडियाकर्मी, सामाजिक और महिला अधिकार कार्यकर्ता, सामुदायिक संगठनों के प्रतिनिधि, प्रवासी समुदाय के सदस्य और युवा शामिल हुए। प्रतिभागियों ने आतंकवाद के दौर में मारे गए कश्मीरी पंडितों को श्रद्धांजलि अर्पित की और समुदाय के लंबे विस्थापन के प्रभावों पर चर्चा की।

जम्मू-कश्मीर में डिजिटल शासन को मिली नई रफ्तार

भूमि रिकॉर्ड और कल्याणकारी योजनाओं में डिजिटल व्यवस्था का तेजी से विस्तार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में डिजिटल शासन व्यवस्था को मजबूत करने के साथ भूमि और राजस्व रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण तथा सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 6,844 गांवों में 7.29 करोड़ राजस्व दस्तावेज स्कैन किए जा चुके हैं, जबकि 99.4 प्रतिशत जमाबंदी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है।

आइटी सुधार कार्यक्रम के तहत सचिवालय, विभागाध्यक्ष कार्यालय और जिला स्तर पर ई-ऑफिस लागू किया गया है। इसके 430 संगठनों में 45,953 से अधिक उपयोगकर्ता जुड़े हैं। वहीं, 1,710 सरकारी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं और 70 लाख से अधिक डिजिटल दस्तावेज लोगों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। डिजिलॉकर व्यवस्था में 188 सेवाएं तथा 35.50 लाख पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं। 942 सामान्य सेवा केंद्रों के माध्यम से प्रतिदिन करीब पांच लाख डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं। प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की दर 94 प्रतिशत बताई गई है।

भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण में भी तेजी आई है। 6,850 चिन्हित मानचित्र शीट में से 6,544 का डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है। 6,455 गांवों की मैपिंग और 5,700 गांवों की ग्राउंड-ट्रुथिंग पूरी हो चुकी है। 4,368 गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण किया गया है, जबकि स्वामित्व योजना के तहत 1,491 गांवों में 58,265 संपत्ति कार्ड वितरित किए गए हैं।

सामाजिक कल्याण के तहत 25.69 लाख परिवारों के 103.88 लाख लाभार्थी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 16.61 लाख परिवारों के 67.84 लाख लाभार्थियों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

इसके अलावा प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने और सेवाओं की निगरानी को बेहतर बनाने के लिए तकनीकी प्रणालियों का लगातार विस्तार किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि डिजिटल माध्यमों के जरिए नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर कम लगाने पड़ें और राजस्व, प्रमाणपत्र तथा अन्य जरूरी सेवाएं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हों।

रियासी पुलिस ने मोबाइल चोरी का मामला सुलझाकर चार फोन किए बरामद

भारतेंदु संवाददाता, रियासी

रियासी पुलिस ने कटरा पुलिस थाने में दर्ज मोबाइल चोरी के मामले को सुलझाते हुए चोरी किए गए चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल की कुल अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपये है। इनमें प्रीमियम आईफोन 16 प्रो के अलावा तीन एंड्रॉयड फोन शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, सात सितंबर 2026 को पूर्वी दिल्ली निवासी राजा बाबू पुत्र पुन्नी लाल साह ने कटरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाते समय उनके बैग से चार मोबाइल फोन चोरी हो गए थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत प्राथमिकी संख्या 287/2026 दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने उपलब्ध सुरागों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी की पहचान शाही कुमार पुत्र भरत भूषण निवासी अखली, तहसील कटरा, जिला रियासी के रूप में की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की। उसके द्वारा दी गई जानकारी और आगे की जांच के आधार पर पुलिस ने चोरी किए गए सभी चार मोबाइल फोन बरामद कर लिए। पुलिस के अनुसार बरामद मोबाइल में एक आईफोन 16 प्रो और तीन एंड्रॉयड फोन हैं। इनकी कुल कीमत करीब 1.20 लाख रुपये आंकी गई है। मामले की जांच आगे भी जारी है।

16 हजार स्मार्ट मीटर खराब, औसत बिलों से जम्मू-कश्मीर के उपभोक्ता हुए परेशान

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

मीटर बदलने में देरी से बढ़ी परेशानी

जम्मू-कश्मीर में करीब 16 हजार स्मार्ट मीटर खराब या जले हुए हैं। लंबे समय से मीटर खराब होने के कारण कई उपभोक्ता औसत आधार पर जारी हो रहे बिजली बिलों से परेशान हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद कई मामलों में दो से तीन साल से मीटर नहीं बदले गए हैं।

जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कारपोरेशन लिमिटेड (जेपीडीसीएल) ने भी प्रदेश में करीब 16 हजार खराब और जले स्मार्ट मीटर होने की पुष्टि की है। निगम के अनुसार, मीटर बदलने की जिम्मेदारी संबंधित कंपनी की है। कुछ परिस्थितियों के कारण पिछले एक-दो वर्षों में इन्हें बदलने में देरी हुई।

वर्तमान व्यवस्था में खराब या जले मीटरों के मामले में पिछले कुछ महीनों की खपत के आधार पर औसत बिल तैयार किया जाता है। ऐसे में कई बार उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत की तुलना में अधिक भुगतान करना पड़ सकता है।

जम्मू-कश्मीर में करीब 8.75 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जबकि कुल बिजली उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 12.5 लाख है। जेपीडीसीएल के अनुसार खराब मीटर लगाए गए स्मार्ट मीटरों का करीब 1.8 प्रतिशत हैं। निगम ने बताया कि प्रतिदिन करीब 1,500 से 2,000 नए स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं और खराब मीटरों को बदलने की प्रक्रिया भी जारी है।

महबूबा ने ब्रिक्स में भारत की विदेश नीति पर उठाए सवाल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वैश्विक मानवाधिकारों और पश्चिम एशिया के मुद्दों पर अपेक्षित मजबूती से बात नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की अध्यक्षता और मेजबानी भारत के पास थी, इसलिए उसे इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर नेतृत्वकारी भूमिका निभानी चाहिए थी। महबूबा ने कहा कि भारत लंबे समय से मानवाधिकार, मानवता और लोकतांत्रिक मूल्यों का समर्थक रहा है।

पश्चिम एशिया पर स्पष्ट रुख की मांग : महबूबा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने शब्दों का बेहद सावधानी से इस्तेमाल किया और जिस तीव्रता से वैश्विक परिस्थितियों पर भारत की बात रखी जानी चाहिए थी, वह दिखाई नहीं दी। उन्होंने गाजा में हुई मौतों और पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को ऐसे मुद्दों पर अधिक स्पष्ट और प्रभावी भूमिका निभानी चाहिए थी। उनके अनुसार ब्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मंच का इस्तेमाल वैश्विक समस्याओं पर भारत की स्वतंत्र सोच सामने रखने के लिए किया जाना चाहिए।

घोषणा-पत्र का किया स्वागत : पीडीपी अध्यक्ष ने हालांकि ब्रिक्स सम्मेलन के दिल्ली घोषणा-पत्र का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि घोषणा-पत्र में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई है और पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी मजबूत बात कही गई है। महबूबा के अनुसार प्रधानमंत्री को ऐसे मुद्दों पर स्वयं पहल करते हुए भारत की स्थिति को मजबूती से सामने रखना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय मामलों में संतुलित और स्वतंत्र दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए।

महबूबा ने कहा कि भारत ने जवाहरलाल नेहरू के समय से स्वतंत्र विदेश नीति और गुटनिरपेक्षता को अपनी पहचान बनाया है, लेकिन अब देश की विदेश नीति में बदलाव दिखाई दे रहा है।

जम्मू में 60 प्रतिशत घर नहीं कर रहे कचरा पृथक्करण, निगम सख्त

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयासों के बावजूद ठोस कचरा प्रबंधन की स्थिति अब भी चुनौती बनी हुई है। शहर की करीब 60 प्रतिशत आबादी अब भी गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग नहीं कर रही है। नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहन रोजाना विभिन्न वार्डों में पहुंचते हैं, लेकिन कई घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से मिला-जुला कचरा ही दिया जा रहा है। जम्मू शहर के 75 वार्डों से प्रतिदिन करीब 400 मीट्रिक टन कचरा निकलता है। वर्तमान में लगभग 40 प्रतिशत आबादी ही गीले और सूखे कचरे को अलग करके दे रही है। नियमों के अनुसार रसोई से निकलने वाला गीला कचरा हरे डिब्बे में तथा प्लास्टिक, कागज और कांच जैसे सूखे कचरे को नीले डिब्बे में रखना होता है। कचरा अलग न होने से इसके निपटान और पुनर्चक्रण की प्रक्रिया प्रभावित होती है। नगर निगम की ओर से लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। नुक्कड़ नाटक, प्रचार वाहनों और आवासीय समितियों के माध्यम से नागरिकों को कचरा अलग करने के फायदे बताए जा रहे हैं।

विवाद सफाई व्यवस्था सुधारने के तर्क पर बोर्ड का निर्णय, राजनीतिक दलों ने परंपराओं के संरक्षण और बेहतर प्रबंधन की मांग उठाई

दरगाहों में तहरी पर रोक से कश्मीर में छिड़ी नई बहस

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर की दरगाहों में तहरी, खाना बांटने और पक्षियों को दाना खिलाने पर रोक लगाने के वक्फ बोर्ड के फैसले से कश्मीर में नई बहस छिड़ गई है। बोर्ड ने यह निर्णय दरगाह परिसरों में बढ़ती गंदगी, कचरा प्रबंधन और आवारा कुत्तों की समस्या को देखते हुए लिया है। जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन डॉ. सैयद दरख्शां अंद्राबी ने कहा कि दरगाहों और वक्फ संपत्तियों के भीतर ऐसी खाद्य सामग्री बांटने की अनुमति नहीं होगी, जिससे परिसर में गंदगी फैलती हो या आवारा जानवर आकर्षित होते हों। उन्होंने महिलाओं से भी दरगाहों के भीतर तहरी नहीं लाने की अपील की। बोर्ड ने इसके लिए दरगाह परिसरों के बाहर अलग शेड बनाने की बात कही है, जहां लोग खाना और अन्य सामग्री बांट सकेंगे। हालांकि, फैसले के बाद राजनीतिक दलों और आम लोगों में असहमति सामने आने लगी है।

कबूतरों को दाना खिलाने पर भी अलग-अलग राय

दरगाहों में पक्षियों को दाना खिलाने पर रोक को लेकर भी लोगों की अलग-अलग राय सामने आई है। वन्यजीव विभाग के कुछ अधिकारियों ने इस कदम का समर्थन किया है। वाइल्डलाइफ वार्डन इंतेसार सुहैल के अनुसार, कई स्थानों पर अनियंत्रित तरीके से दाना खिलाने के कारण कबूतरों की संख्या बढ़ गई है। इससे उनकी बीट और खाने के अवशेषों के कारण धार्मिक स्थलों के आसपास गंदगी और प्रदूषण बढ़ रहा है।

राजनीतिक दलों ने जताई आपत्ति, व्यवस्था सुधारने की मांग

वक्फ बोर्ड के फैसले का नेशनल कान्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता और जडीबल विधायक तनवीर सादिक ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में लोग पीढ़ियों से दरगाहों पर नियाज, तहरी और खाना चढ़ाते और बांटते आए हैं। उन्होंने सफाई और स्वच्छता को जरूरी बताते हुए कहा कि बेहतर प्रबंधन और नियमन के माध्यम से दोनों जरूरतों के बीच संतुलन बनाया जा सकता है। पूर्व मंत्री और अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने भी फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि तहरी और खाना बांटने पर रोक सफाई की समस्या का स्थायी समाधान नहीं है।

तहरी और नियाज पर रोक से उठे परंपरा के सवाल

बडगाम स्थित चरार-ए-शरीफ दरगाह के दौरे के दौरान अंद्राबी ने कहा कि परिसर में तहरी और अन्य खाद्य सामग्री बांटने तथा पक्षियों को दाना खिलाने से सफाई व्यवस्था प्रभावित होती है। खाने के अवशेष से कबूतरों की संख्या बढ़ती है और आवारा कुत्ते भी दरगाह परिसरों की ओर आकर्षित होते हैं। बोर्ड का कहना है कि धार्मिक स्थलों की स्वच्छता और संरक्षण के लिए ऐसी गतिविधियों को नियंत्रित करना जरूरी है।

स्वास्थ्य से बड़ा कोई धन नहीं फिर क्यों बढ़ रही खाद्य मिलावट

नरेंद्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

किसी को मुकम्मल जहाँ नहीं मिलता कहीं। ज़मीन तो कहीं आसमान नहीं मिलता। निदा फ़ाज़ली साहब ने ये बात बहुत पहले कह दी थी और आज भी हमारे समाज में यही सच सबसे ज़ोर से बोलता है। हमारा समाज दो हिस्सों में बंटा हुआ दिखता है। एक के पास ज़मीन है और दूसरे के पास आसमान। पर किसी के पास दोनों एक साथ नहीं।

इस समाज में कुछ लोग सुबह से रात तक मेहनत करते हैं। पसीना बहाते हैं। घर चलाते हैं। बच्चों की फीस भरते हैं। बूढ़े माँ-बाप की दवा लाते हैं। उनके पास ज़मीन है। जड़ें हैं। मेहनत की ज़मीन है। पर उनके पास आसमान नहीं है। आसमान मतलब खुली सांस। त्योहार पर नए कपड़े। महीने में एक बार बाहर खाना। बच्चों के साथ पार्क में वक्त बिताना। ये सब उनके लिए ख्वाब है। वो कमाते तो हैं पर जी नहीं पाते।

और इस समाज में कुछ लोग और भी हैं। उनके पास ख्वाब हैं। हुनर है। कला है। सोच है। वो आसमान की बात करते हैं। बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। बदलाव की बात करते हैं। पर उनके पैरों के नीचे ज़मीन नहीं है। महीने के आखिर में किराया देने के लिए सोचना पड़ता है। बीमार पड़ जाएं तो इलाज के लिए हाथ फैलाने पड़ते हैं। उनके पास उड़ान है पर घोंसला नहीं।

हमारा समाज इसी खाई पर खड़ा है। जिसके पास रोटी है उसके पास वक्त नहीं। और जिसके पास वक्त है उसके पास रोटी नहीं। एक घर में बेटा कमाता है तो घर से कट जाता है। और एक घर में बेटा घर पर रहता है तो कमाई नहीं होती। एक मोहल्ले में शोर है तो चैन नहीं। और दूसरे मोहल्ले में सन्नाटा है तो डर है। हर आदमी अपने हिस्से की कमी लेकर चल रहा है और दूसरे के हिस्से की चीज देखकर अपने जीवन को अधूरा समझ रहा है।

हम रिश्तों में भी यही देखते हैं। जब तक किसी से मतलब है तब तक वो अपना है। जिस दिन मतलब खत्म उसी दिन वो पराया। दोस्ती भी हिसाब से होती है। पड़ोसी भी जरूरत से मिलते हैं। त्योहार पर सब एक साथ दिखते हैं और त्योहार के बाद सब अपने-अपने काम में लग जाते हैं। कोई किसी के सुख में शामिल नहीं होना चाहता और दुख में तो बिल्कुल नहीं। क्योंकि दुख बांटने से अपना वक्त खराब होता है। हमने रिश्तों में भी सुविधा तलाशनी शुरू कर दी है।

इस समाज में हमने सफलता का मतलब भी बदल दिया है। जिसके पास गाड़ी है वही सफल। जिसके पास बड़ा घर है वही इज्जतदार। जिसके पास ब्रांडेड कपड़े हैं वही समझदार। हमने इंसान को उसके बैंक बैलेंस से तोलना शुरू कर दिया। और जो तोल में कम निकला उसे किनारे कर दिया। फिर वही इंसान रात को तन्हा बैठकर सोचता है कि उसने क्या गलती की। गलती उसने नहीं की। गलती इस सोच ने की है जिसने इंसान की कीमत पैसों से लगानी शुरू कर दी।

हम सोशल मीडिया पर एक दूसरे की ज़िंदगी देखते हैं और जलते हैं। वहां सब हंसते हुए दिखते हैं। सब घूमते हुए दिखते हैं। सब खुश दिखते हैं। पर वो दस सेकंड की क्लिप है। उसके पीछे का संघर्ष कोई नहीं दिखाता। हम तुलना करते हैं और अपना सुकून खो देते हैं। जबकि सच्चाई ये है कि किसी की ज़िंदगी मुकम्मल नहीं है। जिसके पास तस्वीरें हैं उसके पास यादें नहीं। जिसके पास यादें हैं उसके पास तस्वीरें नहीं। हर चेहरे के पीछे अपनी कहानी है और हर कहानी में कुछ अधूरापन है।

इस समाज की सबसे बड़ी बीमारी यही है। हम देना भूल गए हैं। जिसके पास ज़्यादा है वो और जोड़ने में लगा है। और जिसके पास कम है वो मांगते-मांगते थक गया है। बीच का रास्ता किसी ने नहीं निकाला।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

धरती केवल मनुष्य की संपत्ति नहीं, पशु-पक्षियों के अधिकारों की रक्षा से ही बचेगा प्राकृतिक संतुलन

सुभाष चन्द काशव
गांव जौवा डाकघर गैहरा तहसील व जिला चंबा हिमाचल प्रदेश

सृष्टि की रचना करते समय प्रकृति ने केवल मनुष्य को ही जीवन का अधिकार नहीं दिया, बल्कि पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और समस्त जीव-जंतुओं को भी इस पृथ्वी पर समान रूप से रहने का अधिकार प्रदान किया। मनुष्य स्वयं को बुद्धिमान और विवेकशील प्राणी कहता है, किंतु उसकी बुद्धिमत्ता तभी सार्थक है जब वह अपने से कमजोर और असहाय जीवों के प्रति करुणा, दया और संवेदनशीलता का परिचय दे। दुर्भाग्य से आधुनिक युग में मनुष्य अपनी सुविधाओं और स्वार्थों की पूर्ति में इतना व्यस्त हो गया है कि वह उन बेजुबान प्राणियों के दुःख और पीड़ा को समझना ही भूलता जा रहा है, जो सदियों से उसके जीवन को सरल, सुखद और सुरक्षित बनाने में अपना योगदान देते आए हैं।

पशु-पक्षी बोल नहीं सकते, अपनी वेदना को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते, न्यायालयों में जाकर अपने अधिकारों की मांग नहीं कर सकते और न ही मनुष्य की तरह अपने लिए संघर्ष कर सकते हैं। यही कारण है कि उन्हें बेजुबान कहा जाता है। किंतु उनका मौन यह नहीं दर्शाता कि उनमें संवेदनाएँ नहीं हैं। वे भी भूख, प्यास, प्रेम, अपनापन, भय, पीड़ा और खुशी का अनुभव करते हैं। अंतर केवल इतना है कि वे अपनी भावनाओं को शब्दों के बजाय अपनी आँखों, हाव-भाव और व्यवहार के माध्यम से व्यक्त करते हैं।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि बेजुबान जीवों ने सदैव मनुष्य का साथ दिया है। जब आधुनिक यातायात के साधन नहीं थे, तब घोड़े, ऊँट, खच्चर और बैल मनुष्य के साथी बने। कृषि प्रधान समाज में बैलों ने खेतों को जोता, गायों ने दूध देकर पोषण प्रदान किया और पशुधन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनकर समाज को समृद्ध किया। कुत्तों ने घरों की रक्षा की, हाथियों ने भारी कार्यों में सहायता की और पक्षियों ने पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी अनेक पशु और पक्षी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मानव जीवन की सेवा कर रहे हैं।

यदि हम केवल कुत्तों की बात करें तो वे अपनी निष्ठा और वफादारी के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। अनेक अवसरों पर कुत्तों ने अपने मालिकों की जान बचाई है। वे सुरक्षा बलों में कार्य करते हैं, अपराधियों का पता लगाने में सहायता करते हैं और प्राकृतिक आपदाओं के समय मलबे में दबे लोगों को खोजने का कार्य भी करते हैं। फिर भी कई बार यही वफादार जीव सड़क पर पत्थरों और लाठियों का शिकार बन जाता है। गाय भारतीय संस्कृति में माता के रूप में पूजनीय मानी गई है। वह मनुष्य को दूध, गोबर और अनेक प्रकार की उपयोगी वस्तुएँ प्रदान करती है। किंतु जब वह बूढ़ी हो जाती है, तब अनेक लोग उसे सड़कों पर छोड़ देते हैं। यह उस जीव के प्रति कृतघ्नता का परिचायक है जिसने वर्षों तक परिवार की सेवा की होती है।

पक्षियों की दुनिया भी मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। गौरैया, कबूतर, मैना, बुलबुल और अन्य पक्षी केवल प्रकृति की सुंदरता नहीं बढ़ाते, बल्कि वे बीजों के प्रसार, कीट नियंत्रण और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी योगदान देते हैं। उनके मधुर स्वर मानव मन को आनंद और शांति प्रदान करते हैं। किंतु बढ़ते शहरीकरण, प्रदूषण और वृक्षों की कटाई के कारण उनके अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो गया है। मधुमक्खियाँ परागण करती हैं, गिद्ध मृत पशुओं को खाकर वातावरण को स्वच्छ रखते हैं और केंचुए मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं। इसलिए पशुओं की रक्षा करना वास्तव में अपने भविष्य की रक्षा करना है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य यह समझे कि पृथ्वी केवल उसकी संपत्ति नहीं है। यह समस्त जीव-जगत का साझा घर है। यदि हम पशु-पक्षियों के अधिकारों की उपेक्षा करेंगे तो अंततः प्रकृति का संतुलन बिगड़ेगा और उसका दुष्परिणाम मानव जाति को भी भुगतना पड़ेगा। पर्यावरण संरक्षण और जीव संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

भारत-चीन रिश्तों में नई उम्मीद

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन जिस सहयोग और सहमति के भाव के साथ हुआ, वह भारत के लिए महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि है। यह सफलता केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों के लिए भी सकारात्मक संकेत है। सम्मेलन में संयुक्त घोषणापत्र जारी हो पाना इस बात का प्रमाण है कि विभिन्न मतों और हितों के बावजूद सदस्य देश साझा मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए तैयार हैं। भारत ने इस पूरी प्रक्रिया में संतुलित भूमिका निभाते हुए अलग-अलग देशों के दृष्टिकोणों के बीच सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया। यही संतुलन ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय संगठन को आगे ले जाने के लिए आवश्यक है।

ब्रिक्स की ताकत उसकी विविधता में है। इसके सदस्य देशों की आर्थिक परिस्थितियां, राजनीतिक व्यवस्थाएं और वैश्विक प्राथमिकताएं एक जैसी नहीं हैं। इसके बावजूद यदि सभी देश साझा हितों को प्राथमिकता देते हुए सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो यह संगठन वैश्विक स्तर पर अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। सम्मेलन में जिस सकारात्मक रवैये का परिचय सदस्य देशों ने दिया, वह ब्रिक्स के भविष्य के लिए उम्मीद जगाता है। किसी भी बहुपक्षीय संगठन की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि सदस्य देशों की वास्तविक प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से तय होती है।

इस सम्मेलन में चीन का रवैया भी उल्लेखनीय रहा। परंपरागत रूप से कई मुद्दों पर कठोर रुख अपनाने वाले चीन की ओर से इस बार अपेक्षाकृत संयम और सहयोग की भावना दिखाई दी। इसके पीछे बदलती अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती हैं। विश्व व्यवस्था तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। आर्थिक प्रतिस्पर्धा, व्यापारिक तनाव, तकनीकी निर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और दुर्लभ खनिजों जैसे मुद्दे अब देशों के बीच संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे वातावरण में चीन के लिए भी यह समझना जरूरी हो गया है कि बहुपक्षीय मंचों को मजबूत किए बिना वैश्विक स्तर पर अपने हितों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना आसान नहीं होगा।

इसी संदर्भ में चीनी राष्ट्रपति के सम्मेलन में शामिल होने को लेकर बनी अनिश्चितता का समाप्त होना महत्वपूर्ण रहा। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह रहा कि बहुपक्षीय विषयों के साथ भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर भी बातचीत हुई। भारत-चीन संबंध लंबे समय से कई जटिलताओं से गुजर रहे हैं। सीमा से जुड़े मतभेदों के साथ व्यापार, तकनीक और आर्थिक निर्भरता जैसे विषय भी दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित करते हैं। ऐसे में मतभेदों को स्वीकार करते हुए संवाद और सहयोग का रास्ता तलाशने की पहल सकारात्मक संकेत देती है। मतभेदों का होना असामान्य नहीं है, लेकिन उन्हें टकराव में बदलने के बजाय संवाद के माध्यम से सुलझाने का प्रयास ही परिपक्व कूटनीति की पहचान है।

भारतीय प्रधानमंत्री की ओर से दुर्लभ खनिजों और तकनीक को हथियार के रूप में इस्तेमाल न करने की बात भी इसी व्यापक संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यह संदेश किसी एक देश के लिए ही नहीं, बल्कि उन सभी देशों के लिए है जो महत्वपूर्ण संसाधनों और तकनीकी क्षमता के माध्यम से वैश्विक दबाव बनाने की स्थिति में हैं। आधुनिक अर्थव्यवस्था में दुर्लभ खनिज, महत्वपूर्ण तकनीक, ऊर्जा संसाधन और आपूर्ति श्रृंखलाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई हैं। यदि इनका इस्तेमाल राजनीतिक दबाव के साधन के रूप में होने लगे तो वैश्विक अर्थव्यवस्था और विकासशील देशों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए इन क्षेत्रों में पारदर्शिता, सहयोग और समान अवसर की आवश्यकता है।

हालांकि ब्रिक्स को प्रभावी संगठन बनाने के लिए केवल चीन का सहयोग पर्याप्त नहीं होगा। रूस को भी भारत के साथ आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को अधिक संतुलित बनाने की दिशा में कदम उठाने होंगे। चीन और रूस दोनों के साथ भारत के संबंध रणनीतिक महत्व रखते हैं, लेकिन आर्थिक संबंधों में संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। व्यापार में असंतुलन लंबे समय तक बना रहे तो इससे संबंधों की व्यापक क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसलिए तीनों प्रमुख देशों को परस्पर व्यापार बढ़ाने, बाजारों तक पहुंच आसान बनाने और नई आर्थिक साझेदारियां विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए।

ब्रिक्स के सामने आज एक बड़ी संभावना यह है कि वह ग्लोबल साउथ की आवाज को अधिक मजबूती से सामने रख सकता है। विकासशील देशों की आर्थिक चुनौतियां, ऋण, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, तकनीकी पहुंच और जलवायु परिवर्तन जैसे विषय वैश्विक विमर्श में अधिक प्रभावी प्रतिनिधित्व की मांग करते हैं। यदि ब्रिक्स इन मुद्दों को साझा मंच पर मजबूती से उठाता है तो वह वैश्विक व्यवस्था को अधिक बहुध्रुवीय और संतुलित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए भारत, चीन, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका सहित सभी सदस्य देशों को अपने-अपने मतभेदों से ऊपर उठकर साझा हितों पर ध्यान देना होगा। ब्रिक्स की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि अलग-अलग राष्ट्रीय हितों के बीच सामंजस्य कैसे कायम रखा जाए। संगठन का विस्तार हुआ है और इसके साथ उसकी जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं।

-शिवांश धाकड़

कविता

मुझे पत्थर मारते हो...

डॉ. अशोक प्यारे लाल चौबे

मुझे पत्थर मारते हो,
जानते हो मैं आम के पेड़ की तरह हूँ,
फिर भी मेरी शाखों पर
अपने गुस्से की चोट करते हो।
अगर मैं नीम का पेड़ होता,
तो पत्थरों की जगह
कुल्हाड़ी चलाते,
शायद मेरी कड़वाहट
तुम्हें और अधिक चुभती।
मैं तो बिना किसी सहारे,
बिना किसी इशारे के
अपने पैरों पर खड़ा हूँ।
न किसी की छांव मांगता हूँ,
न किसी के कंधे का सहारा,
बस अपनी जड़ों से जुड़ा
चुपचाप जीवन जीता हूँ।
नफरत बहुत लोग करने लगे हैं,
और मैं नफरतों के घेरे में
अकेला खड़ा हूँ।
लोगों को गैरों से लड़ते देखता हूँ,
जबकि मुझसे तो
मेरे अपने ही लड़ने को खड़े हैं।
अजीब विडंबना है, बाहर वालों से बचाने वाले हाथ
आज भीतर ही पत्थर उठाए खड़े हैं।
जिस अपनापन को
मैंने जीवन भर सींचा,
आज वही मेरे लिए
सबसे बड़ा सवाल बन गया है।

आस्था और पौराणिक मान्यताओं का संगम है मां मनसा देवी धाम, दूर-दूर से आते हैं भक्त

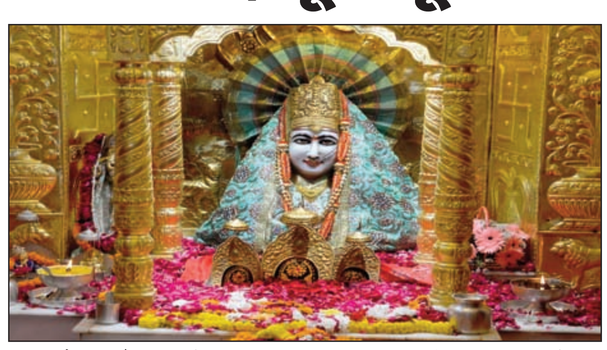

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

यूं तो उत्तर भारत में स्थित हिमाचल प्रदेश देवभूमि देश-विदेश में धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से प्रख्यात है, लेकिन इस राज्य के साथ सटा हरियाणा भी इससे अछूता नहीं है। वैसे भी हिमालय क्षेत्र सदा से मानवता का केंद्र रहा है। प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों की तपोभूमि आज भी अपनी धार्मिक धरोहरों को चार चांद लगाती हैं। उत्तरी भारत के हरियाणा राज्य के पंचकूला में अवस्थित ऐतिहासिक व प्राचीन मां मनसा देवी का पुरातन मंदिर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था, श्रद्धा और विश्वास का केंद्र है। यही वजह है कि प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु मां के दर्शनार्थ हेतु यहां आते रहते हैं।

किंवदंतियों के अनुसार श्री माता मनसा देवी का इतिहास उतना ही प्राचीन है जितना अन्य शक्तिपीठों का। इन शक्तिपीठों का कैसे और कब प्रादुर्भाव हुआ इसके बारे में शिवपुराण में विस्तृत वर्णन मिलता है। धर्मग्रंथ तंत्र चूड़ामणि के अनुसार ऐसे सिद्ध देवीपीठों की संख्या 51 है, जबकि देवी भगवत पुराण में 108 सिद्धपीठों का उल्लेख मिलता है जो सती के अंगों के गिरने से प्रकट हुए। शिवपुराण के अनुसार मां पार्वती राजा दक्ष की पुत्री थी और हिमालय पर उनका राज्य था। पार्वती अपने पति शिवजी के साथ कैलाश पर्वत पर उनका वास था।

एक बार राजा दक्ष ने अश्वमेघ यज्ञ रचाया और उसमें पिता दक्ष प्रजापति द्वारा पार्वती जी के प्राणेश्वर भगवान शिवजी को आमंत्रित नहीं किया गया। इसे पार्वती ने अपने प्राणेश्वर का अपमान समझा और क्रोधित होकर चल रहे उस यज्ञ में कूदकर प्राणोत्सर्ग कर दिए। इस पर शिवजी ने उनके दग्ध शरीर को कंधे पर उठाकर तांडव करते हुए देश-देशांतर में विचरण करने लगे। भोले शंकर का यह उग्र रूप देखकर ब्रह्मादि देवताओं को बड़ी चिंता होने लगी। शिवाजी का अपनी पत्नी के प्रति अत्याधिक मोह को देखकर भगवान विष्णुजी ने अपने सुदर्शन चक्र से लक्ष्यभेद कर सती के शरीर को खंड-खंड कर दिया। यह अंग जहां-जहां गिरे वहीं 51 शक्तिपीठों की स्थापना हुई।

कहा जाता है कि हरियाणा के मनीमाजरा के निकट शिवालिक पर्वतमालाओं पर देवी के मष्तिष्क का अग्र भाग गिरने से मानसा देवी आदि शक्तिपीठ अवस्थित हुआ, जो लाखों भक्तों की अगाध श्रद्धा, विश्वास व पूजा स्थल बन गया। कहा जाता है कि माता मनसा देवी मंदिर का निर्माण तत्कालीन मनीमाजरा के राजा गोपाल सिंह जी ने मां के द्वार पर उनके द्वारा मां के चरणों में मांगी गई मनोकामना पूर्ण होने पर इस मंदिर का निर्माण अपनी देखरेख में 1815 ईस्वी में सम्पन्न करवाया था, जोकि लगभग चार वर्षों में बनकर तैयार हुआ था तथा आगे चलकर लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह आस्था का केंद्र बन गया।

एक अन्य जनश्रुति अनुसार मनसा देवी का नाम महंत मंशा नाथ के नाम पर पड़ा बताया जाता है। मुग़लकालीन बादशाह सम्राट अकबर के दौरान लगभग 450 वर्ष पूर्व बिलासपुर गांव में मां देवी भक्त श्रद्धालु महंत मंशा नाथ रहता था। उस समय यहां देवी की पूजा अर्चना करने दूर-दूर से लोग आते थे। दिल्ली सूबे की ओर से यहां मेले पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति से एक रुपया कर टैक्स के रूप में वसूल किया जाता था। इसका महंत मंशा नाथ ने डटकर विरोध किया। हुकूमत के डर से राजपूतों ने उनकी मंदिर में प्रवेश पर रोक लगा दी। माता का अनन्य भक्त होने के नाते उसने वर्तमान मंदिर से कुछ ही दूर पहाड़ों पर अपना डेरा जमा लिया और वहीं से माता की पूजा-अर्चना करने लगे। महंत मंशा नाथजी का धुना आज भी मनसा देवी की सीढ़ियों के प्रारम्भ में बाईं ओर अविरल जलता रहता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

दक्षिण सिनेमा की दमदार अभिनेत्री

राम्या कृष्णन
जन्म : 15 सितंबर 1970

राम्या कृष्णन भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने मुख्य रूप से तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम किया है। उनका जन्म 15 सितंबर 1970 को मद्रास, वर्तमान चेन्नई, तमिलनाडु में हुआ था। वह तेलुगु परिवार से ताल्लुक रखती हैं। अभिनय के क्षेत्र में लंबा सफर तय करने वाली राम्या ने तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी फिल्मों में अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाई हैं। अपने करियर में उन्होंने नायिका से लेकर सहायक और नकारात्मक भूमिकाओं तक कई चुनौतीपूर्ण किरदारों को पर्दे पर जीवंत किया।

राम्या कृष्णन ने अभिनय की शुरुआत मलयालम फिल्म 'नेरम पुलरुम्बोल' से की थी, हालांकि यह फिल्म बाद में 1986 में रिलीज हुई। उनकी पहली रिलीज तमिल फिल्म 'वेल्लई मनसु' थी, जो 1985 में आई। इसके बाद उन्होंने तमिल और तेलुगु फिल्मों में कई सहायक भूमिकाएं निभाईं। शुरुआती दौर में उन्हें लगातार सफलता नहीं मिली, लेकिन उन्होंने अभिनय का सफर जारी रखा। 1989 में के. विश्वनाथ की फिल्म 'सूत्रधारुलु' से उन्हें तेलुगु सिनेमा में पहचान मिलने लगी। इसके बाद 'अल्लुडुगारु', 'अल्लारी मोगुडु', 'मेजर चंद्रकांत' और 'अल्लारी प्रियुडु' जैसी फिल्मों ने उन्हें लोकप्रियता दिलाई।

हिंदी सिनेमा में भी राम्या कृष्णन ने अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने यश चोपड़ा की फिल्म 'परंपरा' से हिंदी फिल्मों में नायिका के रूप में शुरुआत की। इसके बाद वह 'खलनायक', 'चाहत', 'बनारसी बाबू', 'बड़े मियां छोटे मियां' और 'शपथ' जैसी फिल्मों में नजर आईं। हिंदी के साथ-साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा में उनका काम लगातार जारी रहा।

राम्या के करियर की सबसे चर्चित भूमिकाओं में 'पड़यप्पा' की नीलांबरी का किरदार शामिल है। रजनीकांत के साथ इस फिल्म में उनके नकारात्मक किरदार को काफी सराहा गया। इस भूमिका के लिए उन्हें कई पुरस्कार भी मिले। इसके बाद 2015 में आई 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 2017 में आई 'बाहुबली: द कन्क्लूजन' में उन्होंने राजमाता शिवगामी देवी का दमदार किरदार निभाया।

बच्चों के भविष्य निर्माण में अंक ही नहीं, संस्कार चरित्र और सही मार्गदर्शन की भी अहम भूमिका

सुनीता गुप्ता कपूर, प्रवक्ता
इतिहास, रा.व.मा.पा.मंडी

बच्चे देश का भविष्य हैं—यह बात शत-प्रतिशत सही है। लेकिन क्या भविष्य का निर्माण केवल अच्छे अंकों से होता है, या अच्छे संस्कारों, मजबूत चरित्र, मानसिक संतुलन और सही मार्गदर्शन से? यह आज के दौर का एक गंभीर विषय है। हाल के कुछ वर्षों में, जब भी किसी विद्यार्थी की मानसिक परेशानी, परीक्षा के तनाव या किसी दुखद घटना की चर्चा होती है, तो अक्सर केवल माता-पिता को ही दोषी ठहराया जाता है। आज भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट, जेईई, यूपीएससी और अन्य राष्ट्रीय परीक्षाओं को लेकर व्यापक चर्चा होती है। हाल ही में मैंने राघव चड्ढा जी को संसद में पेपर लीक पर बने विधेयक पर बोलते हुए सुना। उन्होंने अपनी बात को बखूबी रखा। उन्होंने कहा कि जब पेपर लीक होता है, तो केवल अठारह-उन्नीस घंटे मेहनत करने वाला बच्चा ही प्रभावित नहीं होता, बल्कि बच्चे की माँ की मेहनत, पिता का त्याग और भाई-बहनों का प्यार—इन सबका भी उसमें योगदान होता है।

जब बच्चा परीक्षा देने के बाद अपने भविष्य के सपने देखने लगता है और दो दिन बाद उसे पता चलता है कि पेपर लीक हो गया, तो उस समय अकेला परीक्षा देने वाला बच्चा ही प्रभावित नहीं होता, बल्कि पूरा परिवार सदमे में चला जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए राघव चड्ढा जी द्वारा सरकार के समक्ष कठोर विधेयक की पहल तारीफ के काबिल है।

लेकिन इसी बात के साथ उन्होंने एक और बात कही, जिसने मुझे सोचने और लिखने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि जब बच्चा दसवीं कक्षा में होता है, तो उस पर दबाव डाला जाता है कि इस वर्ष अच्छी तरह मेहनत करो, तभी अच्छी स्ट्रीम में दाखिला मिलेगा। फिर जब बच्चा बारहवीं कक्षा में होता है, तो उस पर दबाव डाला जाता है कि यह वर्ष आपके भविष्य को तय करेगा। अगर अच्छा प्रदर्शन नहीं करोगे, तो अच्छा कॉलेज नहीं मिलेगा और आपका भविष्य सुरक्षित नहीं होगा। लेकिन मैं यह जानना चाहती हूँ कि क्या इस तरह का मार्गदर्शन करना वास्तव में दबाव बन जाता है? हमेशा से देखा गया है कि ऐसे मौकों पर यही कहा जाता है कि माता-पिता का अत्यधिक दबाव बच्चों की समस्याओं का मुख्य कारण है। मेरा मानना है कि जीवन का कोई भी क्षेत्र हो—चिकित्सा, विज्ञान, खेल, संगीत या शिक्षा—बिना परिश्रम, अनुशासन और त्याग के सफलता नहीं मिलती। बच्चे अबोध होते हैं, कच्चे घड़े के समान होते हैं। उन्हें यदि प्रेरित न किया जाए, तो वे जीवन की विभिन्न चुनौतियों का सामना कैसे करेंगे? यूँ भी भारतीय संस्कृति में शिक्षा को तपस्या माना गया है। सदियों से गुरु और माता-पिता ही बच्चों को मेहनत, अनुशासन और आत्मसंयम का पाठ पढ़ाते आए हैं।

अब प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन ही बच्चों के तनाव का कारण है, या कुछ अन्य अदृश्य कारण भी हो सकते हैं—जैसे सोशल मीडिया, सफलता की बदलती परिभाषा या शिक्षा व्यवस्था की भूमिका?

सोशल मीडिया—नई पीढ़ी का अदृश्य दबाव

आज का युवा हर दिन सोशल मीडिया पर एक ऐसी दुनिया देखता है, जहाँ महँगी गाड़ियाँ, आलीशान घर, विलासितापूर्ण जीवन और विदेश यात्राएँ दिखाई जाती हैं। इसका प्रभाव उसके मन-मस्तिष्क पर भी पड़ता है और वह इसी तरह की जीवनशैली जीने की कल्पना करने लगता है। हो यह रहा है कि सोशल मीडिया पर यह जगमगाता संसार तो दिखा दिया जाता है, लेकिन उसके पीछे की मेहनत, त्याग, संघर्ष और आत्मसंयम नहीं दिखाया जाता। बच्चे इस तरह के जीवन की लालसा तो पाल लेते हैं, लेकिन मेहनत, संघर्ष और आत्मसंयम का महत्व नहीं समझ पाते। क्योंकि जो लोग उन्हें ये बातें सिखाना चाहते हैं—जैसे माता-पिता और गुरु—उन्हें यह कहकर सीमित कर दिया गया है कि बच्चों पर दबाव मत डालो। जबकि होना यह चाहिए कि बच्चों को बचपन से ही यह शिक्षा दी जाए कि चरित्र, संतुलन, मेहनत और संतोष ही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियाँ हैं। तभी वे तुलना और दिखावे की दौड़ में कम फँसेंगे। साथ ही सोशल मीडिया पर लोगों के जीवन का केवल सबसे आकर्षक हिस्सा दिखाने के बजाय उनके संघर्ष, असफलताओं और वर्षों की मेहनत को भी अधिक दिखाया जाना चाहिए, ताकि बच्चे उनसे प्रेरणा लें, न कि हीन भावना और तनाव पालें।

सफलता की बदलती परिभाषा

आज समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसने सफलता की परिभाषा ही बदल दी है। उदाहरण के तौर पर, पहले सामान्यतः परिवार का प्रयास होता था कि 24-25 वर्ष की आयु तक युवा अपने पैरों पर खड़ा हो जाए और उसके बाद वह परिवार के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के बंधन में बंध जाए। इन जिम्मेदारियों को निभाते-निभाते वह अपनी मेहनत से आगे भी बढ़ता था और युवा जीवन की प्राथमिकताओं को समझने लगता था। इससे उसे अपनी जीवनशैली की तुलना दूसरों से करने का समय ही नहीं मिलता था। वह काल्पनिक दुनिया के बजाय वास्तविक जीवन से अधिक जुड़ा रहता था। इसके विपरीत, आज के युग में सोशल मीडिया के प्रभाव से अनेक युवाओं के मस्तिष्क पर कम उम्र में ही अधिक धन, प्रसिद्धि और विलासिता के चित्र प्रस्तुत किए जाते हैं। युवा अपनी जिम्मेदारियों से बचकर धन और प्रसिद्धि के जाल में फँसता जाता है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

मेले से घर नहीं लौटी 16 वर्षीय किशोरी, सुबह पेड़ पर मिला शव

एजेंसी, आगरा

सैंया थाना क्षेत्र के गांव नदीम में रविवार शाम मेले से लापता हुई 16 वर्षीय किशोरी कृष्णा का शव सोमवार सुबह गांव के बाहर पेड़ पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर पुलिस भी पहुंची और मामले की जांच शुरू की। स्वजन के अनुसार, कृष्णा रविवार शाम गांव में लगे मेले में गई थी। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। देर शाम तक उसके घर नहीं पहुंचने पर स्वजन ने उसकी तलाश शुरू कर दी। उन्होंने आसपास के इलाकों और परिचितों के यहां भी जानकारी की, लेकिन किशोरी का पता नहीं चल सका। सोमवार सुबह स्वजन ग्रामीणों के साथ बाजरे के खेत और आसपास के क्षेत्र में उसकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान ग्रामीणों की नजर गांव के बाहर एक पेड़ पर पड़ी, जहां किशोरी का शव लटका हुआ था।

इसकी जानकारी मिलते ही स्वजन मौके पर पहुंचे। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। स्वजन ने पुलिस को बताया कि किशोरी पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान थी और उसका उपचार भी चल रहा था। हालांकि उसकी मौत के वास्तविक कारणों को लेकर पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की गई। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर ग्रामीणों में भी चर्चा बनी हुई है। पुलिस ने आसपास लगे संभावित साक्ष्यों और घटना से जुड़े लोगों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

न्यूज ब्रीफ

पिता से कहा- आज अपने हाथों से खिलाऊंगी खाना, कुछ देर बाद मृत मिली छात्रा

एजेंसी, कानपुर। महाराजपुर के तिलसहरी खुर्द के मजरा कन्वापुर में 15 वर्षीय नौवीं कक्षा की छात्रा अंजलि की मौत हो गई। रविवार दोपहर उसने पिता को अपने हाथों से खाना खिलाया। इसके कुछ देर बाद उसका शव घर के जीने से निकले सरिये से साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच की। महाराजपुर थाना प्रभारी जनार्दन सिंह ने बताया कि अभी आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल पाया है। परिजन भी कोई जानकारी नहीं दे रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रयागराज में सड़क हादसों का कहर, चार की मौत; मां-बेटे समेत दो की गई जान

एजेंसी, प्रयागराज। जिले में गंगापार और यमुनापार में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए। गंगापार के उतरांव में रविवार रात खड़े पिकअप वाहन में डीसीएम टकरा गया। हादसे में पिकअप चालक और पशु व्यापारी की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए। वहीं, यमुनापार के औद्योगिक थाना क्षेत्र में सरस्वती हाईटेक सिटी के सामने मीरजापुर मार्ग पर ट्रक की टक्कर से मजदूर की पत्नी और उसके मासूम बेटे की जान चली गई। पुलिस ने दोनों घटनाओं की जांच शुरू कर दी है।

यूपी में 15 साल में 38 लाख ने पास किया टीईटी, शिक्षक पद सिर्फ 3.2 लाख

एजेंसी, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में शिक्षक भर्ती को लेकर प्रतियोगी छात्रों का आंदोलन जारी है। पिछले 15 वर्षों में 38 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास की, लेकिन इनके मुकाबले केवल 3.2 लाख शिक्षक पद ही विज्ञापित हुए हैं। वर्ष 2011 में पहली बार टीईटी शुरू हुई थी। आंकड़ों के अनुसार, टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की तुलना में महज 8.46 प्रतिशत पदों का विज्ञापन हुआ। प्रयागराज समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में अभ्यर्थी भर्ती की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन दे रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार को पर्याप्त संख्या में शिक्षक पदों पर भर्ती निकालनी चाहिए।

नमो भारत यात्रियों ने सांसद से रात के फेरे बढ़ाने और मासिक पास शुरू करने की मांग की

एजेंसी, मेरठ। दैनिक यात्रियों ने रविवार को राज्यसभा सदस्य डॉ. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी से मिलकर नमो भारत ट्रेन से जुड़ी समस्याएं बताईं। यात्रियों ने कहा कि नमो भारत सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक चलती है, लेकिन रात में इसके फेरे बढ़ाए जाने चाहिए। उन्होंने ट्रेन में मासिक पास की सुविधा शुरू करने की भी मांग की। यात्रियों के अनुसार मोदीपुरम से सराय काले खां तक एक तरफ का किराया 210 रुपये और दोनों ओर का 420 रुपये है। निजी कंपनियों और प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए रोजाना इतना किराया देना मुश्किल है। उन्होंने मासिक पास से राहत मिलने की उम्मीद जताई।

गाजियाबाद में भ्रूण लिंग जांच का आरोपी गिरफ्तार, सात बार जा चुका जेल

एजेंसी, गाजियाबाद। कार में पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन के जरिये अवैध भ्रूण लिंग जांच करने के आरोप में कपिल कुमार को पुलिस ने आठवीं बार गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, कपिल पिछले करीब 10 साल से इस अवैध धंधे में सक्रिय था और अब तक एक हजार से अधिक महिलाओं की भ्रूण लिंग जांच कर चुका है। इस दौरान वह सात बार जेल भी जा चुका है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन और कार बरामद की है। उसके एक साथी को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी जांच के लिए पोर्टेबल मशीन का इस्तेमाल करता था और अलग-अलग स्थानों पर जाकर यह काम करता था। मामले में पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध भ्रूण लिंग जांच के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। मामले में पुलिस आरोपित से पूछताछ कर जांच के तरीके और उससे जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों ने बताया कि नेटवर्क का पता लगाने के लिए कार्रवाई जारी है।

सीएम योगी ने कहा कि लोक सेवकों को मर्यादा में रखने के लिए प्रभावी संस्थागत अंकुश जरूरी

उद्दंड व्यवहार पर अंकुश जरूरी : सीएम योगी

एजेंसी, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उत्तर प्रदेश लोकायुक्त संगठन के स्वर्ण जयंती समारोह में लोक सेवकों की जवाबदेही और प्रशासन में पारदर्शिता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी लोक सेवक के गलत कार्य करने पर उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। सत्ता और पद मिलने के बाद व्यक्ति के व्यवहार में अहंकार या उद्दंडता नहीं आनी चाहिए। ऐसे व्यवहार पर समय रहते प्रभावी अंकुश आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार व्यक्ति को ताकत मिलने के बाद वह उच्छृंखल और उद्दंड व्यवहार करने लगता है।

ऐसे में संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने रामचरितमानस की पंक्ति 'प्रभुता पाई काहि मद नाहीं' का उल्लेख करते हुए कहा कि पद और अधिकार मिलने के बाद भी व्यक्ति को मर्यादा का पालन करना चाहिए। व्यवस्था में ऐसा तंत्र होना जरूरी है, जो गलत आचरण पर रोक लगा सके और लोक सेवकों को उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकायुक्त जैसी संस्था लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जनता की ओर से आने वाली शिकायतों का निष्पक्ष और मेरिट के आधार पर समाधान होना चाहिए।

इससे आम लोगों का शासन और प्रशासनिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत होता है। लोक सेवकों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने में लोकायुक्त संस्था की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त संगठन ने अपने 50 वर्षों के सफर में शिकायतों के निस्तारण और जनविश्वास कायम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बदलते समय के साथ संस्थाओं को भी अपनी कार्यप्रणाली में आवश्यक बदलाव करने चाहिए।

तकनीक का बेहतर इस्तेमाल कर शिकायतों की निगरानी, उनके निस्तारण और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने सुशासन के लिए जवाबदेही, पारदर्शिता और समयबद्ध कार्रवाई को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि सरकारी व्यवस्था का उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनुचित व्यवहार की शिकायत मिलने पर उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था में अधिकारियों के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। लोक सेवकों को अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए जनता की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी से लोगों का विश्वास प्रभावित होता है। इसलिए व्यवस्था को अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना जरूरी है।

आगरा में गणेशोत्सव का आगाज, 25 फीट ऊंचे गणपति की भव्य स्थापना

एजेंसी, आगरा। 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष के साथ सोमवार को आगरा में गणेशोत्सव की शुरुआत हुई। शुभ मुहूर्त में शहर के घरों, प्रतिष्ठानों और पंडालों में विधि-विधान से भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। इस बार कमला नगर के गणपति विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। यहां 25 फीट ऊंची और करीब 6.7 टन वजनी विशाल गणेश प्रतिमा स्थापित की गई है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर गणपति स्थापना के लिए सुबह 10 बजकर 59 मिनट से दोपहर एक बजकर 27 मिनट तक का समय शुभ रहा। श्रद्धालुओं ने इस दौरान भगवान गणेश का पूजन कर दुर्वा और मोदक अर्पित किए। कमला नगर में स्थापित विशाल प्रतिमा को देखने के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। गणेशोत्सव 11 दिनों तक चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन तीन बार भगवान गणेश की आरती और पूजा-अर्चना की जाएगी। ज्योतिषाचार्य पंडित चंद्रेश कौशिक के अनुसार भगवान गणेश का जन्म मध्याह्न काल में माना गया है, इसलिए इसी अवधि में स्थापना और पूजन का विशेष महत्व है।

चतुर्थी तिथि सोमवार सुबह सात बजकर छह मिनट से शुरू होकर मंगलवार सुबह सात बजकर 44 मिनट तक रहेगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार घर में गणेश जी की बैठी मुद्रा और दुकान या कार्यालय में खड़ी मुद्रा की मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करना शुभ माना जाता है। शहरभर में गणेशोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गणपति की आराधना कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। विभिन्न क्षेत्रों में पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक कार्यक्रमों के साथ भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे।

स्थानीय भाषा में वायस एप से किसान बोलकर पा सकेंगे फसल का समाधान

एजेंसी, कानपुर

कानपुर जलवायु परिवर्तन, जल संकट और बदलते मौसम के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) किसानों के लिए समय पर सटीक कृषि सलाह उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। एआइ मंथन-2.0 के दूसरे दिन 'कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता' विषय पर आयोजित सत्र में विशेषज्ञों ने कृषि क्षेत्र में तकनीक के बढ़ते उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

श्रीराम हिमालय विश्वविद्यालय, देहरादून के प्रो. (डा.) नील मणि ने बताया कि एआइ, ड्रोन, सैटेलाइट, सेंसर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स के माध्यम से मिट्टी, मौसम, फसल स्वास्थ्य, सिंचाई और कीट-रोग की स्थिति का आकलन किया जा सकता है। इससे किसानों को फसल की जरूरत के अनुसार समय रहते उचित सलाह देने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मोबाइल और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने से आधुनिक तकनीक को गांवों तक पहुंचाना आसान हुआ है। स्थानीय भाषाओं में वायस आधारित एप विकसित किए जाने से किसान अपनी समस्या बोलकर दर्ज करा सकेंगे और उन्हें फसल से जुड़ी जानकारी व समाधान मिल सकेगा।

विशेषज्ञों के अनुसार, एआइ की मदद से मौसम के पूर्वानुमान, सिंचाई की जरूरत और संभावित कीट एवं रोग की पहचान में सहायता मिल सकती है। ड्रोन और सैटेलाइट से खेतों की निगरानी कर फसल की स्थिति का आकलन भी संभव होगा। इससे पानी और अन्य कृषि संसाधनों के बेहतर उपयोग से उत्पादन लागत कम करने में मदद मिल सकती है।

दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर बनेंगे तीन बाक्स कल्वर्ट

एजेंसी, गाजियाबाद

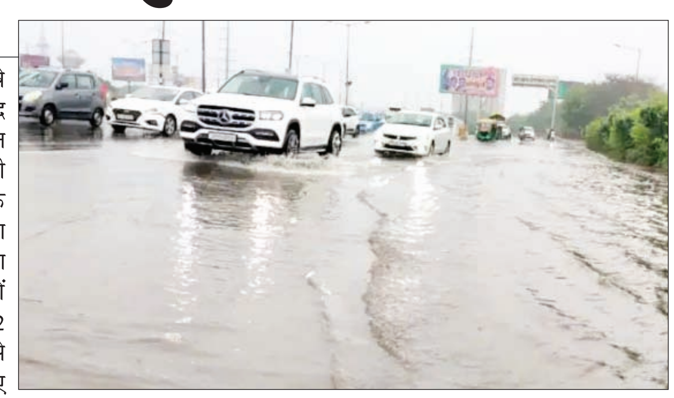

दिल्ली-सहारनपुर हाईवे और लोनी-गाजियाबाद मार्ग पर बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने योजना तैयार की है। दोनों महत्वपूर्ण मार्गों पर 1.42 करोड़ रुपये की लागत से तीन बाक्स कल्वर्ट बनाए जाएंगे। इनके निर्माण के बाद सड़क के नीचे से वर्षा का पानी तेजी से निकल सकेगा और लंबे समय तक जलभराव की स्थिति से वाहन चालकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, बरसात के दौरान इन मार्गों के कई हिस्सों में पानी जमा हो जाता है। जलनिकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर पानी रुकता है। इससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने के साथ सड़क की स्थिति भी खराब होती है। कई बार लगातार बारिश होने पर जलभराव के कारण यातायात की रफ्तार धीमी हो जाती है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए बाक्स कल्वर्ट बनाने का निर्णय लिया गया है। प्रस्तावित बाक्स कल्वर्ट सड़क के नीचे बनाए जाएंगे। इनके माध्यम से बारिश और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले पानी को दूसरी तरफ निकालने की व्यवस्था होगी। इससे सड़क की सतह पर पानी जमा होने की संभावना कम होगी।

अधिकारियों का मानना है कि जलनिकासी का रास्ता तैयार होने के बाद बारिश के दौरान इन दोनों मार्गों पर यातायात संचालन पहले की तुलना में बेहतर हो सकेगा। तीनों बाक्स कल्वर्ट के निर्माण पर कुल 1.42 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पीडब्ल्यूडी ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग की योजना के अनुसार काम शुरू होने के बाद करीब छह माह में निर्माण पूरा किया जाएगा।

निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था को प्रभावित न करने के लिए आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। दिल्ली-सहारनपुर हाईवे और लोनी-गाजियाबाद मार्ग गाजियाबाद के महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग हैं। इनसे प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। बारिश के दौरान जलभराव होने पर वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर तेज बारिश के बाद सड़क पर पानी जमा रहने से दुर्घटना की आशंका भी बढ़ जाती है।

◆ इस फैसले से मायावती ने पार्टी में परिवारवाद को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की है। उन्होंने संकेत दिया है कि भविष्य में संगठन में जिम्मेदारी देने का निर्णय जरूरत और परिस्थितियों के आधार पर लिया जाएगा। दीपिका आनंद की संभावित राजनीतिक भूमिका को लेकर भी अब बसपा के भीतर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

मछुआरा समाज के वोटों की दलाली करने वालों से रहें सावधान : संजय निषाद

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ने के बीच कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने मछुआरा समाज को मौसमी नेताओं और वोटों की दलाली करने वालों से सावधान रहने की सलाह दी है।

उन्होंने कहा कि समाज को ऐसे लोगों की पहचान करने की जरूरत है, जो चुनाव के समय समुदाय के बीच सक्रिय होकर उसके वोटों को अपने राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। डॉ. संजय निषाद ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि आजादी के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश में मछुआरा समुदाय एक बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर खड़ा हुआ है। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि इस राजनीतिक ताकत को किसी के बहकावे या निजी स्वार्थ के कारण कमजोर न होने दें।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कई तरह के नेता और राजनीतिक चेहरे समाज के बीच पहुंचते हैं। ऐसे नेताओं के दावों और वादों को परखना जरूरी है। समाज को यह देखना चाहिए कि कौन उसके हितों और अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठा रहा है और कौन केवल चुनाव के समय दिखाई देता है। निषाद ने मछुआरा समाज से राजनीतिक रूप से जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समुदाय की एकजुटता और राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल उसके सामाजिक और आर्थिक हितों को मजबूत करने के लिए होना चाहिए।

लखनऊ में अब मौंदा सेंटर पर होगा डीएल टेस्ट, ट्रांसपोर्ट नगर में व्यवस्था खत्म

एजेंसी, लखनऊ। स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनवाने वाले आवेदकों के लिए टेस्ट की व्यवस्था सोमवार से बदल गई है। अब वाहन चलाने का परीक्षण ट्रांसपोर्ट नगर और देवा रोड स्थित एआरटीओ कार्यालयों के ट्रैक पर नहीं होगा। इसके लिए आवेदकों को मौंदा स्थित ड्राइविंग ट्रेनिंग एवं टेस्टिंग सेंटर जाना होगा। मौंदा सेंटर में स्थायी डीएल के लिए ऑटोमेटेड टेस्ट की व्यवस्था की गई है। यहां आवेदकों के वाहन चलाने की क्षमता का परीक्षण कंप्यूटराइज्ड और सेंसर आधारित प्रणाली से किया जाएगा। नई व्यवस्था का उद्देश्य ड्राइविंग टेस्ट को अधिक पारदर्शी और मानकीकृत बनाना है। सेंसर और तकनीकी प्रणाली के माध्यम से वाहन संचालन के दौरान आवेदक के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। परिवहन विभाग के अनुसार, स्थायी लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले लोगों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत मौंदा सेंटर पर टेस्ट देना होगा। इससे टेस्ट के दौरान मानवीय हस्तक्षेप कम होने की उम्मीद है। आवेदकों के प्रदर्शन के आधार पर परीक्षण का परिणाम तकनीकी प्रणाली के जरिए तैयार किया जाएगा। वहीं, ट्रांसपोर्ट नगर और देवा रोड एआरटीओ कार्यालयों के पुराने ट्रैक पूरी तरह बंद नहीं होंगे। इन ट्रैक का इस्तेमाल अब मुख्य रूप से ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण से जुड़े आवेदकों के लिए किया जाएगा। नई व्यवस्था लागू होने के साथ ही विभाग ने आवेदकों को टेस्ट सेंटर और निर्धारित प्रक्रिया की जानकारी लेने की सलाह दी है।

सुनार से नकली सिक्कों का कारीगर बना उपकार, चार राज्यों में खड़ा किया नेटवर्क

◆ नकली सिक्के बनाने वाले आरोपित पुलिस गिरफ्त में

एजेंसी, सहारनपुर

नकली सिक्के बनाने और उन्हें बाजार में खपाने वाले गिरोह का सहारनपुर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। जांच में सामने आया कि गिरोह का सरगना उपकार करीब दो दशक से नकली सिक्कों के कारोबार में शामिल था। उसने वर्ष 2001 में अपने सुनार के अनुभव का इस्तेमाल करते हुए नकली सिक्के बनाने का काम शुरू किया था।

उपकार मूल रूप से पंजाब के जीरकपुर-मोहाली का रहने वाला बताया गया है। शुरुआत में वह सुनार का काम करता था और चांदी के सिक्के तैयार करता था। सिक्कों की बनावट, धातु और उन्हें तैयार करने की बारीकियों की जानकारी होने के बाद उसने इसी हुनर का इस्तेमाल नकली सिक्के बनाने में शुरू कर दिया। धीरे-धीरे यह अवैध कारोबार बढ़ता गया और उसने नकली सिक्कों को बाजार में खपाने के लिए अपना नेटवर्क तैयार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरोह का नेटवर्क उत्तर प्रदेश के अलावा पंजाब, हरियाणा और बिहार तक फैला हुआ था।

अलग-अलग स्थानों पर नकली सिक्कों की सप्लाई और बिक्री के लिए संपर्क बनाए गए थे। जांच में यह भी सामने आया कि उपकार पहले भी पुलिस की कार्रवाई का सामना कर चुका है। वर्ष 2017 में दिल्ली पुलिस ने उसे एक लाख रुपये के इनाम के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बावजूद उसने कथित तौर पर नकली सिक्कों का धंधा दोबारा शुरू कर दिया। सहारनपुर में हुई कार्रवाई के बाद पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

जनगणना | पहले स्वगणना होगी, इसके बाद प्रगणक 40 प्रश्नों की सूची लेकर घर-घर पहुंचेंगे

जनगणना 2027: भाषा ज्ञान और निवास बदलने का कारण बताएंगे लोग

एजेंसी, प्रयागराज

जनगणना-2027 के दूसरे चरण में इस बार लोगों से कई ऐसे सवाल पूछे जाएंगे, जिनके जवाब पहले से तैयार रखने होंगे। इसमें मातृभाषा के अलावा व्यक्ति को कितनी अन्य भाषाओं का ज्ञान है, वर्तमान निवास स्थान पर कब से रह रहे हैं और यदि स्थान बदला है तो इसका कारण क्या रहा, जैसी जानकारी शामिल होगी। इसके अलावा बच्चों और परिवार से जुड़े सवाल भी पूछे जाएंगे। दूसरे चरण में कुल 40 तरह के प्रश्नों को शामिल किया गया है।

जनगणना के दूसरे चरण की शुरुआत 16 नवंबर से होगी। सबसे पहले स्वगणना की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद एक दिसंबर से प्रगणक घर-घर पहुंचकर जनगणना का काम करेंगे। प्रगणकों के पास सवालों की निर्धारित सूची होगी और परिवार के प्रत्येक सदस्य से एक-एक कर जानकारी ली जाएगी। जनगणना में मांगी जाने वाली सभी जानकारियों की सीमा पहले से निर्धारित है।

जनगणना के दौरान परिवार के नाम और पते के साथ माता-पिता का विवरण, परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्मतिथि और वैवाहिक स्थिति जैसी सामान्य जानकारियां भी दर्ज की जाएंगी। इसके साथ भाषाई ज्ञान को लेकर भी सवाल किए जाएंगे। लोगों से मातृभाषा के अलावा उनके द्वारा जानी जाने वाली अन्य भाषाओं की जानकारी मांगी जाएगी। निवास से जुड़े सवालों में यह भी पूछा जा सकता है कि क्या व्यक्ति ने अपना स्थान बदला है। यदि स्थान बदला है तो उसके पीछे क्या कारण रहा। इससे लोगों के आवागमन और निवास परिवर्तन से जुड़ी जानकारी जुटाने में मदद मिलेगी।

बच्चों से संबंधित विभिन्न पहलुओं को भी सवालों में शामिल किया गया है। जनगणना में पूछे जाने वाले सवालों को लेकर लोगों को किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। अधिकारियों के अनुसार जनगणना के दौरान उपलब्ध कराई जाने वाली व्यक्तिगत जानकारी को गोपनीय रखा जाएगा। प्रगणक घर-घर जाकर परिवार के सभी सदस्यों से निर्धारित प्रश्नों के जवाब लेंगे। प्रयागराज समेत पूरे देश में जनगणना की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ेगी। 16 नवंबर से स्वगणना और एक दिसंबर से प्रगणकों के माध्यम से जनगणना शुरू होगी।

भाषा-निवास पर भी होंगे सवाल

जनगणना की प्रक्रिया के दौरान लोगों से मांगी जाने वाली जानकारी को निर्धारित प्रारूप में दर्ज किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, प्रगणक परिवार के प्रत्येक सदस्य से सवाल पूछकर सही जानकारी जुटाएंगे। इसके लिए लोगों को अपनी व्यक्तिगत और पारिवारिक जानकारी तैयार रखनी होगी। जनगणना में भाषा, निवास परिवर्तन और बच्चों से जुड़े सवालों के जवाब भी दर्ज किए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि यह जानकारी देश की सामाजिक और जनसंख्या संबंधी स्थिति को समझने में उपयोगी होगी। प्रयागराज में भी दूसरे चरण की तैयारियां की जा रही हैं। 16 नवंबर से स्वगणना शुरू होने के बाद एक दिसंबर से प्रगणक घर-घर जाकर निर्धारित प्रश्नों के आधार पर जानकारी जुटाएंगे।

पैदाइश पर टिप्पणी से गरमाई सियासत ओपी राजभर ने सपा नेता को घेरा

एजेंसी, लखनऊ

कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने अपनी पैदाइश को लेकर सपा नेता ओम प्रकाश सिंह की टिप्पणी पर तीखा पलटवार किया है। राजभर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सपा नेता को जवाब देते हुए कहा कि पिछले दो दिनों से उनका बयान सामने आ रहा है। इसे सुनकर उन्हें हैरानी नहीं हुई, बल्कि ओम प्रकाश सिंह पर तरस आया।

राजभर ने कहा कि उनकी पैदाइश पर टिप्पणी इसलिए की जा रही है, क्योंकि वह किसी जमींदार या ऊंची जाति में नहीं, बल्कि बेहद गरीब और असहाय राजभर समाज में पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने समाज में जन्म लेने का कभी दुख नहीं रहा। इसके विपरीत उन्हें इस बात पर गर्व है कि वह जिस समाज में पैदा हुए, उसके लिए कुछ करने की नीयत और हौसला रखते हैं। उन्होंने कहा कि समाज की परिस्थितियों और पिछड़ेपन को बदलने के लिए लगातार काम करना जरूरी है।

राजभर ने अपनी सामाजिक पृष्ठभूमि को अपनी कमजोरी मानने के बजाय इसे अपनी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार और समाज में जन्म लेना किसी व्यक्ति की योग्यता या क्षमता तय नहीं करता। राजभर ने सपा पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसके नेताओं की ओर से ईश्वर और सनातन को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की जाती रही हैं।

7000 करोड़ के गुरुग्राम मेट्रो प्रोजेक्ट पर ब्रेक, एमडी के तबादले से अटका टेंडर

अगले सप्ताह जारी होना था टेंडर, अब नए एमडी के कार्यभार संभालने के बाद आगे बढ़ेगी प्रक्रिया

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम मेट्रो के दूसरे फेज की रफ्तार को प्रबंध निदेशक के तबादले से झटका लगा है। करीब 7000 करोड़ रुपये की इस महत्वपूर्ण परियोजना के तहत सेक्टर-9 से साइबर हब तक प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर के टेंडर की प्रक्रिया फिलहाल अटक गई है। अगले सप्ताह टेंडर जारी करने की तैयारी थी, लेकिन अब नए प्रबंध निदेशक के कार्यभार संभालने के बाद ही प्रक्रिया आगे बढ़ने की संभावना है।

गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) के प्रबंध निदेशक डॉ. चंद्रशेखर खरे का पिछले सप्ताह तबादला कर दिया गया। उनकी जगह मुकुल कुमार को जीएमआरएल के प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी दी गई है। नए एमडी के सामने सबसे पहले परियोजना की मौजूदा स्थिति, तैयारियों और टेंडर प्रक्रिया को समझने की चुनौती होगी। अधिकारियों के स्तर पर पूरी प्रक्रिया की जानकारी लेने और आवश्यक निर्णयों के बाद ही टेंडर आगे बढ़ सकेगा। गुरुग्राम मेट्रो के दूसरे चरण में सेक्टर-9 से साइबर हब तक मेट्रो कॉरिडोर विकसित किया जाना है। यह कॉरिडोर शहर के महत्वपूर्ण हिस्सों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा।

गुरुग्राम में लगातार बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन के विस्तार की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। मेट्रो विस्तार को इस समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रस्तावित कॉरिडोर के माध्यम से शहर के व्यस्त इलाकों में आवागमन आसान होने की उम्मीद है। रोजाना बड़ी संख्या में लोग निजी वाहनों से आवागमन करते हैं, जिससे प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव बना रहता है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से यात्रियों को सार्वजनिक परिवहन का बेहतर विकल्प मिलने की उम्मीद है।

टेंडर प्रक्रिया में होने वाली देरी का असर परियोजना की आगे की समयसीमा पर भी पड़ सकता है। अगले सप्ताह टेंडर जारी होने की तैयारी के बीच एमडी का तबादला होने से अब नई व्यवस्था के तहत प्रक्रिया को आगे बढ़ाना होगा। नए एमडी के कार्यभार संभालने के बाद परियोजना से जुड़े दस्तावेज, तकनीकी पहलुओं और टेंडर की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

डबुआ मंडी में फल-सब्जियों के भाव में उतार-चढ़ाव, मानसून ने बढ़ाई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद की डबुआ मंडी में मानसून के चलते फल और सब्जियों के दाम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वर्षा के कारण एक बार फिर कई सब्जियों और फलों के भाव में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे आम लोगों की रसोई का बजट प्रभावित होने लगा है। मंडी में कुछ फलों और सब्जियों के दाम में मामूली कमी भी आई है, जबकि कई के भाव में अच्छी-खासी तेजी देखी गई।

व्यापारियों के अनुसार मंडी में किसी फल या सब्जी की आवक अधिक होने पर उसके दाम कम हो जाते हैं। वहीं स्टॉक कम होने या आवक घटने पर कीमतें बढ़ जाती हैं। इस समय मानसून का असर भी बाजार पर पड़ रहा है। बारिश के कारण फसल और आपूर्ति प्रभावित होने से कुछ सब्जियों के दाम बढ़े हैं। मंडी कारोबारियों का कहना है कि मौसम में बदलाव के साथ आने वाले दिनों में फलों और सब्जियों के भाव में और उतार-चढ़ाव हो सकता है। लगातार बारिश होने की स्थिति में कई सब्जियों की आवक प्रभावित होने की संभावना है, जिसका सीधा असर कीमतों पर पड़ सकता है।

डबुआ मंडी में रोजाना बड़ी संख्या में खरीदार फल और सब्जियां लेने पहुंचते हैं। कीमतों में बदलाव के कारण ग्राहकों को खरीदारी के दौरान पहले की तुलना में अधिक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, जिन सब्जियों की आवक सामान्य बनी हुई है, उनके भाव में ज्यादा तेजी नहीं है। मंडी में दालों और अन्य खाद्य वस्तुओं के भाव भी ग्राहकों की नजर में हैं। आने वाले दिनों में मौसम और मंडी में आवक की स्थिति यह तय करेगी कि कीमतों में राहत मिलती है या महंगाई का दबाव और बढ़ता है।

पंचकूला में कार-ट्रक की भीषण टक्कर, महिला समेत तीन की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। रायपुररानी थाना क्षेत्र के टाबर गांव के पास रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा आधी रात के आसपास हुआ। पांच लोग स्विफ्ट कार में सवार होकर पंचकूला की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान टाबर गांव के पास कार को सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही रायपुररानी थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी पांच घायलों को उपचार के लिए पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद दो पुरुषों और एक महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हादसे में घायल दो अन्य लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कार और ट्रक की टक्कर किन परिस्थितियों में हुई। देर रात हुए इस हादसे के कारणों में तेज रफ्तार या चालक की लापरवाही समेत अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। हादसे के बाद पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था सामान्य करवाई। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखा गया है। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में मातम छा गया, जबकि घायल लोगों के परिजन अस्पताल में मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़ में कार से पांच पेटी अवैध शराब बरामद, आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल

थाना सदर कनीना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांव कोका में एक व्यक्ति को पांच पेटी देसी और अंग्रेजी शराब समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से शराब बरामद करने के साथ ही वारदात में इस्तेमाल की जा रही सफेद रंग की आल्टो कार को भी जब्त किया है। आरोपी की पहचान गांव कोका निवासी प्रदीप के रूप में हुई है।

डीएसपी डॉ. कविता ने सोमवार को बताया कि पुलिस टीम को गांव कोका में अवैध शराब रखे जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची। वहां एक सफेद रंग की आल्टो कार खड़ी दिखाई दी। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें शराब की पेटियां बरामद हुईं।

पुलिस के अनुसार कार से कुल पांच पेटी शराब मिली। इनमें एक पेटी में देसी शराब के 48 पव्वे, तीन पेटियों में देसी शराब की 36 बोतलें और एक पेटी में अंग्रेजी शराब की 12 बोतलें बरामद हुईं। पुलिस ने शराब को कब्जे में लेकर नियमानुसार सैंपल भी लिए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नकली दूध पर रोक और उचित दाम की मांग, सिरसा में किसान-पशुपालक लामबंद

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा

दूध के नए रेट को लेकर सिरसा में किसान और पशुपालक लामबंद होने लगे हैं। किसानों और पशुपालकों ने मांग की है कि दूध की कीमत उसकी फैट के आधार पर तय की जाए, ताकि अच्छी गुणवत्ता वाले असली दूध का उचित मूल्य मिल सके। उनका कहना है कि मौजूदा व्यवस्था में पशुपालकों को दूध उत्पादन की लागत के अनुरूप दाम नहीं मिल पा रहे हैं। इससे पशुपालन का काम लगातार मुश्किल होता जा रहा है।

इसी मुद्दे को लेकर मंगाला गांव में किसान और पशुपालकों की बैठक हुई। बैठक में दूध के रेट को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों ने कहा कि पशुपालक अपने पशुओं के पालन-पोषण, चारे और अन्य खर्च पर बड़ी राशि खर्च करते हैं। इसके बावजूद दूध का

उचित मूल्य नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

किसानों ने सरकार से मांग की कि दूध के रेट तय करने के लिए फैट को मुख्य आधार बनाया जाए। इससे दूध की गुणवत्ता के अनुसार पशुपालकों को उचित भुगतान मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि अच्छी गुणवत्ता वाले दूध के लिए अधिक कीमत निर्धारित होनी चाहिए, ताकि पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सके। किसान-पशुपालकों ने नकली दूध और मिलावटी दुग्ध उत्पादों पर भी सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। उनका कहना है कि बाजार में मिलावट के कारण असली दूध बेचने वाले पशुपालकों को नुकसान उठाना पड़ता है।

सरकार को नकली दूध और मिलावटी उत्पादों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगानी चाहिए। इसके लिए नियमित जांच अभियान चलाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। किसानों ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर गांव स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू किया गया है।

रोहतक में आधी रात गाड़ी हटाने को लेकर विवाद, रिटायर्ड आईएएस को पीटा

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। हरियाणा के रोहतक की डीएलएफ कॉलोनी में आधी रात गाड़ी खड़ी करने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि पूर्व सांसद शादीलाल बत्रा के जीजा और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी डॉ. देशराज धींगड़ा के साथ मारपीट की गई। धींगड़ा के अनुसार, उन्होंने गली में खड़ी गाड़ी को हटाने के लिए कहा था। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। रिटायर्ड आईएएस का आरोप है कि गाड़ी हटाने को कहने पर एसआई के बेटे ने उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि युवक ने उन्हें धक्का दिया और गालियां भी दीं। घटना के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। डीएलएफ कॉलोनी में हुई इस घटना के बाद आसपास के लोगों में भी चर्चा शुरू हो गई। पीड़ित पक्ष ने मामले में कार्रवाई की मांग की है।

क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर ठगने का आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर क्राइम थाना फतेहाबाद पुलिस ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर 4 लाख 31 हजार 569 रुपये की ऑनलाइन ठगी के मामले में एक आरोपी को पश्चिमी दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान तिलक नगर, पश्चिमी दिल्ली निवासी दक्ष वैद के रूप में हुई है।

साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने सोमवार को बताया कि कृष्णा कॉलोनी, टोहाना निवासी मनदीप मलिक ने इस संबंध में पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार, 27 जनवरी को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को एक्सिस बैंक की क्रेडिट कार्ड शाखा का कर्मचारी बताया और कार्ड की लिमिट बढ़ाकर आठ लाख रुपये करने का झांसा दिया।

आरोपी ने प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर शिकायतकर्ता के व्हाट्सएप पर एक फर्जी एप्लीकेशन का लिंक भेजा। शिकायतकर्ता ने जैसे ही एप्लीकेशन में ओटीपी दर्ज किया, उसके क्रेडिट कार्ड से तीन अलग-अलग किस्तों में 71,569 रुपये, 1.80 लाख रुपये और 1.80 लाख रुपये कट गए। इस तरह कुल 4,31,569 रुपये की राशि खाते से निकल गई।

करनाल में स्वाइन फ्लू का बढ़ता प्रकोप, सात दिन में 33 प्रतिशत बढ़े मरीज, कुल संख्या 36 पहुंची

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

बदलते मौसम के बीच करनाल जिले में स्वाइन फ्लू के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पिछले सात दिनों में जिले में स्वाइन फ्लू के नौ नए मरीज सामने आए हैं। इसके साथ ही जिले में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार छह सितंबर तक स्वाइन फ्लू के 27 मामले थे, जो 13 सितंबर तक बढ़कर 36 पहुंच गए।

इस तरह महज एक सप्ताह में मरीजों की संख्या में करीब 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है। राहत की बात यह है कि अब तक किसी भी मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी है। हालांकि, बदलते मौसम के कारण संक्रमण फैलने की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य संस्थानों को सतर्क कर दिया गया है। अस्पतालों में आने वाले मरीजों की जांच और उपचार प्रक्रिया पर विशेष ध्यान

दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार पिछले 10 दिनों में स्वाइन फ्लू के छह मामले सामने आए हैं, जबकि पिछले एक महीने में 15 मरीजों की पुष्टि हुई है।

लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड तैयार किए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को अलग रखकर उपचार दिया जा सके। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को बदलते मौसम में सावधानी बरतने की सलाह दी है। बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द या सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेने को कहा गया है। विभाग ने लोगों से भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सावधानी बरतने और स्वच्छता का ध्यान रखने की अपील की है। बदलते मौसम के बीच स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

विशेषज्ञों के अनुसार स्वाइन फ्लू के लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न बरतें और समय पर जांच करवाएं। विभाग की टीमें स्थिति पर लगातार निगरानी रख रही हैं। अस्पतालों में आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, ताकि मरीजों की संख्या बढ़ने पर उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। लोगों को भीड़भाड़ से बचने और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाने की सलाह दी गई है।

गुरुग्राम में कारगिल हीरो पर जानलेवा हमला, पार्किंग विवाद में रॉड से वार

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम में कारगिल युद्ध के योद्धा रहे रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन अमित कुमार गुप्ता पर कथित जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मैग्नम ग्लोबल पार्क में पार्किंग को लेकर हुए विवाद के दौरान पार्किंग अटेंडेंट ने उन पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में गुप्ता के सिर पर गंभीर चोट आई, जबकि उनकी कोहनी में फ्रैक्चर हो गया। उन्होंने सेक्टर-65 थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

गुप्ता के अनुसार, वह परिवार के साथ मैग्नम ग्लोबल पार्क स्थित गोंजो रेस्टोरेंट में डिनर करने गए थे। वहां कार पार्क करने के लिए उन्हें मल्टी लेवल पार्किंग में कई बार चक्कर लगाने पड़े। आरोप है कि काफी देर तक चक्कर कटवाने के बाद पार्किंग अटेंडेंट ने उनकी गाड़ी पार्क करने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। गुप्ता का आरोप है कि विवाद बढ़ने पर

पार्किंग अटेंडेंट ने उन पर लोहे की रॉड से हमला किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। हमले में उनके सिर पर चोट लगी और कोहनी फ्रैक्चर हो गई।

रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन ने पुलिस पर भी उचित मदद नहीं करने का आरोप लगाया है। साथ ही उनका कहना है कि अस्पताल में तैयार की गई एमएलसी रिपोर्ट भी सही नहीं है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अमित कुमार गुप्ता भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन रहे हैं और वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान चलाए गए 'ऑपरेशन सफेद सागर' में शामिल रहे थे। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

कार की टक्कर से सड़क पर गिरी लेडी बाइकर, 50 मीटर घिसटी बाइक

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम के पॉश इलाके गोल्फ कोर्स रोड पर वीकेंड राइड के दौरान एक लेडी बाइकर को कार सवार युवकों ने कथित तौर पर साइड से टक्कर मार दी। हादसे में युवती सड़क पर गिर गई और उसकी स्पोर्ट्स बाइक करीब 50 मीटर तक घिसटती चली गई। इस दौरान बाइक से चिंगारियां निकलती रहीं। पूरी घटना बाइक में लगे एक्शन कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। बाइकर सिया के मुताबिक, कार सवार युवकों ने पहले इशारे कर उन्हें रुकने के लिए कहा था। उनके नहीं रुकने पर युवकों ने कार को तेज गति से आगे निकालकर उनकी बाइक को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह बाइक समेत सड़क पर गिर गईं। हादसे के बाद उनके साथ राइड कर रहे अन्य बाइकर्स ने कार का पीछा किया, लेकिन आरोपी ट्रैफिक लाइट के पास उन्हें चकमा देकर फरार हो गए। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। यूट्यूबर अमित किल्होर ने दावा किया कि बाइक को टक्कर मारने वाला युवक पलवल निवासी कल्याण बैंसला है और वह इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। दैनिक भास्कर ने कल्याण से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनका फोन स्विच ऑफ मिला। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान अभी की जा रही है। वीडियो फुटेज के आधार पर मामले में कार्रवाई और केस दर्ज किया जाएगा। पुलिस घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

पंचकूला में खैर तस्करों की दबंगई, वन दरोगा से मारपीट कर छीना मोबाइल

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। पंचकूला में अवैध खैर लकड़ी की तस्करी कर रहे आरोपियों ने ड्यूटी पर तैनात वन दरोगा से मारपीट कर मोबाइल छीन लिया। आरोप है कि तस्करों ने अपनी गाड़ी से पिस्टल निकालकर वन अधिकारी को गोली मारने की धमकी भी दी। इसके बाद आरोपी खैर की लकड़ी से भरी पिकअप गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम सक्रिय हुई। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। मामले में जांच जारी है।

रास्ता रोककर पिता-पुत्र और भतीजे से मारपीट, तीनों गंभीर घायल

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत जिले के खानपुर कलां में रात करीब एक बजे बाइक सवार पिता-पुत्र और उनके भतीजे को रास्ता रोककर पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पांच लोगों ने तीनों को घेर लिया और लोहे की पाइप से हमला कर दिया। मारपीट में तीनों के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। घायल पहले गोहाना के अस्पताल पहुंचे, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें खानपुर कलां पीजीआई रेफर किया गया। पुलिस ने शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्रीन फील्ड कॉलोनी में विभाग की कार्रवाई, 35 मकानों पर बहाली का आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद की ग्रीन फील्ड कॉलोनी में रिहायशी मकानों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ जिला नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग (डीटीसीपी) ने कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने मॉल रोड पर पहुंचकर 35 मकानों में चल रहे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर बहाली आदेश चिपकाए। नोटिस के जरिए संचालकों को सात दिन के भीतर व्यावसायिक गतिविधियां बंद करने का निर्देश दिया गया है। डीटीसीपी के जेई रहमान के अनुसार, आवासीय क्षेत्र में नियमों के विपरीत चल रहे कारोबार को लेकर यह कार्रवाई की गई है। विभाग ने आगे भी निरीक्षण जारी रखने की बात कही है।

हिसार में पूर्व सरपंच की संदिग्ध मौत, बेटे पर हत्या का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हिसार के चंदन नगर में खारिया गांव के पूर्व सरपंच की घर में हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि उनके बेटे ने ही उनके सिर पर लोहे की रॉड से वार कर दिया। घटना के बाद परिजनों को उनकी मौत की सूचना दी गई और शव को पैतृक गांव खारिया ले जाया गया। वहां परिवार के लोग अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान शव के सिर पर चोट के निशान दिखाई दिए। परिजनों को मौत संदिग्ध लगी, जिसके बाद अंतिम संस्कार रुकवाकर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी। मामले में हत्या के कारणों और आरोपी बेटे की भूमिका की जांच की जा रही है।

11 साल पुराने सोम कुमार हत्याकांड में दोषी को उम्रकैद, 52,500 रुपए जुर्माना भी लगाया

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

11 साल पुराने जमीनी विवाद में बिजली कर्मचारी सोम कुमार की हत्या के मामले में पंचकूला जिला अदालत ने दोषी गुरनाम सिंह निवासी गांव डिब्बी माजरा को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर विभिन्न धाराओं के तहत कुल 52,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामले की सुनवाई के दौरान सेशन जज विक्रमजीत अरोड़ा ने पीड़ित परिवार को होने वाले नुकसान और मुआवजे को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की।

अदालत ने कहा कि सोम कुमार की हत्या से उसके परिवार को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई किसी भी रकम से नहीं की जा सकती। परिवार ने अपने सदस्य को खोया है, जिसकी आर्थिक कीमत निर्धारित नहीं की जा सकती। कोर्ट ने यह भी कहा कि हत्या के कारण परिवार को भावनात्मक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा आघात पहुंचा है। मामले में घायल कांता देवी को हुए शारीरिक और मानसिक

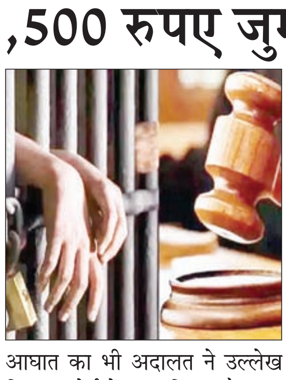

आघात का भी अदालत ने उल्लेख किया। कोर्ट ने माना कि उनके साथ हुई घटना के कारण हुए दर्द और परेशानी की पूरी भरपाई भी किसी आर्थिक मुआवजे से संभव नहीं है।

इसके बावजूद कानून के तहत पीड़ितों और उनके परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है। अदालत ने कहा कि दोषी पर लगाया गया 52,500 रुपये का जुर्माना पीड़ित परिवार के उचित पुनर्वास के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए संबंधित प्राधिकरण को पीड़ित परिवार के लिए अतिरिक्त मुआवजे पर विचार करने की सिफारिश की गई है। कोर्ट का मानना है कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता मिलने से उन्हें भविष्य में कुछ राहत मिल सकती है। यह मामला करीब 11 साल पहले जमीनी विवाद से जुड़ा था। विवाद के दौरान बिजली कर्मचारी सोम कुमार की हत्या कर दी गई थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने गुरनाम सिंह के खिलाफ कार्रवाई की थी।

लंबे समय तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद अब अदालत ने दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत के फैसले के बाद पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। कोर्ट की मुआवजे संबंधी टिप्पणी ने यह भी स्पष्ट किया कि आपराधिक मामले में सजा के साथ पीड़ितों के पुनर्वास और आर्थिक सहायता पर भी ध्यान देना आवश्यक है। अदालत ने कहा कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने से उन्हें भविष्य में कुछ राहत मिल सकती है। कोर्ट की इस टिप्पणी को अब संबंधित प्राधिकरण से परिवार के लिए अतिरिक्त मुआवजे पर विचार करने की सिफारिश की गई है।

आउटर बाईपास का 55 प्रतिशत काम पूरा, 30 नवंबर तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

करनाल में 103 करोड़ की नौ विकास परियोजनाओं ने पकड़ी रफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

शहर को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए नगर निगम ने बड़े प्रोजेक्टों की निगरानी तेज कर दी है। नगर निगम की ओर से करीब 103 करोड़ 92 लाख रुपये की अनुमानित लागत वाली नौ महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन परियोजनाओं के तहत सड़क, जल निकासी और अन्य शहरी सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

निगमायुक्त सलोनी शर्मा ने कैंप कार्यालय में निगम के कार्यकारी अभियंताओं और सहायक अभियंता के साथ बैठक कर सभी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति, निर्माण कार्य की गति, गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और निर्धारित समय-सीमा की जानकारी ली। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं को तय समय के भीतर पूरा करने के साथ-साथ निर्माण गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक में मेरठ रोड से शहीद उधम सिंह चौक तक बन रहे आउटर बाईपास रोड की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस परियोजना का करीब 55 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

इस सड़क के निर्माण पर लगभग 792.31 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में तेजी लाकर इसे 30 नवंबर तक हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने सड़क की मजबूती, सामग्री की गुणवत्ता और निर्माण से जुड़े तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि कार्यस्थल पर नियमित निगरानी रखी जाए, ताकि निर्माण में किसी प्रकार की कमी न रह जाए। नगर निगम की ओर से शहर की अन्य प्रमुख सड़कों, जल

◆ आउटर बाईपास समेत विकास कार्यों में तेजी

निकासी व्यवस्था और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े प्रोजेक्टों पर भी काम किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से शहरवासियों को बेहतर सड़क सुविधा, सुचारु जल निकासी और अधिक व्यवस्थित शहरी वातावरण मिलने की उम्मीद है।

निगमायुक्त ने कहा कि विकास परियोजनाओं का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य पूरा करना नहीं, बल्कि शहरवासियों को लंबे समय तक बेहतर और टिकाऊ सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय बनाकर काम करने और प्रगति की नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सभी परियोजनाओं की निगरानी लगातार जारी रहेगी, ताकि निर्धारित बजट और समय-सीमा के भीतर कार्य पूरे किए जा सकें। निगमायुक्त ने अधिकारियों को गुणवत्ता बनाए रखते हुए सभी परियोजनाएं निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली में महीनेभर चलेगा सेवा संकल्प अभियान

अभियान के दौरान रक्तदान, स्वास्थ्य जांच और यमुना सफाई समेत कई सेवा कार्य होंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से दिल्ली में एक माह तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत होगी। दिल्ली भाजपा और दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित इस अभियान के तहत सेवा कार्यों के साथ विकास से जुड़ी करीब 13 हजार परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। अभियान के दौरान राजधानी में विभिन्न सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अभियान के तहत एक दिन में 2500 यूनिट रक्त जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 25 हजार वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच कराई जाएगी। स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से बुजुर्गों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और जांच की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर भी लगाए जाएंगे, जिसमें बड़ी संख्या में लोग भाग लेंगे। सेवा संकल्प अभियान के दौरान यमुना सफाई सहित स्वच्छता से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में सेवा गतिविधियों के माध्यम से लोगों को अभियान से जोड़ने की तैयारी की गई है। सरकार और भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से जनभागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर राजधानी के घरों में 'आशीर्वाद दीप' जलाने की भी योजना है। इसके जरिए लोगों से प्रधानमंत्री के प्रति शुभकामनाएं और आशीर्वाद व्यक्त करने की अपील की जाएगी।

अभियान के दौरान सेवा और सामाजिक कार्यों के साथ विभिन्न विकास योजनाओं को भी गति देने का प्रयास होगा। करीब एक माह तक चलने वाले इस अभियान में दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 13 हजार परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास को अभियान का प्रमुख हिस्सा बनाया गया है।

सेवा संकल्प अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने पर रहेगा विशेष जोर

अभियान के दौरान दिल्ली के विभिन्न इलाकों में जनसेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक कल्याण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। लोगों को इन गतिविधियों में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। सरकार की ओर से संबंधित विभागों को कार्यक्रमों के सफल आयोजन की जिम्मेदारी दी जा रही है। भाजपा कार्यकर्ता भी अलग-अलग क्षेत्रों में सेवा गतिविधियों में शामिल होंगे। अधिकारियों के अनुसार, अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से सेवा कार्यों को बढ़ावा देना और विकास योजनाओं को गति देना है। एक माह तक चलने वाले अभियान में अलग-अलग दिनों के लिए कार्यक्रम तय किए जाएंगे। अभियान के दौरान लोगों की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

जमीन बेचने के नाम पर 4 .60 करोड़ की ठगी

फर्जी तरीके से जीपीए धारक बनकर एक ही प्लाट के कई खरीदारों से ली रकम

एजेंसी, नई दिल्ली

देहरादून में जमीन बेचने के नाम पर 4.60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने कुंवर जावेद राव को हरिद्वार के लक्सर से गिरफ्तार किया है। आरोपित हरिद्वार का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, उसने खुद को जमीन मालिक हरजिंदर पाल सिंह बंगा का अधिकृत जनरल पावर आफ अटार्नी (जीपीए) धारक बताकर कई खरीदारों को झांसे में लिया।

आरोप है कि जावेद ने अपने कानूनी अधिकारों से बाहर जाकर एक ही जमीन के प्लाट के कई लोगों से एग्रीमेंट टू सेल और सेल डीड के नाम पर सौदे किए। इसके जरिये उसने अलग-अलग खरीदारों से करोड़ों रुपये की रकम वसूली। शिकायतकर्ता से उसने बैंकिंग चैनल के माध्यम से करीब 4.60 करोड़ रुपये लिए। इस धोखाधड़ी के कारण जमीन मालिक, शिकायतकर्ता और अन्य खरीदारों को आर्थिक नुकसान होने की बात सामने आई है। अपराध शाखा ने जांच के बाद आरोपित को गिरफ्तार किया। टीम अब उससे पूछताछ कर जमीन के सौदों और उससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जानकारी जुटा रही है। पुलिस मामले में दस्तावेजों और लेनदेन की भी जांच कर रही है।

जांच के दौरान पुलिस ने जमीन से जुड़े दस्तावेजों, बैंक खातों और आरोपित के संपर्क में रहे लोगों की जानकारी जुटाई है। टीम यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित ने कितने लोगों से रकम ली और जमीन के कितने सौदे किए। पूछताछ में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर मामले में अन्य आरोपितों की भूमिका भी जांची जाएगी।

जावेद के जमीन सौदों का पूरा ब्योरा खंगाल रही आर्थिक अपराध शाखा

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपित से जमीन के सौदों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की उम्मीद है। आर्थिक अपराध शाखा की टीम यह पता लगाने में जुटी है कि जावेद राव ने जमीन के कितने प्लाटों के लिए अलग-अलग लोगों से एग्रीमेंट टू सेल और सेल डीड करवाई थी। इसके अलावा यह भी जांच की जा रही है कि इन सौदों के लिए तैयार किए गए दस्तावेजों में किस तरह की अनियमितताएं की गईं। जांच टीम बैंकिंग लेनदेन की भी पड़ताल कर रही है। शिकायतकर्ता से प्राप्त करीब 4.60 करोड़ रुपये के अलावा अन्य खरीदारों से ली गई रकम का ब्योरा जुटाया जा रहा है। पुलिस बैंक खातों में हुए लेनदेन, रकम के हस्तांतरण और संबंधित खातों के बीच हुए वित्तीय लेनदेन की जानकारी खंगाल रही है। इससे धोखाधड़ी में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपित ने जमीन मालिक की ओर से अधिकृत होने का दावा कर खरीदारों के साथ सौदे किए। अब पुलिस यह सत्यापित कर रही है कि उसे वास्तव में कितने अधिकार प्राप्त थे और उसने किन परिस्थितियों में अपनी कानूनी सीमा से बाहर जाकर जमीन के सौदे किए। जमीन मालिक और अन्य खरीदारों से भी आवश्यक दस्तावेज और बयान लिए जा सकते हैं। आर्थिक अपराध शाखा यह भी जांच कर रही है कि मामले में कोई बिचौलिया, दस्तावेज तैयार करने वाला व्यक्ति या अन्य सहयोगी शामिल था या नहीं। पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीएलएफ फेज-2 में जलभराव से राहत की उम्मीद, हाईवे के नीचे बिछेगी पाइपलाइन

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **आकाशनीम मार्ग और गेट नंबर पांच पर जलभराव से राहत के लिए काम शुरू**

गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-दो में पिछले करीब 20 वर्षों से जलभराव की समस्या झेल रहे लोगों को अब राहत मिलने की उम्मीद जगी है। गुलमोहर मार्ग, आकाशनीम मार्ग और गेट नंबर पांच के आसपास जलनिकासी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए काम शुरू हो गया है। लंबे समय से बारिश के दौरान इन क्षेत्रों में पानी जमा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए जलनिकासी की नई व्यवस्था विकसित की जा रही है। इसके तहत ट्रेंचलेस तकनीक का इस्तेमाल करते हुए पाइपलाइन बिछाई जाएगी। खास बात यह है कि हाईवे के नीचे पाइपलाइन डालने के लिए सड़क को बड़े स्तर पर खोदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे यातायात प्रभावित होने की संभावना भी कम रहेगी। योजना के तहत गुलमोहर मार्ग और आकाशनीम मार्ग से बारिश के पानी की निकासी को बेहतर बनाया जाएगा। इसके साथ ही गेट नंबर पांच के आसपास जमा होने वाले पानी को भी उचित जलनिकासी व्यवस्था से बाहर निकालने की तैयारी है।

अधिकारियों का मानना है कि नई पाइपलाइन बिछने के बाद बारिश के दौरान पानी की निकासी पहले की तुलना में अधिक तेजी से हो सकेगी। स्थानीय लोगों के लिए यह काम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि करीब दो दशक से जलभराव उनके लिए बड़ी समस्या बना हुआ है। बारिश के दिनों में सड़क और आसपास के हिस्सों में पानी जमा होने से आवागमन प्रभावित होता है। इसके अलावा घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के आसपास भी जलभराव की स्थिति पैदा होती रही है। परियोजना के तहत काम पूरा होने के बाद क्षेत्र में जलनिकासी व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है।

नंदग्राम में आशु हत्याकांड का राजफाश अपने ही दादा-चाचा ने की थी हत्या

एजेंसी, नई दिल्ली। नंदग्राम के नूर नगर में माता मंदिर के पास हुए आशु उर्फ अश्वनी हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में आशु के दादा और चाचा को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आशु की शराब पीने और चोरी करने की आदत से परेशान थे।

◆ **नंदग्राम में आशु हत्याकांड का पर्दाफाश, दादा-चाचा ने मिलकर रची थी हत्या की साजिश**

इसी वजह से उन्होंने उसकी हत्या की साजिश रची। पुलिस के अनुसार, कुछ दिन पहले आशु ने अपने दादा का मोबाइल चोरी कर उसे बेच दिया था। इस घटना के बाद परिवार में नाराजगी और बढ़ गई थी।

लगातार शराब पीने और चोरी की घटनाओं से परेशान होकर दादा और चाचा ने आशु को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। इसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया। हत्या के बाद आरोपितों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उन्होंने घटना में तीन बदमाशों के शामिल होने की कहानी पुलिस को सुनाई, ताकि जांच की दिशा दूसरी ओर मोड़ी जा सके। हालांकि पुलिस ने घटनाक्रम और बयानों की पड़ताल शुरू की तो कहानी में विरोधाभास सामने आने लगे। पुलिस ने मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ की और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इसके बाद दादा और चाचा की भूमिका संदिग्ध पाई गई। सख्ती से पूछताछ करने पर पुलिस के अनुसार दोनों ने हत्या की साजिश में अपनी भूमिका स्वीकार की। पुलिस अब हत्या में इस्तेमाल वस्तुओं और अन्य साक्ष्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

आया नगर में जिम ट्रेनर की हत्या, गैंगवार में 20 से ज्यादा गोलियां चलने से सनसनी

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी में गैंगवार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार सुबह दक्षिणी दिल्ली के आया नगर में एक जिम ट्रेनर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके से 18 खोखे और एक कारतूस बरामद किया है। मृतक की पहचान विजय कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, फतेहपुरबेरी थाना क्षेत्र के आया नगर स्थित हंस चौक के पास परफेक्ट जिम के बाहर सुबह करीब 10:30 बजे विजय कुमार की हत्या की गई। बताया जा रहा है कि विजय, जेल में बंद योगेश का बड़ा भाई था। योगेश को पिछले साल हुई एक हत्या के मामले में आरोपित बनाया गया था। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और घटना के पीछे पुरानी गैंगवार की कड़ी को भी खंगाला जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दक्षिणी

◆ **आया नगर में वारदात के बाद घटनास्थल पर पहुंची दक्षिणी दिल्ली पुलिस टीम**

◆ **जिम ट्रेनर हत्याकांड के बाद पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए**

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस के मुताबिक, इस गैंगवार की शुरुआत पिछले वर्ष नवंबर में हुई थी। उस दौरान सीडीआर चौक पर अरुण की हत्या कर दी गई थी।

आरोप है कि हमलावरों ने उस पर दो दर्जन से अधिक गोलियां चलाई थीं। इस मामले में पुलिस ने दीपक, योगेश और अन्य आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके बाद बदले की कार्रवाई में अरुण के फरीदाबाद निवासी मामा ने 30 नवंबर 2025 की सुबह आया नगर में दीपक के पिता रतनलाल की हत्या कर दी थी। इस घटना में करीब 70 गोलियां चलाए जाने की बात सामने आई थी। अब विजय कुमार की हत्या ने पुरानी गैंगवार को फिर चर्चा में ला दिया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या में कौन लोग शामिल थे और वारदात के पीछे वास्तविक कारण क्या था।

12 करोड़ की मरम्मत के बाद शास्त्री पुल फिर क्षतिग्रस्त

पिलर नंबर 22 के एक्सपेंशन ज्वाइंटर में दरार के साथ चार पिलर के बेलन खिसके

एजेंसी, नई दिल्ली

गंगा पर बने शास्त्री पुल की मजबूती पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। करीब दो माह पहले 12 करोड़ रुपये की लागत से मरम्मतीकरण पूरा होने के बाद पुल में फिर खामी सामने आई है। दारागंज से झूंसी की ओर जाने वाली लेन में पिलर नंबर 22 के एक्सपेंशन ज्वाइंटर में दरार आ गई है। इसके अलावा पिलर नंबर 45, 35, 15 और आठ के बेलन भी खिसक गए हैं।

बेलन खिसकने से पुल पर पांच स्थानों पर सड़क दब गई है। खामी सामने आने के बाद लोक निर्माण विभाग ने सोमवार से मरम्मतीकरण का काम शुरू करा दिया। विभाग की टीम प्रभावित हिस्सों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य में जुटी है। शास्त्री पुल प्रयागराज को पूर्वांचल के कई जिलों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। पुल पर प्रतिदिन करीब 50 से 60 हजार छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है।

शास्त्री पुल की मरम्मत के बाद दोबारा खामी सामने आने से उठे सवाल।

इनमें बड़ी संख्या ओवरलोड वाहनों की भी रहती है। खासकर डंपरों की आवाजाही अधिक होने से पुल पर लगातार भारी दबाव बना रहता है। मरम्मत के महज दो माह बाद दोबारा खामी सामने आने से पुल की गुणवत्ता और मरम्मतीकरण कार्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही को देखते हुए इसकी नियमित निगरानी जरूरी है। लोक निर्माण विभाग की ओर से प्रभावित हिस्सों में मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। विभाग का प्रयास है कि पुल की स्थिति को जल्द ठीक कर यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुचारु रखा जा सके।

शास्त्री पुल की तकनीकी जांच शुरू

शास्त्री पुल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए लोक निर्माण विभाग की ओर से प्रभावित हिस्सों की तकनीकी जांच भी की जा रही है। विभाग की टीम यह पता लगाने में जुटी है कि एक्सपेंशन ज्वाइंटर में दरार और पिलरों के बेलन खिसकने की वजह क्या रही। साथ ही पुल पर वाहनों के दबाव और ओवरलोड वाहनों की लगातार आवाजाही को भी ध्यान में रखा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर जरूरी सुधार कार्य कराए जाएंगे। स्थानीय लोगों ने पुल की नियमित जांच और रखरखाव व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। उनका कहना है कि यह पुल प्रयागराज के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

सूरजपुर-कासना रोड पर सड़क चौड़ीकरण जाम से मिलेगी राहत

एजेंसी, नई दिल्ली। सूरजपुर-कासना रोड पर नटों की मढ़ैया गोलचक्कर से कासना टी-प्वाइंट तक लगने वाले जाम से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे व्यस्त मार्ग पर अतिरिक्त लेन का निर्माण शुरू करा दिया है। इसके बनने से यातायात का दबाव कम होगा और वाहनों की आवाजाही आसान होगी। इस मार्ग से रोजाना एक लाख से अधिक वाहन गुजरते हैं। इनमें आसपास के आवासीय सेक्टरों के वाहनों के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों के मालवाहक वाहन और रोडवेज बसें भी शामिल हैं। अधिक यातायात के कारण इस हिस्से पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। अतिरिक्त लेन बनने से सूरजपुर-कासना मार्ग पर वाहनों को अधिक जगह मिलेगी और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा।

दिल्ली में अवैध निर्माण पर एमसीडी की सख्ती, अब तक 213 ढांचों पर कार्रवाई

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना के बाद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अवैध और खतरनाक निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। सोमवार को निगम ने गांधी नगर, मयूर विहार समेत राजधानी के कई इलाकों में अवैध निर्माणों को गिराने की कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार, एक सितंबर से अब तक 213 अवैध निर्माणों में तोड़फोड़ की जा चुकी है, जबकि 109 संपत्तियों को सील किया गया है। पूर्वी दिल्ली के शाहदरा क्षेत्र में गांधी नगर थाना इलाके के धरमपुरा में गैरकानूनी तरीके से बनाई गई तीन मंजिला इमारत पर निगम की टीम ने कार्रवाई की।

इसके अलावा मयूर विहार फेज-2 में भी अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया गया। दक्षिणी जोन में सत्य निकेतन और आसपास के कुछ इलाकों में भी निगम की कार्रवाई जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि निगम की ओर से राजधानी के सभी 12 जोन में अवैध और खतरनाक निर्माणों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले निगम ने 12 जोन में 11 स्थानों पर अवैध निर्माण गिराए थे और चार संपत्तियों को सील किया था। इसके अगले दिन भी अभियान जारी रखा गया। एमसीडी अधिकारियों का कहना है कि बिना अनुमति किए गए निर्माण और ऐसे

भवन, जो लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना के बाद अभियान को और तेज किया गया है। निगम की टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में निरीक्षण कर संदिग्ध और अनधिकृत निर्माणों को चिन्हित कर रही हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान भवन मालिकों और संबंधित पक्षों को नियमानुसार नोटिस भी दिए जा रहे हैं। निगम की टीमें निर्माण की अनुमति, भवन की स्थिति और सुरक्षा मानकों की जांच कर रही हैं। जिन निर्माणों में नियमों का उल्लंघन पाया जा रहा है, वहां तोड़फोड़ या सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है। एमसीडी का कहना है कि अभियान का उद्देश्य अवैध निर्माण पर रोक लगाने के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने लोगों से बिना अनुमति निर्माण न करने की अपील की है।

22 गज के मकान के लिए भतीजे की हत्या, ताऊ-बेटे ने चाकू से किए पांच वार

एजेंसी, नई दिल्ली

सुंदर नगरी इलाके में महज 22 गज के मकान के विवाद में ताऊ और उसके बेटे ने मिलकर अपने भतीजे मोहम्मद अली (28) की हत्या कर दी। शनिवार रात घर के बाहर आरोपितों ने मोहम्मद अली पर चाकू से हमला किया। पेट, सीने और हाथ पर चाकू के पांच वार किए गए। पुलिस के अनुसार, पूरी वारदात करीब पांच मिनट में अंजाम दी गई।

मामले की सूचना मिलने के बाद नंद नगरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर वारदात के करीब दस घंटे के भीतर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों की पहचान नसीरुद्दीन (71) और उसके बेटे जावेद (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह मकान को लेकर चल रहा विवाद सामने आया है। बताया जा रहा है कि 22 गज के मकान

को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर शनिवार रात मोहम्मद अली और उसके ताऊ व चचेरे भाई के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद दोनों आरोपितों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।

हत्या के दस घंटे बाद ताऊ-बेटा गिरफ्तार

घटना के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल मोहम्मद अली को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और लोगों से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, आरोपितों को वारदात के करीब दस घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में मकान विवाद से जुड़े कई पहलुओं की जानकारी सामने आई है।

निगरानी | **तहखंड और नंद नगरी के एटीएस में हर साल करीब 72 हजार वाहनों की होगी फिटनेस जांच**

दिल्ली में प्रदूषण पर शिकंजा, पीयूसी केंद्रों पर लगेंगे हाईटेक कैमरे

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या के स्थायी समाधान के लिए दिल्ली सरकार ने 360-डिग्री रणनीति लागू की है। इसके तहत वाहनों से होने वाले उत्सर्जन और फिटनेस जांच व्यवस्था में मौजूद कमियों को दूर करने के साथ निगरानी को मजबूत किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य निजी और व्यावसायिक दोनों वाहनों की प्रदूषण जांच को आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है।

सरकारी समीक्षा में सामने आया कि कई निजी वाहन पेट्रोल पंपों के बाहर बने पुराने प्रदूषण जांच बूथों से प्रमाणपत्र प्राप्त कर रहे थे। इन केंद्रों पर निगरानी व्यवस्था कमजोर होने के कारण गलत या फर्जी प्रदूषण प्रमाणपत्र जारी होने की आशंका बनी रहती थी। अब राजधानी के सभी प्रदूषण जांच केंद्रों को आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। केंद्रों पर हाईटेक कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिससे जांच प्रक्रिया पर निगरानी बढ़ेगी और अनियमितताओं पर रोक लगेगी। व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस जांच को आधुनिक बनाने के लिए तहखंड और नंद नगरी में अत्याधुनिक ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन शुरू किए गए हैं। प्रत्येक केंद्र की क्षमता सालाना करीब 72 हजार वाहनों की फिटनेस जांच की है। इन केंद्रों पर आधुनिक तकनीक से वाहनों की जांच होगी। सरकार का कहना है कि नई व्यवस्था से प्रदूषण नियंत्रण के साथ सड़क सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी। इससे वाहनों की जांच में पारदर्शिता बढ़ेगी, नियमों का पालन सुनिश्चित होगा और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई हो सकेगी।

वाहन जांच में डिजिटल निगरानी से बढ़ेगी पारदर्शिता

नई व्यवस्था के तहत वाहनों की जांच प्रक्रिया को डिजिटल निगरानी से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। इससे जांच केंद्रों पर होने वाली गतिविधियों की निगरानी अधिकारियों द्वारा बेहतर तरीके से की जा सकेगी। सरकार का मानना है कि तकनीक के इस्तेमाल से प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम होगा और किसी भी तरह की गड़बड़ी को पकड़ना आसान होगा। अधिकारियों के अनुसार, प्रदूषण जांच के साथ वाहनों की फिटनेस पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सड़कों पर अनफिट और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। व्यावसायिक वाहनों के लिए शुरू किए गए नए एटीएस में जांच की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से होगी। इससे वाहन मालिकों को भी जांच प्रक्रिया में स्पष्टता मिलेगी। दिल्ली सरकार का कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण केवल सर्दियों के दौरान चलने वाले अभियान तक सीमित नहीं रहेगा।

बैजनाथ में सीआईए टीम ने एक किलो 813 किलोग्राम चरस के साथ छह किए गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। प्रदेश भर में चलाए जा रहे नशे के खिलाफ विशेष अभियान के तहत कांगड़ा पुलिस की सीआईए टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीआईए की टीम ने पुलिस थाना बैजनाथ के अंतर्गत आने वाले गनखेतर रेलवे क्रॉसिंग के पास नाकाबंदी और चेकिंग के दौरान 1 किलोग्राम 813 ग्राम चरस बरामद की है।

इस कार्रवाई के तहत मौके से 6 युवकों को गिरफ्तार किया गया है जबकि उनके साथ शामिल एक किशोर को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद परिजनों के संरक्षण में सौंप दिया गया है। इसके साथ ही एनडीपीएस एक्ट के तहत नशा तस्करी में संलिप्त 3 वाहनों को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना बैजनाथ में मामला दर्ज कर आगामी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों में अमित कुमार (उम्र 28 वर्ष), निवासी गांव खारमेनखर, डाकघर जैनद, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, अशोक कुमार (उम्र 35 वर्ष), निवासी गांव नंदौर कलां, डाकघर जांजगीर चांपा, तहसील रायगढ़, जिला बिलासपुर (छत्तीसगढ़), अश्वनी कुमार (उम्र 23 वर्ष), निवासी गांव मंझेरनु, डाकघर पंचरुखी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, अतुल कुमार (उम्र 24 वर्ष), निवासी गांव रामनगर, डाकघर टटेहल, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, आयुष कुमार (उम्र 21 वर्ष), निवासी गांव मंझेरनु, डाकघर पंचरुखी, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा तथा अक्षय कुमार (उम्र 27 वर्ष), निवासी गांव रामनगर, डाकघर टटेहल, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा शामिल हैं। इनके अलावा एक अन्य आरोपी किशोर (उम्र 17 वर्ष), निवासी जिला कांगड़ा, जिसे परिजनों के संरक्षण में दे दिया गया है। वहीं, जब्त किए गए वाहनों में ऑल्टो के10 कार नम्बर एचपी 01 डीए 1762, होंडा स्कूटी नंबर एचपी 37 जी 3170 तथा पल्सर 220 मोटरसाइकिल नम्बर एचपी 37 जे 1763 शामिल हैं। उधर, बैजनाथ पुलिस बरामद चरस के मुख्य स्रोत और इसकी सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए गहन जांच कर रही है।

कांगड़ा के धर्मकोट में रेव पार्टी का खुलासा, कई तरह की ड्रग्स बरामद

हॉस्टल के लीजहोल्डर समेत दो आरोपी गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में केस

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। सोशल मीडिया और बंद ऑनलाइन ग्रुपों में रेव पार्टी का अपर धर्मकोट स्थित ईडीएम हॉस्टल में पार्टी का सिलसिला चल रहा था कि आधी रात पुलिस ने दबिश दे दी।

रविवार की मध्य रात्रि गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में हॉस्टल की तलाशी ली गई तो चिट्टा, अफीम, चरस और गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार मौके से 0.95 ग्राम चिट्टा, 3.7 ग्राम अफीम, 1.33 ग्राम चरस और 1.54 ग्राम गांजा बरामद किया गया। कार्रवाई के सिलसिले में 15 लोगों का चिकित्सकीय परीक्षण भी करवाया गया। मैक्लोडगंज पुलिस ने मामले में दो लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें मध्य प्रदेश के रायसेन-भोपाल निवासी 35 वर्षीय आमिर खान शामिल है, जो वर्तमान में अपर धर्मकोट स्थित विश्राम गेस्ट हाउस-ईडीएम होटल में रह रहा था। दूसरे आरोपी की पहचान राजस्थान के चित्तौड़गढ़ निवासी 37 वर्षीय राधेश रंजन पाजोरिया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पाजोरिया ईडीएम हॉस्टल का लीजहोल्डर-मालिक है। दोनों के खिलाफ मैक्लोडगंज थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आधी रात की दबिश से रुकी कथित रेव पार्टी

पुलिस के अनुसार समय रहते की गई कार्रवाई से कथित रेव पार्टी को रोक दिया गया। कांगड़ा पुलिस ने कहा है कि नशीले पदार्थों के कब्जे, सप्लाई, वितरण और सेवन के साथ ऐसी गतिविधियों को करवाने या बढ़ावा देने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने नशीले पदार्थों और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

ऑनलाइन प्रचार से पार्टी तक पहुंची पुलिस की जांच

कांगड़ा पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ईडीएम हॉस्टल परिसर में 13 और 14 सितंबर को रेव पार्टियों का आयोजन किया जा रहा था। इन पार्टियों का प्रचार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और बंद ऑनलाइन ग्रुपों के जरिए किया जा रहा था। पुलिस ने प्रचार से जुड़े स्क्रीनशॉट और अन्य डिजिटल साक्ष्य कब्जे में लिए हैं। इन साक्ष्यों की जांच और उनका सत्यापन अभी जारी है।

माय भारत पोर्टल से युवाओं को जोड़ने पर जोर प्रगतिनगर संस्थान में कार्यशाला हुई आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी संस्थान (एबीवीजीआईईटी) प्रगतिनगर की एनएसएस इकाई की ओर से विद्यार्थियों के लिए 'माय भारत' पोर्टल पर पंजीकरण व क्विज में भागीदारी विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

इस दौरान विद्यार्थियों ने विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज में भाग लिया और नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशे से दूर रहने की शपथ भी ली। कार्यशाला में माय भारत, शिमला के उप निदेशक विपिन कुमार ने बतौर संसाधन व्यक्ति विद्यार्थियों को पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया और विभिन्न क्विज एवं युवा गतिविधियों में भाग लेने की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। यूथ वॉलंटियर, जुब्बल अंजली ने नशा मुक्त भारत विषय पर जागरूकता व्याख्यान दिया। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया तथा नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का समन्वय एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी निखिल राठौर ने किया। उन्होंने माय भारत पोर्टल के जरिए युवा सहभागिता, सामाजिक गतिविधियों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े अवसरों की जानकारी दी। संस्थान के निदेशक-सह-प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) राकेश ठाकुर ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

आज अर्की के कई इलाकों में बिजली रहेगी बंद

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। बिजली उपमंडल अर्की के तहत 33 केवी सब-स्टेशन अर्की में आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते 15 सितंबर को दोपहर 12 से 2 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। यह जानकारी सहायक अभियंता बिजली उपमंडल अर्की नीरज कतना ने दी। उन्होंने बताया कि निर्धारित शटडाउन के दौरान अर्की, बातल, मन्जयाट, मांझू, खनलग, बथालंग, शालाघाट, दधोगी, गलोग, सुझाईला, कोल्का सहित आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विभाग द्वारा 33 केवी सब-स्टेशन में जरूरी मरम्मत कार्य पूरा करने के लिए यह शटडाउन लिया जा रहा है। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से निर्धारित समय के दौरान सहयोग बनाए रखने की अपील की है। विभाग ने कहा कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

ब्रिक्स की शानदार सफलता पर चिदंबरम देश से माफी मांगें : शांता कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने ब्रिक्स बैठक की सफलता को भारत की बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि बताते हुए कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स बैठक की शानदार सफलता के बाद चिदंबरम को अपने बयान पर पुनर्विचार करते हुए पूरे देश से क्षमा मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विचारधाराओं और परस्पर विरोधी हितों वाले विश्व के बड़े देशों के नेताओं को भारत में एक मंच पर लाकर संवाद कराना अपने आप में असाधारण उपलब्धि है। शांता कुमार ने सोमवार को एक बयान में कहा कि भारत आज विश्व शांति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व में शांति कायम करने और देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी, लेकिन वर्तमान समय में दुनिया के सामने मौजूद अनेक संघर्षों और तनावों के बीच उसकी भूमिका और प्रभावशीलता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे दौर में भारत द्वारा विभिन्न देशों को संवाद की मेज पर लाना एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स बैठक भारत में होने की खबर सामने आते ही कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा था कि इससे भारत को कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने सवाल किया था कि ऐसी बैठकों से आज तक भारत को एक भी लाभ हुआ है तो बताया जाए। शांता कुमार ने कहा कि इसके अगले ही दिन कांग्रेस नेता शशि थरूर ने इससे अलग राय व्यक्त करते हुए कहा था कि जब विश्व के विरोधी विचारों वाले बड़े देशों के नेता भारत में एक साथ बैठेंगे और विचार-विमर्श करेंगे तो इसका भारत को लाभ होगा।

ब्रिक्स घोषणा पत्र भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संजय शर्मा ने नई दिल्ली में संपन्न हुए 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के साझा घोषणा पत्र को भारत की बहुत बड़ी कूटनीतिक और वाणिज्यिक जीत करार दिया है। उन्होंने इसे विश्व मंच पर आतंकवाद फैलाने वाली ताकतों और वैश्विक मंच पर भारत विरोधी एजेंडा चलाने वाले पाकिस्तान के लिए करारा झटका बताया है। सोमवार को जारी एक प्रेस बयान में संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण आज दुनिया न केवल भारत की आतंकवाद-विरोधी नीति के साथ खड़ी है, बल्कि भारत के आर्थिक और व्यापारिक मॉडल का भी लोहा मान रही है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के 'नई दिल्ली घोषणा पत्र 2026' में आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा करते हुए सीमा पार आतंकवाद, आतंकी फंडिंग और आतंकियों को सुरक्षित पनाह देने वाले ठिकानों को खत्म करने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया गया है। यह सीधे तौर पर पाकिस्तान की आतंकी नीतियों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का करारा थप्पड़ है उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले का कड़े शब्दों में उल्लेख और निंदा करवाना भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता है। व्यापारिक मोर्चे पर भारत की पहल पर सभी ब्रिक्स देशों ने आपस में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और डिजिटल भुगतान प्रणालियों को आपस में जोड़ने पर सहमति जताई है।

सीएम सुक्खू के नेतृत्व में सरकार दोबारा रिपीट होगी : मोंगरा

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नंदरुल-राजल मार्ग पर लैंडस्लाइड के कारण क्षतिग्रस्त सड़क को मरम्मत के बाद बड़े वाहनों के लिए खोल दिया गया है। एपीएमसी के जिला अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस विभाग के अध्यक्ष एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम के जिला अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र निशु मोंगरा ने बताया कि मार्ग को करीब सात दिनों में ठीक कर यातायात के लिए बहाल कर दिया गया है। मार्ग खुलने से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

निशु मोंगरा ने बताया कि मार्ग क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को जल्द से जल्द मरम्मत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए थे। कार्य पूरा होने के बाद उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों ने मार्ग बहाल करने के लिए विभाग और निशु मोंगरा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि आस्था के केंद्र संगम स्थल को जाने वाले मार्ग पर बरसात समाप्त होते ही काम शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण चंगर क्षेत्र में कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिन्हें जल्द दुरुस्त करवाने के निर्देश दिए गए हैं। निशु मोंगरा ने बताया कि तरसूह में रास्ते की समस्या को लेकर भी जल्द रिपोर्ट तैयार की जाएगी। करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे प्रस्तावित मार्ग के निर्माण से स्थानीय लोगों को सुविधा मिलेगी। इसके लिए मौके पर विभागीय टीम भेजी गई है। निशु मोंगरा ने स्थानीय विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 14 वर्षों से क्षेत्र की जनता को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने विधायक के सरकार द्वारा गारंटियां पूरी न करने संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार अपनी घोषणाओं और योजनाओं को पूरा करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 2 अक्तूबर को विभिन्न योजनाओं के तहत महिलाओं को 1500 रुपए की राशि मिलने वाली है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दोबारा सत्ता में लौटेगी और आगामी चुनाव में जनता विपक्ष को जवाब देगी।

सायर उत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक, 19 सितंबर को सीएम होंगे मुख्यातिथि : संजय अवस्थी

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राज्यस्तरीय सायर उत्सव के सफल आयोजन को लेकर अर्की में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता एसडीएम अर्की निशांत तोमर ने की, जबकि अर्की के विधायक संजय अवस्थी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में मेले के दौरान विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि अर्की का तीन दिवसीय राज्यस्तरीय सायर उत्सव 17, 18 व 19 सितंबर को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परिवहन, सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। संजय अवस्थी ने कहा कि मेले के अंतिम दिन 19 सितंबर को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री अर्की उपमंडल को करोड़ों रुपए की विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की सौगात भी देंगे। उन्होंने कहा कि मेले में विभिन्न विभागों की विकासात्मक प्रदर्शनियां, खेलकूद गतिविधियां तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने मेले की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर अपने सुझाव रखे तथा आवश्यक प्रबंधों की जानकारी दी। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सतीश कश्यप, नगर पंचायत अध्यक्ष सीमा शर्मा, पूर्व अध्यक्ष एवं पार्षद अनुज गुप्ता सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, मेला कमेटियों के सदस्य तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हमीरपुर में 150 पदों के लिए साक्षात्कार 18 को

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। नालागढ़ की प्रसिद्ध कंपनी टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशन्स लिमिटेड में फ्लोर स्टाफ के 150 पदों को भरने के लिए 18 सितंबर को सुबह साढ़े दस बजे जिला रोजगार कार्यालय हमीरपुर में साक्षात्कार लिए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इन पदों के लिए 18 से 40 वर्ष तक के बारहवीं पास पुरुष उम्मीदवार पात्र होंगे। चयनित उम्मीदवारों को 14,300 रुपए मासिक वेतन के साथ ओवरटाइम भत्ता, पीएफ, ईएसआईसी और अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। इनका कार्यस्थल नालागढ़ होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि अगर कोई युवा इन पदों के लिए योग्यता रखता है और उसका नाम किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है तो वह अपने मूल प्रमाण पत्रों तथा हिमाचली प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकता है।

विधायक मलेंद्र राजन ने मलकाना में 90 लाख की उठाऊ पेयजल योजना का किया लोकार्पण

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। विधायक मलेंद्र राजन ने मलकाना में जल शक्ति विभाग की 90 लाख रुपए की लागत से निर्मित उठाऊ पेयजल योजना का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया।

उन्होंने कहा कि योजना के शुरू होने से क्षेत्रवासियों को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध होगा तथा लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान होगा। विधायक ने कहा कि सड़क, पुल, पेयजल और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि ठाकुरद्वारा-पराल सड़क एवं पुल के निर्माण के लिए नाबार्ड के तहत सात करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। मिलवां-बरोटा सड़क का निर्माण 22 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है, जबकि इंदौरा-त्यौड़ा पुल के लिए 14 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में लोगों की जमीन और घरों को बाढ़ से बचाना प्राथमिकता है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अपने कार्यकाल में नया क्रशर स्थापित नहीं होने देने की बात कही। उन्होंने मलकाना पंचायत में विकास कार्यों के लिए पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। विधायक ने बताया कि क्षेत्र में अनाज मंडी खोलने की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई है। उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने पात्र परिवारों से 20 सितंबर तक बीपीएल सूची में शामिल होने के लिए आवेदन करने की अपील की, ताकि कोई भी पात्र परिवार सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जोल-डोमेहर सड़क 22 सितंबर तक यातायात के लिए बंद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत आदेश जारी करते हुए जोल-डोमेहर सड़क मार्ग को 22 सितंबर तक यातायात के लिए बंद रखने के निर्देश दिए हैं। यह निर्णय लोक निर्माण विभाग घुमारवीं मंडल के अंतर्गत सड़क पर आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते लिया गया है। आदेश के अनुसार जोल की ओर से आने वाले वाहनों को बरोटा-लदरौर सड़क मार्ग तथा डोमेहर की तरफ से आने वाले वाहनों को रोहल खड्ड-घंडालवीं सड़क मार्ग का उपयोग करना होगा। उपायुक्त ने वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने और विभाग के साथ सहयोग बनाए रखने की अपील की है। मरम्मत कार्य के दौरान केवल एंबुलेंस, स्कूल बसों, वीआईपी वाहनों तथा अन्य आपातकालीन सेवा वाहनों की आवाजाही की अनुमति रहेगी।

अंडर-19 ब्वॉयज वर्ग की तीनों ट्रॉफियों पर विजय मेमोरियल स्कूल का कब्जा

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। विजय मेमोरियल स्कूल इंदौरा ने खेलों के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंदौरा जोन के अंडर-19 ब्वॉयज वर्ग की बैडमिंटन, वॉलीबॉल और चेस प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान हासिल कर तीनों ट्रॉफियां अपने नाम कर लीं।

इस शानदार उपलब्धि के साथ विद्यालय ओवरऑल टूर्नामेंट चैंपियन बना। इंदौरा ब्लॉक स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में विद्यालय के खिलाड़ियों ने प्रतिभा, अनुशासन, खेल भावना और बेहतरीन प्रदर्शन का परिचय देते हुए तीनों खेलों में प्रतिद्वंद्वी टीमों को पछाड़ा। एक ही वर्ग में तीनों प्रमुख खेलों की ट्रॉफियां जीतना विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इंदौरा क्षेत्र में पहली बार किसी निजी विद्यालय ने अंडर-19 ब्वॉयज वर्ग की बैडमिंटन, वॉलीबॉल और चेस की तीनों ट्रॉफियां एक साथ जीती हैं। विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और स्टाफ को बधाई दी।

चेयरमैन सचिन शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां भी जरूरी हैं। विद्यालय का प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे निखारने के लिए उचित अवसर मिले। प्रधानाचार्या सोनिया शर्मा ने खिलाड़ियों और कोचिंग टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल अच्छे अंक हासिल करवाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक रूप से सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि खेलों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, आत्मविश्वास, अनुशासन और संघर्ष करने की क्षमता विकसित होती है। विद्यालय परिवार ने इस ऐतिहासिक जीत के लिए खिलाड़ियों, अभिभावकों, कोचों और शिक्षकों को बधाई दी। तीनों ट्रॉफियों पर विजय मेमोरियल स्कूल का कब्जा इंदौरा क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है।

मोर्चा सुजानपुर-संधोल सड़क की बदहाली पर भाजपा ने उठाए सवाल, निकाली रोष रैली

उखाड़कर छोड़ दी सड़क, फिर कहां खर्चे मरम्मत के 41 करोड़ ?

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। संधोल-सुजानपुर 20 किलोमीटर लंबे मुख्य मार्ग की बदहाली को लेकर सुजानपुर व बमसन भाजपा मंडल ने सोमवार को प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला।

मंडल की बैठक के उपरांत आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने सुजानपुर में रोष रैली निकाली और एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया। प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक व प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता राजेंद्र राणा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखे हमले बोलते हुए उसे 'गूंगी, बहरी और बेईमान' करार दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अपनी शानो-शौकत पर बेहिसाब बजट बहाने वाली प्रदेश सरकार को सड़कों के ये जानलेवा गड्ढे क्यों दिखाई नहीं दे रहे ? उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सेंट्रल रोड फंड से 41 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत इस सड़क की गुणवत्ता पूरी तरह शून्य हो चुकी है। ठेकेदारों ने 2-2 किलोमीटर के हिस्सों में सड़क को उखाड़कर छोड़ दिया है, जिससे यह मार्ग जनता के लिए नर्क बन चुका है। उन्होंने सीधा आरोप लगाया कि केंद्र से विकास कार्यों के लिए आ रहे बजट का प्रदेश में दुरुपयोग हो रहा है और गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य में साफ तौर पर मिलीभगत दिखाई दे रही है। सड़क की दयनीय हालत के कारण क्षेत्र की आधा दर्जन पंचायतों की जनता और 50 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों, विद्यार्थियों और रोजाना सफर करने वाले कर्मचारियों का जीवन जोखिम में पड़ गया है। हालात इतने खराब हैं कि लोगों ने इस मार्ग से आवाजाही ही बंद कर दी है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार अपने कार्यकाल में एक भी गारंटी पूरी नहीं कर पाई है और हर वर्ग परेशान है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विभाग और प्रशासन ने जल्द सड़क का निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ पूरा नहीं करवाया, तो भाजपा सुजानपुर की सड़कों पर उतरकर व्यापक जन-आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी। इस रोष प्रदर्शन में भाजपा मंडल अध्यक्ष, स्थानीय पदाधिकारियों और भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन से पहले आयोजित सुजानपुर व बमसन भाजपा मंडल की बैठक में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीति बनाई और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया।

◆ **राजेंद्र राणा बोले - गूंगी-बहरी हो गई है प्रदेश सरकार, अपनी शानो-शौकत से ही फुर्सत नहीं**

मटौर स्कूल लगातार तीसरी बार बना कांगड़ा जोन का ओवरऑल चैंपियन

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मटौर में आयोजित तीन दिवसीय कांगड़ा जोन अंडर-19 छात्र खेलकूद प्रतियोगिता का समापन 14 सितंबर को हर्षोल्लास के साथ हुआ।

प्रतियोगिता में कांगड़ा जोन के करीब 33 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन के दम पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मटौर ने ओवरऑल ट्रॉफी अपने नाम की। विद्यालय लगातार तीसरे वर्ष जोन का चैंपियन बना है। समापन समारोह में जिला कांगड़ा के एडीपीईओ अतुल कटोच ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। किताबें ज्ञान देती हैं, जबकि खेल अनुशासन, एकता और भाईचारे की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अभावों के बावजूद मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रधानाचार्य संदीप शर्मा और स्टाफ की सराहना की। प्रतियोगिता में कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन, चेस और रेसलिंग के मुकाबले करवाए गए। कबड्डी में मटौर विजेता और एसआईएस घुरकड़ी उपविजेता रहा। वॉलीबॉल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दौलतपुर ने पहला तथा बोहड़वालू ने दूसरा स्थान हासिल किया। खो-खो में आदर्श पब्लिक स्कूल तियारा विजेता और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला तियारा उपविजेता रहा। बैडमिंटन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डूगियारी विजेता तथा एसआईएस घुरकड़ी उपविजेता रहा। चेस में जीएवी पब्लिक स्कूल कांगड़ा प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पुराना कांगड़ा द्वितीय और मटौर तृतीय स्थान पर रहा। रेसलिंग में मटौर विजेता और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला खौली उपविजेता रहा। प्रधानाचार्य संदीप शर्मा, उपप्रधानाचार्य दीप्ति शर्मा, विद्यालय स्टाफ और विभिन्न स्कूलों से आए शारीरिक शिक्षक मौजूद रहे। मंच संचालन प्रवक्ता हिंदी डॉ. अदिति गुलेरी ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों और शिक्षकों को बधाई दी।

देहरा-कोट सड़क 26 तक यातायात के लिए रहेगी बंद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत आदेश जारी करते हुए देहरा-कोट सड़क मार्ग को 26 सितंबर तक यातायात के लिए बंद रखने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग घुमारवीं मंडल के अंतर्गत इस सड़क पर आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते यह निर्णय लिया गया है। आदेश के अनुसार दशमल की ओर से आने वाले वाहनों को कोट-धग्यार-जाहू सड़क मार्ग तथा देहरा की तरफ से आने वाले वाहनों को दधोल-लदरौर सड़क मार्ग का उपयोग करना होगा। उपायुक्त ने वाहन चालकों से निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की अपील की है, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। उन्होंने बताया कि मरम्मत कार्य के दौरान केवल एंबुलेंस, स्कूल बसों, वीआईपी वाहनों तथा अन्य आपातकालीन सेवा वाहनों की आवाजाही की अनुमति रहेगी। विभाग द्वारा कार्य पूरा होने के बाद मार्ग को सामान्य यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

घुमारवीं कॉलेज में कल से सजेगा एचपीयू अंतर-कॉलेज वुशू चैंपियनशिप का मंच

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय घुमारवीं में 16 और 17 सितंबर को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) की अंतर-कॉलेज वुशू (महिला एवं पुरुष) चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 32 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें 17 पुरुष और 15 महिला टीमें शामिल हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ 16 सितंबर को सुबह 10:30 बजे होगा। हिमाचल प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा, नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी बतौर मुख्य अतिथि प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे। वहीं, समापन समारोह 17 सितंबर को दोपहर 2 बजे आयोजित किया जाएगा। कॉलेज प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल, आयोजन सचिव डॉ. सुनील सेन और संयोजक डॉ. महेंद्र कुमार ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कॉलेज प्रबंधन ने क्षेत्रवासियों और खेल प्रेमियों से प्रतियोगिता में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

घुमारवीं कॉलेज में धूमधाम से मनाया हिंदी दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय घुमारवीं में साहित्यिक क्लब की ओर से हिंदी पखवाड़े के तहत हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के 97 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी भाषाई एवं साहित्यिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने भाषण, कविता पाठ, गीत और दोहा वाचन के माध्यम से हिंदी भाषा के महत्व, समृद्ध साहित्यिक परंपरा और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर विचार रखे। विज्ञान संकाय और अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों ने भी कविता पाठ कर हिंदी के प्रति सम्मान व्यक्त किया। साहित्यिक क्लब की समन्वयक डॉ. अंजना कुमारी ने कहा कि हिंदी दिवस केवल एक दिन तक सीमित न रहकर वर्षभर हिंदी को दैनिक व्यवहार में अपनाने की प्रेरणा देनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से हिंदी का शुद्ध रूप सीखने, बोलने और लिखने का आह्वान किया। क्लब सदस्य प्रो. चंचल शर्मा ने महान कवियों और साहित्यकारों की रचनाओं का उल्लेख कर हिंदी की समृद्ध परंपरा से विद्यार्थियों को परिचित करवाया।

विश्वविद्यालय शिक्षकों की भर्ती को राज्य भर्ती आयोग के अधीन करने का विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ ने विश्वविद्यालय शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को विश्वविद्यालयों की वैधानिक चयन व्यवस्था से हटाकर राज्य भर्ती आयोग के माध्यम से संचालित करने के प्रावधान का कड़ा विरोध किया है। संघ के अध्यक्ष डॉ. हितेश ठाकुर और महासचिव डॉ. सुनील ठाकुर ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षकों की भर्ती केवल सरकारी नियुक्ति नहीं, बल्कि अकादमिक स्वायत्तता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का चयन विषय विशेषज्ञता, शोध कार्य, प्रकाशन, शिक्षण अनुभव और अकादमिक योगदान जैसे मानकों के आधार पर होना चाहिए। संघ ने पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का समर्थन करते हुए कहा कि अनियमितता मिलने पर निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए उन्होंने सरकार से भर्ती प्रक्रिया को बाहरी आयोग के अधीन करने वाले प्रावधानों पर पुनर्विचार करने तथा शिक्षक संगठनों और विश्वविद्यालयों से व्यापक विचार-विमर्श के बाद निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि पारदर्शी एवं मेरिट आधारित भर्ती का समर्थन है, लेकिन अकादमिक स्वायत्तता से समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

विकास की रफ्तार हुई धीमी : अजय ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हिमाचल का विकास पटरी से उतर गया है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गति धीमी है और प्रदेश का हर वर्ग सरकार की नीतियों से परेशान है। अजय ठाकुर ने कहा कि युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं, महिलाएं स्वयं को ठगा महसूस कर रही हैं, कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर परेशान हैं तथा व्यापारी वर्ग भी सरकार से संतुष्ट नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन उन्हें पूरा करने के बजाय राजनीतिक हित साधे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के कार्यकाल में शुरू की गई कई जनकल्याणकारी योजनाओं को वर्तमान सरकार ने कमजोर किया। भाजपा प्रवक्ता ने सरकार से सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में ठोस काम करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनता आने वाले समय में सरकार के कार्यों का मूल्यांकन करेगी।

एकल भारत अभियान की बैठक में 8 हजार गांवों तक पहुंच मजबूत करने पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। एकल भारत अभियान के वरिष्ठ पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय ग्राम संगठन प्रमुख संसार चंद, भाग अध्यक्ष पवन शर्मा, भाग संगठन मंत्री अनिल, अंचल अध्यक्ष श्याम लाल तथा भाग गतिविधि प्रमुख मनोहर लाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे बैठक में संगठन की ग्रामीण क्षेत्रों में गतिविधियों और सामाजिक जनजागरण को लेकर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने बताया कि एकल भारत अभियान हिमाचल प्रदेश के करीब 8,000 गांवों तक ग्राम स्तर पर पहुंचकर शिक्षा, संस्कार, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता से जुड़ी गतिविधियां चला रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में समाज के साथ निरंतर संपर्क स्थापित कर सामाजिक चेतना को मजबूत करने पर जोर दिया गया। अखिल भारत अभियान महिला विंग की राज्य प्रमुख प्रो. अनुपमा सिंह ने कहा कि गांव भारतीय समाज की मूल शक्ति हैं। ग्राम स्तर पर मजबूत संपर्क और जागरूकता से ही सशक्त, आत्मनिर्भर और संस्कारवान समाज का निर्माण संभव है।

हमीरपुर में सरकारी पाइपों से निजी मकान में रेलिंग लगाने का आरोप

पाइपों के स्रोत और इस्तेमाल पर सवाल, विजिलेंस से सत्यापन की मांग

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जल शक्ति विभाग की सरकारी संपत्ति के कथित दुरुपयोग का मामला सामने आया है। इस संबंध में राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के निरीक्षक को लिखित शिकायत सौंपकर मौके का सत्यापन, सरकारी रिकॉर्ड की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत मुख्यमंत्री के पोर्टल पर भी की गई है।

शिकायत के अनुसार हमीरपुर-लंबलू सड़क मार्ग पर जल शक्ति विभाग में कार्यरत एक वरिष्ठ सहायक के निजी आवास में विभाग की मार्किंग वाली करीब 30-35 पाइपें मिली हैं। आरोप है कि इनमें से कुछ पाइपों को निजी परिसर में रेलिंग के रूप में इस्तेमाल किया गया है, जबकि कुछ को मकान की दूसरी मंजिल की छत

> **एसडीओ** हमीरपुर राकेश कुमार का कहना है कि मौके पर जेई को भेजा जा रहा है, उसके बाद ही पता चलेगा कि मामला क्या है, पाइपें कैसी हैं और कौन इसमें संलिप्त है।

> **शिकायत** मिली थी, मौके पर जाकर टीम ने जांच की है। यह मामला हमीरपुर पुलिस का बनता है, उसे सूचना दे दी गई है। **मनीष, एएसपी विजिलेंस, हमीरपुर।**

> **अभी** ऐसी कोई सूचना उन्हें नहीं मिली है पता कर करके जानकारी सांझा करता हूं। विजिलेंस यदि वहां गई है, तो उसे पुलिस को जानकारी देनी चाहिए, ताकि आगे की कार्रवाई हो सके। **बलवीर सिंह एसपी हमीरपुर।**

पर एंगल लगाकर रखा गया है। पाइपों पर 'एचपी गवर्नमेंट जेएसबी 2021-22' की मार्किंग होने की बात शिकायत में कही गई है। बताया गया है कि यह सामग्री पीपीएन वर्ष 2021-22 से संबंधित हो सकती है। शिकायतकर्ता ने सरकारी सामग्री के स्रोत, निर्गमन, उपयोग और भंडारण को लेकर सवाल उठाते हुए जल शक्ति विभाग के स्टॉक रजिस्टर, सामग्री निर्गमन रिकॉर्ड, संबंधित कार्य की स्वीकृति, परिवहन और भंडारण से जुड़े दस्तावेजों की जांच की मांग की है। साथ ही यह भी स्पष्ट करने का आग्रह किया गया है कि पाइपें किस अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी में थीं और उन्हें निजी परिसर में रखने की अनुमति किस आधार पर दी गई। शिकायत में आशंका जताई गई है कि जांच पूरी होने से पहले पाइपों को हटाया, छिपाया या बेचा जा सकता है। इसलिए सामग्री को सुरक्षित रखने तथा मौके पर पुलिस और विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में पाइपों की संख्या, मार्किंग और वास्तविक स्थिति का सत्यापन करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने उपलब्ध फोटो, वीडियो और अन्य साक्ष्य जांच एजेंसी को देने की बात कही है। सोमवार को शिकायत के बाद संबंधित क्षेत्र में हलचल देखने को मिली, हालांकि शाम तक किसी ठोस कार्रवाई या मामला दर्ज होने की पुष्टि नहीं हुई। शिकायतकर्ता ने निष्पक्ष जांच और आवश्यक होने पर गबन, आपराधिक विश्वासघात या रिकॉर्ड में हेरफेर पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मामले में विभागीय और सतर्कता जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

17 को रैल में मेडिकल कैंप का शुभारंभ और 18 को सधोड़ा पत्तन पुल का शिलान्यास करेंगे सीएम

◆ शिविर में कई स्पेशलिस्ट व सुपर स्पेशिलस्ट डॉक्टर अपनी सेवाएं करेंगे प्रदान

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू 17 और 18 सितंबर को नादौन विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री 16 सितंबर की शाम को ऊना से अपने पैतृक गांव सेरा के विश्राम गृह में पहुंचेंगे।

वीरवार 17 सितंबर को वह सुबह 11 बजे आईटीआई रैल के परिसर में नए भवन की आधारशिला रखेंगे और पौधारोपण भी करेंगे। इसके तुरंत बाद वह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रैल के नवनिर्मित भवन का उदघाटन और जन स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करेंगे। दोपहर बाद वह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रैल के भवन का शिलान्यास भी करेंगे। शाम को वह सेरा के विश्राम गृह में ही रुकेंगे। शुक्रवार 18 सितंबर को सुबह करीब साढे ग्यारह बजे मुख्यमंत्री सधोड़ापत्तन के पास ब्यास नदी पर बनने वाले पुल का शिलान्यास करेंगे और इसके बाद आईटीआई रैल के हैलीपैड से शिमला रवाना हो जाएंगे।

उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने जिला के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, मेडिकल कालेज और आयुष विभाग के अधिकारियों को रैल में आयोजित किए जाने वाले जन स्वास्थ्य शिविर के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त ने रैल और इसके आस-पास की सभी ग्राम पंचायतों के लोगों से जन स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने की अपील भी की है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में कई स्पेशलिस्ट एवं सुपर स्पेशिलस्ट डॉक्टर अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। इस दौरान लोगों को स्वास्थ्य संबंधी कई प्रकार के टैस्टों की सुविधा भी मौके पर ही उपलब्ध करवाई जाएगी।

लक्ष्य पब्लिक स्कूल में भाषण और कविता प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। लक्ष्य पब्लिक स्कूल अर्की में हिंदी दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा के महत्व, उसकी समृद्ध विरासत तथा दैनिक जीवन में हिंदी के प्रयोग को लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में नवांशी ने प्रथम, नमिता ने द्वितीय तथा गार्विका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कविता प्रतियोगिता में आयुषी प्रथम, जागृति द्वितीय तथा भव्या एवं उनकी साथी ने तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा के प्रति अपने विचार और भावनाएं प्रस्तुत कीं। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की रचनात्मकता, अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास देखने को मिला। विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और विरासत की पहचान भी है। प्रतियोगिताओं के आयोजन में शिक्षिकाओं सुनीता और ममता का विशेष योगदान रहा।

भाजपा हमीरपुर ने संगठन का विस्तार किया, नई नियुक्तियों के साथ जिला कार्यसमिति का रिक्त पद भरा

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा जिला हमीरपुर ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर नई नियुक्तियां की हैं। जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने प्रदेश नेतृत्व से विचार-विमर्श के बाद राजिंदर कुमार अग्निहोत्री को चिकित्सक प्रकोष्ठ का जिला संयोजक नियुक्त किया। वहीं, मनोज कुमार भारद्वाज को जिला कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है राज्य शिक्षा बोर्ड के सेवानिवृत्त अधिकारी राजिंदर कुमार डोगरा को भाजपा ओबीसी मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा कांता देवी को बुनकर प्रकोष्ठ का जिला संयोजक तथा डोरामानी, सपना, सलोचना देवी, मोनिका धीमान, अनीता कुमारी, ममता कुमारी, रोजी और नीलम कुमारी को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। राकेश ठाकुर ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई नियुक्तियों से संगठन को मजबूती मिलेगी।

चूड़धार में रातभर चला रेस्क्यू, जंगल में रास्ता भटके चार श्रद्धालु सुरक्षित निकाले

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सिरमौर जिला में स्थित विख्यात धार्मिक स्थल चूड़धार की कठिन पहाड़ी और घने जंगल में रविवार रात रास्ता भटक गए चार श्रद्धालुओं को शिमला पुलिस ने रातभर अभियान चलाकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

112 कंट्रोल रूम शिमला को सूचना मिली थी कि चूड़धार यात्रा से लौट रहे कुछ श्रद्धालु जंगल में रास्ता भटक गए हैं और उन्हें अपनी लोकेशन का पता नहीं चल पा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस थाना चौपाल की टीम ने रात में ही चूड़धार क्षेत्र में सर्च और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। रेस्क्यू किए गए लोगों में राहुल (22) और साकेत (21), दोनों निवासी मोहाली, पंजाब तथा राहुल (26) और उनकी पत्नी मधु (24), दोनों निवासी जिला करनाल हरियाणा शामिल हैं। पुलिस टीम ने घने जंगल, दुर्गम रास्तों और अंधेरे के बीच तलाश शुरू की। काफी देर तक तलाश के बाद पुलिस ने आधी रात के समय राहुल और साकेत को पताल खड्ड की ओर जंगल से सुरक्षित खोज निकाला। दोनों को रेस्क्यू करने के बाद पुलिस टीम को दो अन्य श्रद्धालुओं के भी चूड़धार क्षेत्र में रास्ता भटकने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने तलाश अभियान जारी रखा और राहुल तथा उनकी पत्नी मधु को भी जंगल में तलाश कर सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस ने चारों श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। एएसपी शिमला गौरव सिंह ने सोमवार को बताया कि सूचना मिलते ही चौपाल पुलिस की टीम ने बिना देरी किए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि रात के समय चूड़धार जैसे दुर्गम और घने जंगल वाले क्षेत्र में तलाश करना चुनौतीपूर्ण था, फिर भी पुलिस टीम ने लगातार अभियान चलाकर चारों श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उन्होंने लोगों से चूड़धार जैसे दुर्गम क्षेत्रों में यात्रा के दौरान मौसम और रास्ते की स्थिति का ध्यान रखने तथा किसी परेशानी की स्थिति में तुरंत पुलिस या आपात सेवा से संपर्क करने की अपील की।

खोली ग्राउंड में क्रिकेट का रोमांच, जसोर बनी चैंपियन

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। शहीद करण कौशल की स्मृति में खोली ग्राउंड में आयोजित दो दिवसीय पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न हो गई। प्रतियोगिता में करीब 24 टीमों ने हिस्सा लिया और खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आयोजन के माध्यम से आयोजकों ने देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए शहीद करण कौशल को श्रद्धांजलि अर्पित की। समापन समारोह में हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि प्रदेश बास्केटबॉल संघ के महासचिव मनीष शर्मा विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समाजसेवी रिंकू चौधरी, आयोजक रैंपी, अमन, अविनाश सहित अन्य पदाधिकारियों और खिलाड़ियों ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जसोर और कछियारी की टीमों के बीच खेला गया। इसमें जसोर की टीम विजेता रही, जबकि कछियारी उपविजेता बनी। विजेता टीम को 11 हजार रुपए और उपविजेता टीम को 7,100 रुपए की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

समाजसेवी रिंकू चौधरी ने कहा कि खेल युवाओं को नशे और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रखने तथा उन्हें सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम हैं। ग्रामीण स्तर पर ऐसी प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देती हैं। उन्होंने शहीद करण कौशल को श्रद्धांजलि देते हुए खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ आगे बढ़ने और क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि खोली का यह मैदान उनके प्रयासों से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र में खिलाड़ियों को मैदान से संबंधित किसी भी समस्या का सामना करना पड़ रहा हो तो वे उनसे संपर्क कर सकते हैं। मुख्यातिथि अजय वर्मा ने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण और अनुशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने नशे से बचाने के लिए युवाओं को खेलों से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आयोजकों को प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर बधाई दी और शहीद करण कौशल को नमन करते हुए कहा कि वीर जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।

योग, ध्यान और प्राणायाम की तकनीकों का अभ्यास करवाया

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला कांगड़ा के धर्मशाला स्थित कारागार में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की ओर से आयोजित आठ दिवसीय आनन्दानुभूति शिविर संपन्न हो गया।

शिविर में 36 कैदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों को योग, ध्यान और प्राणायाम की विभिन्न तकनीकों का अभ्यास करवाया गया। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की फैकल्टी अनीता ठाकुर और आरती गोयल ने प्रतिभागियों को योग एवं ध्यान के साथ प्राणायाम की गहन तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने इन अभ्यासों को नियमित रूप से जीवन में अपनाने और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि आठ दिनों के अभ्यास के दौरान उन्हें मानसिक शांति, आनंद, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ आत्मविश्वास का अनुभव हुआ। प्रतिभागियों के अनुसार योग, ध्यान और प्राणायाम से उन्हें विचारों को सकारात्मक दिशा देने तथा जीवन को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के जिला मीडिया कोऑर्डिनेटर देश राज चंबियाल ने कहा कि इस तरह के शिविर कैदियों को मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करने के साथ सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक हैं। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक योग, ध्यान और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश पहुंचाना है। भविष्य में भी कारागार में ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे।

कामराज दबड़ा बने भाजपा सदर मंडल के व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भाजपा सदर मंडल बिलासपुर के अध्यक्ष हंसराज ठाकुर ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से कामराज दबड़ा को व्यापार प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

मंडल अध्यक्ष हंसराज ने कहा कि कामराज दबड़ा के अनुभव और सक्रियता से व्यापार प्रकोष्ठ को मजबूती मिलेगी। साथ ही व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से संगठन के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि दबड़ा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त अध्यक्ष कामराज दबड़ा ने नियुक्ति के लिए मंडल अध्यक्ष का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह मिली जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे तथा व्यापारियों को संगठन से जोड़ने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

मानव कल्याण समिति अर्की को आयकर विभाग से पांच साल की और स्वीकृति

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। मानव कल्याण समिति अर्की की मासिक बैठक समिति के उपप्रधान रोशन लाल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई।

समिति के लेखा परीक्षक सोहन लाल पाल ने सदस्यों को जानकारी दी कि आयकर विभाग ने समिति की गतिविधियों और लेखा-जोखा से संतुष्ट होकर धारा 35(4) के तहत प्राप्त स्वीकृति को आगामी पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की छूट प्राप्त करने वाली समिति क्षेत्र की एकमात्र संस्था है। समिति के सचिव राजेश कपाटिया ने बताया कि जल्द ही स्वर्गीय प्रभावती गौतम की पुण्य स्मृति में अर्की क्षेत्र की दावटी पंचायत में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रभावती गौतम समिति की गतिविधियों में विशेष रुचि रखती थीं और समय-समय पर समिति को यथासंभव सहयोग प्रदान करती थीं। समिति के संस्थापक डॉ. संत लाल शर्मा ने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच करेंगे। इसके अलावा दवाइयां, ब्लड टेस्ट और चश्मे भी जरूरतमंदों को मौके पर निःशुल्क उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह समिति द्वारा आयोजित किया जाने वाला 20वां चिकित्सा शिविर होगा। बैठक में प्रकाश चंद, प्रेम सिंह चौहान, नागेश भारद्वाज, गोपाल शर्मा, रोहित शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम दिल्ली में पढ़ रहे हिमाचल के छात्रों के सपने बड़े हों, छोटे पहाड़ों से निकलकर दुनिया में पहचान बनाएं

भारत व विकसित हिमाचल में योगदान दें युवा: अनुराग

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित रामजस कॉलेज में दिल्ली हिमाचल स्टूडेंट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'रौनकें 3.0' कार्यक्रम में हिमाचल के छात्रों से संवाद किया।

उन्होंने दिल्ली में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हिमाचली युवाओं से अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए विकसित भारत और विकसित हिमाचल के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि हिमाचल भौगोलिक रूप से छोटा राज्य जरूर है, लेकिन उसकी पहचान और योगदान बहुत बड़ा है। इस देवभूमि ने देश को सैनिक, खिलाड़ी, शिक्षक, वैज्ञानिक और प्रशासनिक अधिकारी दिए हैं तथा राजनीति से लेकर सामाजिक जीवन तक हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हिमाचल की मौजूदगी नई नहीं है। वर्षों से हिमाचल के युवा दिल्ली में उच्च शिक्षा प्राप्त करने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और अपने करियर को नई दिशा देने के लिए आते रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रहने वाला हिमाचली युवा केवल अपने व्यक्तिगत करियर तक सीमित न रहे, बल्कि जहां भी रहे, वहां हिमाचल की पहचान को मजबूत करने और प्रदेश के लिए नए अवसर पैदा करने की दिशा में भी कार्य करे। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि छोटे पहाड़ों से निकलने वाले युवाओं के सपने विशाल होने चाहिए। हिमाचल का युवा अपनी प्रतिभा, मेहनत और संकल्प के बल पर देश-दुनिया में अपनी पहचान बना सकता है। उन्होंने कहा कि दिल में देशभक्ति और माथे पर हिमाचली टोपी, यही देवभूमि हिमाचल की पहचान है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का रास्ता हिमाचल से होकर भी आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए गांवों का विकास, युवाओं के लिए नए अवसर, किसानों और बागवानों की मजबूती तथा पर्यटन के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत की करीब 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है और यह देश की सबसे बड़ी ताकत है, जिसमें हिमाचल का युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि आज हिमाचल को केवल पर्यटन और सरकारी नौकरियों तक सीमित रखने की सोच से आगे बढ़ने की आवश्यकता है। ऐसा नया हिमाचल बनाना है जहां शिक्षा, तकनीक, स्टार्टअप, खेल, पर्यटन, कृषि, नवाचार और उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में नए अवसर पैदा हों। उन्होंने कहा कि हिमाचल के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल प्रतिभा को सही दिशा, सही मंच और सही अवसर देने की है। इसी कारण उनका मानना है कि आकांक्षी हिमाचल का सबसे बड़ा आधार हिमाचल का युवा है।

बच्चों के समुचित विकास के लिए सही उम्र में सही पोषण जरूरी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला महिला व बाल विकास विभाग के तत्वावधान में आंगनवाड़ी केंद्र लखनपुर में 'पोषण माह अभियान' के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र की सुविधाओं का जायजा लिया और बच्चों व अभिभावकों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने गोद भराई की रस्म भी निभाई। जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र कुमार ने मुख्यातिथि का स्वागत कर अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि खान-पान और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाकर कुपोषण व एनीमिया की रोकथाम करना है। उन्होंने स्थानीय व पारंपरिक खाद्य पदार्थों को दैनिक आहार में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने हरी पत्तेदार सब्जियां, स्थानीय अनाज, दालें, मौसमी फल और दूध के सेवन की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जीवन के शुरुआती वर्षों में बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास की गति तेज होती है, इसलिए बच्चों और गर्भवती महिलाओं के आहार में पोषण की गुणवत्ता व विविधता का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। इसके बाद डीसी ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला लखनपुर का दौरा कर 'मिशन दृष्टि' के तहत बच्चों के नेत्र परीक्षण अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 8 वर्ष तक की आयु के बच्चों में आंखों की समस्याओं की समय रहते पहचान कर उपचार सुनिश्चित करना अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने स्क्रीन टाइम नियंत्रित करने और बच्चों की नियमित नेत्र जांच पर भी जोर दिया।

उत्तराखंड में शुरू होगा 90 दिवसीय यूकेआईएस हैकाथॉन

अनिल थपलियाल, देहरादून। उत्तराखंड में युवाओं की तकनीकी प्रतिभा को नागरिक और प्रशासनिक चुनौतियों के समाधान से जोड़ने के लिए 90 दिवसीय उत्तराखंड इनोवेशन एंड सॉल्यूशंस हैकाथॉन 2026 शुरू होने जा रहा है। इसका उद्घाटन 15 सितंबर को ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के केपी नौटियाल सभागार में होगा। हैकाथॉन में छात्र, डेवलपर और युवा पेशेवर व्यक्तिगत या टीम के रूप में भाग ले सकेंगे। प्रतिभागियों को उत्तराखंड की स्थानीय समस्याओं पर आधारित व्यावहारिक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित समाधान विकसित करने का अवसर मिलेगा। आयोजन में 10 लाख रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि रखी गई है। साथ ही प्रतिभागियों को इंटर्नशिप, नौकरी के साक्षात्कार और अमेजन, गूगल, क्वालकॉम व स्ट्राइप जैसी कंपनियों के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन मिलेगा। बेहतर समाधानों को आगे पायलट परियोजनाओं और उद्योग से जोड़ने के अवसर भी दिए जा सकते हैं।

'दिशा 2026' में एआई से रोजगार अवसरों पर हुआ मंथन

एआई बदलेगा रोजगार का परिदृश्य, 17 करोड़ नए अवसर

अनिल थपलियाल

देहरादून। आईआईएम काशीपुर में प्रमुख प्रबंधन सम्मेलन 'दिशा 2026' का आयोजन किया गया, जिसमें उद्योग जगत के वरिष्ठ पेशेवरों, रणनीतिक निर्णयकर्ताओं और प्रबंधन विशेषज्ञों ने बदलते कारोबारी परिदृश्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तकनीकी बदलाव और संगठनात्मक परिवर्तन पर विचार साझा किए। सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के स्वरूप को तेजी से बदल रही है। नीनओपल इंक. के वरिष्ठ एसोसिएट कंसल्टेंट ध्रुव चौधरी ने बताया कि एक अध्ययन के अनुसार 2030 तक एआई के कारण करीब नौ करोड़ नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं, लेकिन इसी दौरान 17 करोड़ नए रोजगार के अवसर भी पैदा होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में क्रॉस-फंक्शनल लर्निंग और बाजार की जरूरतों को समझने की क्षमता महत्वपूर्ण होगी। बीएनवाई की वैश्विक प्रमुख करिश्मा सिंगला ने कहा कि आज केवल तकनीकी दक्षता पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपने क्षेत्र की विशेषज्ञता के साथ तकनीक की समझ भी जरूरी है।

उन्होंने जिज्ञासा को नेतृत्व के लिए अहम गुण बताया। सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में रणनीतिक नवाचार, कार्यबल अनुकूलन, डेटा आधारित प्रणालियों, डिजिटल ढांचे और बदलते बाजार के अनुरूप कारोबारी मॉडल में बदलाव पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कहा कि कंपनियों को बाजार के संकेतों को समय रहते पहचानकर त्वरित निर्णय लेने चाहिए। साथ ही मानव संसाधन के मजबूत तंत्र, टिकाऊ विकास और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों से निपटने की क्षमता विकसित करनी होगी।

'दिशा 2026' में नवाचार पर जोर

मेकमायट्रिप, वेदांता, डीएस ग्रुप और अदाणी ग्रुप के विशेषज्ञों ने भी नवाचार, लचीलेपन और तकनीकी नेतृत्व को भविष्य की सफलता का आधार बताया। सम्मेलन के समापन पर विद्यार्थियों और विशेषज्ञों के बीच प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। 'दिशा 2026' ने विद्यार्थियों को उद्योग जगत की बदलती जरूरतों को समझने और भविष्य की नेतृत्व भूमिकाओं के लिए तैयार होने का अवसर दिया।

लोक भवन में अखंड पाठ संपन्न राज्यपाल-सीएम ने टेका माथा

राज्यपाल और मुख्यमंत्री धामी ने देश-प्रदेश की खुशहाली के लिए मांगी दुआ

अनिल थपलियाल

देहरादून। लोक भवन में आयोजित तीन दिवसीय अखंड पाठ का सोमवार को विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यक्रम में प्रतिभाग कर प्रसाद ग्रहण किया।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष श्रद्धापूर्वक मत्था टेका तथा देश और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने प्रदेश में आपसी भाईचारे, सौहार्द और समृद्धि की कामना भी की।

अखंड पाठ में पहुंचे गणमान्य अतिथि

कार्यक्रम में प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक सविता कपूर, हेमकुण्ड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल और अपर सचिव रीना जोशी सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। तीन दिवसीय अखंड पाठ के आयोजन का उद्देश्य आध्यात्मिक शांति, मानव कल्याण और समाज में सद्भाव की भावना को मजबूत करना रहा।

लोक भवन में गूंजा आध्यात्मिक संदेश

अखंड पाठ के समापन अवसर पर लोक भवन का वातावरण आध्यात्मिक एवं भक्तिमय रहा। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं और गणमान्य लोगों ने भी गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष शीश नवाया और प्रदेश की उन्नति एवं जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। समापन अवसर पर सभी ने प्रदेशवासियों के सुखी, स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण जीवन की कामना की।

राजकीय महाविद्यालय खाड़ी में हिंदी दिवस पर सजे भाषाई रंग

भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी। राजकीय महाविद्यालय खाड़ी में हिंदी दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। हिंदी पखवाड़े के तहत विद्यार्थियों के लिए निबंध, कविता वाचन और भाषण प्रतियोगिताएं कराई गईं। निबंध प्रतियोगिता में हिंदी के महत्व, डिजिटल युग, सामाजिक माध्यमों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में हिंदी की भूमिका जैसे विषयों पर विद्यार्थियों ने विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ. ईरा सिंह और श्रीमती मीना ने हिंदी के ऐतिहासिक महत्व तथा साहित्यकारों के योगदान पर प्रकाश डाला। प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से दैनिक व्यवहार में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने और भाषा के सम्मान व गौरव को बनाए रखने का आह्वान किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

ऑपरेशन प्रहार में महिला ड्रग माफिया गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, उत्तरकाशी। ऑपरेशन प्रहार और ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत पुरोला पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित महिला आरोपी मैराज को सहसपुर, देहरादून से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मई 2026 में डामटा बैरियर पर दो युवकों को स्मैक तस्करी के आरोप में पकड़ा गया था। विवेचना में मैराज की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने धारा 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत साक्ष्य जुटाकर उसे खुशहालपुर चौक से गिरफ्तार किया। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पिलखड़ा में 20वें राजकीय संस्कृति संरक्षण मेले का हुआ रंगारंग आगाज

ऐतिहासिक पर्वों पर मेले जरूरी : टम्टा

अनिल थपलियाल

थराली/देवाल। पिलखड़ा (ल्वाणी) में सोमवार को 20वें दो दिवसीय राजकीय राजराजेश्वरी संस्कृति संरक्षण मेले का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुभारंभ हुआ। थराली विधायक भूपाल राम टम्टा और जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट ने दीप प्रज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। इससे पहले अतिथियों ने मां नंदा भगवती के पौराणिक मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

मेले में महिला मंगल दलों, विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने लोक संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियां दीं। नंदा झोड़ा, चाचड़ी और चौंफला ने दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कला मंच पांडवास के नर्सिंग नृत्य की भी सराहना हुई। विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही।

मेले के विकास को मिलेंगे 37 लाख

विधायक टम्टा ने मेले को राजकीय दर्जा मिलने पर सरकार और क्षेत्रवासियों को बधाई दी। जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट ने मेले की पहचान बढ़ने की बात कही और विकास कार्यों के लिए 37 लाख रुपये देने की घोषणा की। वहीं, जिला पंचायत सदस्यों ने खेल मैदान के समतलीकरण और नंदा मंदिर के गेट निर्माण के लिए दो-दो लाख रुपये देने की घोषणा की। मेला समिति अध्यक्ष महावीर बिष्ट ने आयोजन को जनसहयोग की देन बताते हुए इसे आगे और बेहतर स्वरूप देने की बात कही।

विधायक टम्टा ने कहा कि नंदा देवी की कैलाश यात्रा के दौरान दो दशक से आयोजित हो रहा यह मेला लोक संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

केदारनाथ मार्ग पर प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी व्यवस्था

चीरबासा में श्रद्धालुओं को सुरक्षित मार्ग पार कराया गया

अनिल थपलियाल

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम पैदल मार्ग पर गौरीकुंड से करीब ढाई किलोमीटर ऊपर चीरबासा हेलीपैड के समीप पहाड़ी से पत्थर गिरने के कारण मार्ग आंशिक रूप से बाधित हो गया। 13 सितंबर से लगातार पत्थर गिरने और प्रतिकूल मौसम के चलते देर शाम तक श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित रही। केदारनाथ से वापस लौट रहे श्रद्धालुओं को सुरक्षा की दृष्टि से विभिन्न पड़ावों पर रोककर सुरक्षित रखा गया।

सोमवार सुबह मौसम अनुकूल होने और पत्थर गिरने की स्थिति सामान्य होने के बाद केदारनाथ धाम से वापस लौट रहे श्रद्धालुओं को चीरबासा के बाधित हिस्से से सुरक्षा मानकों और आवश्यक सावधानियों के साथ चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित पार कराया गया।

मार्ग साफ करने में जुटा लोनिवि

श्रद्धालुओं के सुरक्षित पार होने के बाद लोक निर्माण विभाग ने मार्ग पर गिरे मलबे और पत्थरों को हटाने तथा साफ-सफाई एवं सुधारीकरण का काम शुरू कर दिया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए सोनप्रयाग में केदारनाथ की ओर जाने वाले यात्रियों को फिलहाल रोक दिया गया है। मार्ग पूरी तरह सुचारु होने के बाद यात्रा दोबारा संचालित की जाएगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मौके पर तैनात सुरक्षा एवं रेस्क्यू टीमों के निर्देशों का पालन करें और बिना अनुमति बाधित क्षेत्र को पार करने का प्रयास न करें।

पश्मी पहुंचे सतपाल महाराज महासू महाराज के किए दर्शन

अनिल थपलियाल

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के शिलाई क्षेत्र के पश्मी गांव पहुंचकर न्याय के देवता छत्रधारी चालदा महासू महाराज के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और देश की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। जागड़ा मेले के दूसरे दिन पश्मी पहुंचे महाराज ने कहा कि चालदा महासू महाराज जौनसार-बावर और हिमाचल के ट्रांस-गिरी क्षेत्र के लाखों लोगों के आराध्य और कुल देवता हैं। सदियों से उत्तराखंड, हिमाचल और उत्तर प्रदेश के लोग उनकी पूजा करते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चालदा महासू महाराज का पश्मी आगमन पूरे क्षेत्र के लिए सौभाग्य की बात है। उनकी कृपा से क्षेत्र में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहेगी।

उल्लेखनीय है कि देवता की ऐतिहासिक प्रवास यात्रा उत्तराखंड के दसऊ गांव से शुरू होकर टौंस नदी पार करने के बाद करीब 70 किलोमीटर की छह दिवसीय पैदल यात्रा के जरिए पश्मी पहुंची है। यहां करीब दो करोड़ रुपये की लागत से बने भव्य मंदिर में देवता एक वर्ष तक प्रवास करेंगे। मंदिर समिति और श्रद्धालुओं ने ढोल-दमाऊं तथा फूल-मालाओं से सतपाल महाराज का स्वागत किया।

कांग्रेस को बूथ स्तर पर मजबूत करेंगे कार्यकर्ता

भारतेंदु संवाददाता, विकासनगर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री नव प्रभात ने कहा कि आने वाला समय संघर्ष और चुनौतियों का है, जिसका कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर सामना करना होगा। उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र पर मजबूत कांग्रेस टीम गठित करने पर जोर दिया। साथ ही भाजपा सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रदेश उपाध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि कार्यकर्ताओं के सहयोग से विकासनगर में कांग्रेस मजबूत होगी।

दून पुलिस ने एसएसपी के नेतृत्व में अपराधियों पर कसा शिकंजा

दो मोबाइल स्नेचर गिरफ्तार, खुखरी और ऑटो बरामद

विकास बलोनी

एसएसपी, देहरादून

देहरादून। नेहरू कॉलोनी पुलिस ने मोबाइल स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को 14 सितंबर को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी रूप नगर रेलवे पटरी के पास खाली मैदान में ऑटो के साथ खड़े हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी में उनके कब्जे से दो स्मार्ट फोन और एक धारदार खुखरी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने आनंदग्राम और रिस्पना पुल के पास दो नशेड़ियों को खुखरी दिखाकर डराया-धमकाया और मोबाइल फोन छीने थे। दोनों ने बताया कि वे खुद भी नशे के आदी हैं और नशे की जरूरत पूरी करने के लिए वारदात करते थे। पुलिस ने उनके खिलाफ बीएनएस और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए हैं।

न्यूज ब्रीफ

दूसरी बार तेजपाल गुसाईं बने पीटीए अध्यक्ष

अनिल थपलियाल, लोल्टी। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज लोल्टी में अभिभावकों ने दूसरी बार तेजपाल सिंह गुसाईं को पीटीए अध्यक्ष चुना। कार्यकाल पूरा होने के बाद आयोजित बैठक में अभिभावकों ने सर्वसम्मति से उन पर फिर भरोसा जताया। गुसाईं ने कहा कि विद्यालय के विकास, विद्यार्थियों की सुविधाओं और बेहतर शैक्षणिक माहौल के लिए पूरी जिम्मेदारी से कार्य करेंगे। उन्होंने विद्यालय के जर्जर प्रांगण को दुरुस्त कराने के लिए शासन-प्रशासन से जल्द वार्ता करने की बात कही। बैठक में प्रधानाचार्य लक्ष्मण सिंह रावत सहित शिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे।

डीएम ने यमुनोत्री यात्रा व्यवस्थाएं परखी

भारतेंदु संवाददाता, उत्तरकाशी। मानसून काल समाप्त होने के बाद चारधाम यात्रा के दूसरे चरण को सुगम बनाने के लिए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने यमुनोत्री धाम पहुंचकर यात्रा मार्ग और धाम की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने क्षतिग्रस्त रैलिंग, दीवार और पैदल मार्ग की तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए। साथ ही स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधाओं और घोड़े-खच्चरों से जुड़ी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने को कहा। अधिकारियों को यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पर्याप्त मशीनरी व कार्यबल तैनात करने के निर्देश भी दिए।

टिहरी मेडिकल कॉलेज के लिए धरना जारी

भारतेंदु संवाददाता, टिहरी। टिहरी मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना 28वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के समर्थन में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम विचार मंच के स्वयंसेवक भी धरने पर बैठे। वहीं एक सितंबर से चल रहा क्रमिक अनशन 13वें दिन पहुंच गया। आंदोलनकारियों ने शासन से अब आश्वासन नहीं, बल्कि मेडिकल कॉलेज निर्माण की स्पष्ट घोषणा और समयबद्ध कार्ययोजना जारी करने की मांग की।

आबकारी छापेमारी से भड़के ग्रामीण, डीएम से निष्पक्ष जांच की मांग की

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी। कल्जीखाल ब्लॉक के दिवई गांव में आबकारी विभाग की छापेमारी को लेकर ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने दावा किया कि 10 सितंबर को गौरव पटवाल के घर हुई तलाशी में कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। ग्राम प्रधान अनुसूया देवी और बीडीसी सदस्य संजय डबराल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने डीएम स्वाति भदौरिया से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच की मांग की। डीएम ने जांच एसडीएम पौड़ी को सौंपते हुए नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

सेपियंस स्कूल में गणेश वंदना संग हिंदी पखवाड़े का समापन

भारतेंदु संवाददाता, विकासनगर। सेपियंस स्कूल हरबर्टपुर एवं विकासनगर में गणेश चतुर्थी पर विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण और भगवान गणेश की वंदना से हुआ। विद्यार्थियों ने भजन, प्रेरणादायक कहानियां और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। वहीं हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी सप्ताह एवं पखवाड़े का भी समापन हुआ। इस दौरान शब्दों की अंत्याक्षरी, कविता वाचन, भाषण, श्लोक, दोहा, वाद-विवाद, नाटक और कवि सम्मेलन जैसी प्रतियोगिताएं कराई गईं। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और हिंदी भाषा के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

छत्तीसगढ़ की विकास गाथा से रूबरू होंगे उत्तराखंड के पत्रकार

ललित मोहन लखेडा , देहरादून। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत पीआईबी देहरादून द्वारा उत्तराखंड के पत्रकारों के लिए आयोजित पांच दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रेस टूर के तहत 13 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल सोमवार को रायपुर पहुंचा। अध्ययन भ्रमण का उद्देश्य केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी प्रगति और नवाचारों का पत्रकारों को प्रत्यक्ष अनुभव कराना है। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल एसईसीएल बिलासपुर, एनटीपीसी और बीएएलसीओ कोरबा, 40 किलोवाट सौर परियोजना, जनजातीय संग्रहालय और सिरपुर का दौरा करेगा। इसके अलावा स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों की जानकारी लेने के साथ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट भी प्रस्तावित है। पीआईबी देहरादून के कंडक्टिंग ऑफिसर संजीव सुंद्रियाल ने कहा कि प्रेस टूर क्षेत्रीय मीडिया और राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के बीच महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है। इससे पत्रकारों को विकास कार्यों की जमीनी जानकारी मिलेगी और वे इन उपलब्धियों को तथ्यात्मक रूप से जनता तक पहुंचा सकेंगे।

प्रसव पीड़ा से जूझती महिला को एयर एंबुलेंस से दून भेजा

भारतेंदु संवाददाता, उत्तरकाशी। तहसील बड़कोट के नौगांव विकासखंड के धारी गांव निवासी 25 वर्षीय चंद्रकली देवी को प्रसव में परेशानी होने पर एयर एंबुलेंस से देहरादून भेजा गया। प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्रसव कराने का प्रयास किया, लेकिन जटिलता के चलते उच्च केंद्र रेफर करने की सलाह दी। परिजनों के अनुरोध पर जिला प्रशासन ने तत्काल यूकाडा से समन्वय कर हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की।

प्रशिक्षु पीसीएस दल ने डीएम से भेंट की

भारतेंदु संवाददाता, टिहरी। पांच सदस्यीय प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों के दल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल और मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल से शिष्टाचार भेंट की। जिलाधिकारी ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों का परिचय प्राप्त करते हुए उनके प्रशिक्षण और विभागीय अनुभव की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को प्रशासनिक कार्यों में जनहित को प्राथमिकता देने की बात कही तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

दल में प्रशिक्षु पीसीएस सहायक आयुक्त जीएसटी पवन कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. ज्योति बोहरा, पुलिस उपाधीक्षक गोविंद पांडे, सहायक नगर आयुक्त सुनाक्षी रावत और सहायक आयुक्त जीएसटी नंदिनी तोमर शामिल रहे।

दून पुस्तकालय ने बचाए लोक संगीत के 46 दुर्लभ गीत

अनिल थपलियाल, देहरादून। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र ने विलुप्त होने की कगार पर पहुंचे लोक संगीत के 46 दुर्लभ ग्रामोफोन गीतों को खोजकर डिजिटल रूप में संरक्षित किया है। 1939 से 1979 के बीच के इन गीतों में जीत सिंह नेगी का 'तू होली बीरा' और मोहन उप्रेती का 'बेडू पाको' भी शामिल हैं। परियोजना के तहत 18 कलाकारों के गीतों को संग्रहित किया गया है। इनमें सात रिकॉर्ड आजादी से पहले के हैं।

जौनसार में धूमधाम से मनाया जागड़ा पर्व

भारतेंदु संवाददाता, चकराता। जौनसार-बावर क्षेत्र में आस्था के प्रतीक जागड़ा पर्व का सोमवार को धूमधाम से समापन हुआ। सिद्धपीठ हनोल सहित बिसोई, लखवाड़, थेना, लकसियार, पंचरा, भंजरा, कोटी और कोटूवा आदि गांवों में महासू महाराज की पूजा-अर्चना की गई। देव पालकियों और निशानों को पारंपरिक विधि-विधान से देवस्रोत पर स्नान कराया गया। देव दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे।

महिलाओं और पुरुषों ने देव गीतों व हारुल पर नृत्य कर उत्साह जताया। श्रद्धालुओं ने महासू महाराज से सुख-समृद्धि की कामना की। हिमाचल के पश्मी गांव में भी जागड़ा पर्व मनाया गया।